आज का दिन

29 जुलाई विज्ञान और अंतरिक्ष अनुसंधान के इतिहास में एक ऐतिहासिक दिन माना जाता है। इसी दिन वर्ष 1958 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ड्वाइट डी. आइजनहावर ने नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एक्ट पर हस्ताक्षर किए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 143 | रांची, बुधवार, 29 जुलाई 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

परिवहन विभाग और टाटा मोटर्स के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

झारखंड में अत्याधुनिक चालक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान की स्थापना का रास्ता साफ

एजेंसी

रांची। झारखंड में अत्याधुनिक चालक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है. जमशेदपुर में टाटा मोटर्स के सहयोग से स्थापित हो रहे क्ळ्फको लेकर झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में मंगलवार को राज्य सरकार के परिवहन विभाग और टाटा मोटर्स के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया.

PPP मॉडल पर संचालित होगा प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

परिवहन विभाग और टाटा मोटर्स लिमिटेड के बीच यह अत्यधिक चालक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान पीपीपी मॉडल पर संचालित होगा, जो जमशेदपुर के मनपीठा मौजा में 11.88 एकड़ भूमि पर स्थापित होगी. इस संस्थान के लिए राज्य सरकार द्वारा जमीन उपलब्ध कराया जाएगा.

संस्थान की बिल्डिंग निर्माण पर राज्य सरकार देगी 3.21 करोड़

इस संस्थान के बिल्डिंग निर्माण पर कुल लागत 22.30 करोड़ की होगी, जिसमें परिवहन विभाग झारखंड सरकार द्वारा 3.21 करोड़, केंद्र सरकार द्वारा 17 करोड़ और टाटा मोटर्स के द्वारा 1.82 करोड़ का सहयोग दिया जा रहा है. संस्थान के निर्माण का कार्य झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा कराया जा रहा है.

प्रशिक्षणार्थियों की 15 घंटे होगी थ्योरी क्लास

इस संस्थान में 30 घंटे की कुल प्रशिक्षण अवधि होगी, जिसमें 15 घंटे प्रशिक्षणार्थियों की थ्योरी क्लास होगी और 15 घंटे का प्रैक्टिकल क्लास होगा. इस संस्थान में 50 पुरुषों के लिए एवं 25 महिलाओं के लिए छात्रावास तथा मेस की सुविधा होगी. वाहन चालकों के प्रशिक्षण के लिए एलएमवी एवं एचएमवी ड्राइविंग सिम्युलेटर, प्राथमिक उपचार एवं दुर्घटना उपरांत प्रशिक्षण एवं रोजगारोन्मुख उद्योग आधारित चालक प्रशिक्षण दिया जाएगा.

ड्राइविंग लाइसेंस लेना हो सरलः मुख्यमंत्री

झारखंड मंत्रालय में आयोजित एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह के अलावा टाटा मोटर्स और राज्य सरकार के परिवहन विभाग से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे.

युवाओं को वितरित किए गए सांकेतिक ड्राइविंग लाइसेंस

इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा हाल के दिनों में बने करीब 10 हजार ड्राइविंग लाइसेंस में से सांकेतिक रुप से कुछ युवाओं के बीच वितरित किया गया. इस मौके पर मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉफ्रेसिंग के जरिए सभी जिलों के डीटीओ और डीसी से कामकाज की जानकारी ली.

मुख्यमंत्री ने जताई एमओयू पर खुशी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस प्रशिक्षण संस्थान को लेकर हुए एमओयू पर खुशी जताते हुए कहा कि वे खुद इसको लेकर पिछले छह-सात सालों से पहल कर रहे थे क्योंकि इस तरह का ड्राइविंग प्रशिक्षण झारखंड में नहीं था. टाटा मोटर्स के द्वारा पंजाब में खोला गया था जबकि झारखंड में भी इसकी आवश्यकता थी, ऐसे में राज्य सरकार के साथ साथ टाटा मोटर्स की पहल आखिरकार कामयाब हुई इसके लिए मैं बधाई देता हूं.

ड्राइविंग लाइसेंस लेने के लिए कैसे दूर की जाए लोगों की परेशानी?

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस लेने के लिए लोगों की परेशानी कैसे दूर हो और इसे कैसे सरल बनाया जाय, इस पर जरूर विचार करें. क्योंकि एलएमवी तो लोग जैसे तैसे बना लेते हैं लेकिन एचएमवी बनाने में बहुत परेशानी है, ऐसे में निजी कंपनियों के भरोसे लोग होते हैं और इसे बनाने में सरकारी कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है.

महिलाओं को परिवहन क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में हम प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य

प्रकृति संरक्षण में ही मानवता का कल्याण निहित : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रकृति के संरक्षण और उसके सम्मान को मानवता के कल्याण का आधार बताते हुए मंगलवार को एक्स पर सुभाषितम्‌ साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा मनुष्य को प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीने की प्रेरणा देती है। प्रधानमंत्री ने लिखा, प्रकृति के संरक्षण और सम्मान में ही मानवता का कल्याण निहित है। हमारी परंपरा भी हमें इसी धर्मसम्मत आचरण की प्रेरणा देती है। वह सुभाषितम् है, लोकपालाश्च ते सर्वे वासवप्रमुखास्तथा। ऋतवः षट् च ते सर्वे मासाः संवत्सराः क्षपाः॥ दिनानि च मुहूर्ताश्च स्वस्ति कुर्वन्तु ते सदा। श्रुतिः स्मृतिश्च धर्मश्च पातु त्वां पुत्र सर्वतः॥₹ इसका अर्थ है कि प्रकृति, समय और धर्म के साथ सामंजस्य स्थापित कर जीवन जीना ही सुख, शांति और समृद्धि का मार्ग है। इसमें कामना की गई है कि दिशाओं के रक्षक देवता, इंद्र सहित सभी देवगण, वर्ष की छहों ऋतुएं, सभी महीने, दिन, रात्रियां और प्रत्येक शुभ मुहूर्त व्यक्ति के जीवन में मंगल और कल्याण लाएं। साथ ही वेद, स्मृतियां और धर्म हर परिस्थिति में उसकी रक्षा करें।

देश की नजरें टिकीं संसद पर, लोकसभा में प्रश्नपत्र लीक निरोधक विधेयक पर चर्चा जारी

एजेंसी

नई दिल्ली, । समूचे देश की नजरें आज संसद पर टिकी हैं। लोकसभा में कई दिनों से जारी गतिरोध के समाप्त होने और प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कड़े प्रावधान वाले विधेयक पर चर्चा शुरू होने की संभावना है। ऐसा कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर सभी प्रमुख राजनीतिक दल सोमवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 पर चर्चा कराने पर सहमत हो चुके हैं। यह संसद का मानसून सत्र है। अब तक दोनों सदनों में विपक्ष ने छात्र आंदोलन पर जमकर हंगामा किया है। जंतर-मंतर पर 36 दिन के आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। सरकार ने परीक्षा और प्रश्न पत्र लीक रोकने के लिए कई उपाय किए हैं। नंदन नीलेकणि के नेतृत्व में टास्क फोर्स का गठन किया गया है। सरकार का कहना है कि पेपर लीक रोकने के लिए हरसंभव उपाय किए जा रहे हैं। संसद मार्च के दौरान 20 जुलाई को पुलिस और छात्रों के टकराव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आंदोलनकारियों से इंस्टाग्राम वीडियो के जरिये संवाद किया था। उन्होंने युवाओं को फ्रेंड्स कहकर संबोधित किया और भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी चिंता से परिचित और संवेदनशील है। विपक्ष ने सोमवार को दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) में छात्रों पर पुलिस बल प्रयोग का मुद्दा उठाया और सभी काम बंद कर पहले चर्चा की मांग की। लोकसभा में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की माफी और केंद्रीय गृहमंत्री के बयान की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया।

विश्वप्रसिद्ध बाबा अजगैवीनाथ धाम से 'श्रावणी मेला 2026' का भव्य शुभारंभ

एजेंसी

पटना। बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज स्थित विश्वप्रसिद्ध बाबा अजगैवीनाथ धाम से 'श्रावणी मेला 2026' का भव्य और आध्यात्मिक शुभारंभ मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने फीता काटकर और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि श्रावणी मेला केवल बिहार का ही नहीं, बल्कि संपूर्ण देश और दुनिया की अटूट आस्था का महापर्व है। उन्होंने घोषणा की कि सुल्तानगंज के उत्तरवाहिनी गंगा क्षेत्र को उत्तराखंड के हरिद्वार की तर्ज पर एक भव्य और आधुनिक धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके तहत गंगा नदी के किनारे मजबूत तटबंध, सर्वसुविधायुक्त सड़कें और पर्यटक सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को एक सुखद और विश्वस्तरीय अनुभव मिल सके। मुख्यमंत्री ने अन्य आधारभूत परियोजनाओं पर बात करते हुए ऐलान किया कि बहुप्रतीक्षित अगुवानी-सुल्तानगंज गंगा पुल का निर्माण कार्य 31 दिसंबर 2027 से पहले हर हाल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त अजगैवीनाथ धाम से अगुवानी घाट तक रोपवे निर्माण और स्थानीय एयरपोर्ट के विकास पर भी सरकार तेजी से काम करेगी। तकनीक और धार्मिक पर्यटन के इस समावेश के साथ ही बाबा अजगैवीनाथ धाम में कांवड़ियों का उत्साह चरम पर है और पूरा क्षेत्र 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान है।

राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, प्रधानमंत्री ने दी कॉमनवेल्थ गेम्स के पदक विजेता को बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली, 28 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित कई नेताओं ने मंगलवार को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतने भारतीय खिलाडियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा, ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के शॉट पुट एफ57 इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने पर शर्मिला धनखड़, पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतने पर सर्वेश अनिल कुशारे, पुरुषों के 79 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर वल्लुरी अजय बाबू और महिलाओं के शॉट पुट एफ57 इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर शिल्पा के. शायला को बहुत-बहुत बधाई। शर्मिला ने पैरा एथलेटिक्स में भारत की पहली कॉमनवेल्थ गेम्स गोल्ड मेडलिस्ट बनकर आपने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। आपकी यह कामयाबी युवा एथलीटों को अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। मैं कामना करती हूँ कि आने वाले समय में आप और भी कई उपलब्धियाँ हासिल करें।

बिरला ने कहा कि ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के 58 किग्रा वेटलिफ्टिंग इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बिंद्यारानी देवी सोरोखाइबम को बहुत-बहुत बधाई। लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतना आपके असाधारण समर्पण और दृढ़ता को दशार्ता है। ऐसे ही प्रेरित करती रहें। देश का मान बढ़ाती रहें! मोदी ने कहा कि वेट लिफ्टिंग में भारत के लिए एक और मेडल! ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 58 किग्रा इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बिंद्यारानी देवी सोरोखाइबम पर गर्व है। उनकी यह कामयाबी उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का नतीजा है। केंद्रीय युवा मामलों एवम खेलमंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने कहा ग्लासगो में ऐतिहासिक गोल्ड! शर्मिला ने महिलाओं के शॉट पुट एफ57 इवेंट में गोल्ड जीता और कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इतिहास रचा। वह पैरा एथलेटिक्स में कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली एथलीट बन गई हैं। आपके अटूट जज्बे ने ग्लोबल मंच पर पूरे देश का मान बढ़ाया है।

ऑपरेशन 'नवजीवन-क्क्ं में झारखंड पुलिस को बड़ी सफलता, 16 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

रांची। झारखंड पुलिस को माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। ऑपरेशन 'नवजीवन-क्क्ं के तहत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के 16 सक्रिय नक्सलियों ने मंगलवार को झारखंड पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के विभिन्न स्तरों के कमांडर और दस्ता सदस्य शामिल हैं। उन्होंने पुलिस को 11 आधुनिक हथियार, 38 मैगजीन और 1,562 जिंदा कारतूस भी सौंपे। पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने बताया कि झारखंड पुलिस, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), कोबरा बटालियन और झारखंड जगुआर द्वारा संयुक्त रूप से चलाए जा रहे अभियानों से माओवादी संगठन पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। साथ ही राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में लौट रहे हैं।, डीजीपी के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में 11 पुरुष और पांच महिलाएं शामिल हैं। इनमें एक रीजनल कमेटी सदस्य (आरसीएम), तीन जोनल कमेटी सदस्य (जेडसीएम), तीन सब-जोनल कमेटी सदस्य (एसजेडसीएम), छह एरिया कमेटी सदस्य (एसीएम) तथा तीन दस्ता सदस्य हैं। ये सभी कोल्हान और सारंडा के दुर्गम जंगल-पहाड़ी क्षेत्रों में सक्रिय थे तथा संगठन के शीर्ष नेताओं मिसिर बेसरा उर्फ सागर जी और असीम मंडल के दस्ते से जुड़े बताए जाते हैं। डीजीपी ने कहा कि लगातार सुरक्षा अभियान, संगठन के भीतर बढ़ता असंतोष और सरकार की पुनर्वास नीति के कारण माओवादी संगठन लगातार कमजोर हो रहा है। विशेष रूप से पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) और आसपास के क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियां तेजी से सिमट रही हैं। डीजीपी ने शेष सक्रिय नक्सलियों से भी अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन की शुरूआत करें। सीआरपीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) साकेत सिंह ने इस मौके पर बताया कि इसी नेटवर्क से जुड़े आठ अन्य कमांडर और सदस्य हाल ही में छत्तीसगढ़ में भी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। झारखंड में आत्मसमर्पण करने वाले 16 नक्सलियों में से 15 पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा), लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग, खूंटी, बोकारो, रांची, सरायकेला-खरसावां और गिरिडीह जिलों के निवासी हैं, जबकि एक सदस्य ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक चलाए गए अभियानों के दौरान 93 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। इसी अवधि में 45 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जबकि पुलिस मुठभेड़ों में 22 नक्सली मारे गए हैं। इससे पहले 21 मई 2026 को 27 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। वहीं जुलाई माह में शीर्ष माओवादी कमांडरों के विरुद्ध कार्रवाई और एक महिला एरिया कमेटी सदस्य के आत्मसमर्पण जैसी महत्वपूर्ण सफलताएं भी सुरक्षा बलों को मिली हैं। आईजी साकेत सिंह ने बताया कि झारखंड में सक्रिय रहे आठ अन्य माओवादियों ने छत्तीसगढ़ में भी आत्मसमर्पण किया है। इनमें जोनल कमेटी सदस्य अश्विन उर्फ लच्छू कोरसा, एरिया कमेटी सदस्य सोहन पुनेम, रीता उर्फ मंगली कुंजाम, अनुषा कुंजाम, रजनी मुडकेम तथा सदस्य राहत मांडवी, सुबनी और जेलानी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 15 लाख रुपये का इनामी रीजनल कमेटी सदस्य संतोष उर्फ बासुदेव दा उर्फ गांधी उर्फ दिलीप उर्फ संजय महतो उर्फ

झारखंड सरकार और बीआईटी मेसरा के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

850 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को मिलेगी निःशुल्क तकनीकी शिक्षा

राँची : झारखंड सरकार के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं आदिम जनजाति कल्याण विभाग तथा यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक, बीआईटी मेसरा, राँची के बीच प्रोजेक्ट भवन, राँची में एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते ने झारखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से आने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के मेधावी किंतु आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए उच्च स्तरीय व्यावसायिक शिक्षा के द्वार खोल दिए हैं। इस पहल को झारखंड सरकार के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री माननीय श्री चमरा लिंडा के विशेष सहयोग एवं निरंतर समर्थन से साकार किया गया है। इस ऐतिहासिक समारोह में कल्याण विभाग के सचिव श्री के. एन. झा (जो सरकार की ओर से इस पहल के प्रमुख एवं सूत्रधार हैं) और कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव श्री जावेद अनवर इदरीसी उपस्थित रहे। बीआईटी मेसरा का प्रतिनिधित्व कुलपति प्रो. इंद्रनील मन्ना, कुलसचिव डॉ. राजेश जैन, डीन एकेडमिक डॉ. मनीष कुमार और प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने किया। वहीं, यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के प्रतिनिधिमंडल में निदेशक डॉ. विजया लक्ष्मी, सहायक कुलसचिव श्री सौरभ प्रसाद और वरिष्ठ संकाय सदस्य शामिल थे। समारोह के दौरान प्रो. मन्ना ने श्री के. एन. झा को यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की प्रगति से अवगत कराया और माननीय कल्याण मंत्री, सचिव तथा संयुक्त सचिव को यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक परिसर का दौरा करने का सहर्ष निमंत्रण दिया। समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर औपचारिक रूप से झारखंड सरकार की ओर से कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव श्री जावेद अनवर इदरीसी तथा बीआईटी मेसरा की ओर से यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक की निदेशक डॉ. विजया लक्ष्मी ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता झारखंड के आर्थिक रूप से कमजोर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा तक समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बात की सशक्त पुनः पुष्टि करते हुए कि आर्थिक तंगी कभी भी योग्यता के मार्ग में बाधा नहीं बननी चाहिए, झारखंड सरकार ने दस वर्षों की अवधि में ?79.40 करोड़ (?7,939.63 लाख) की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। सरकार संस्थान के 85% आवर्ती व्यय का वहन करेगी, जिससे प्रतिवर्ष 850 छात्रों को शिक्षण, छात्रावास और भोजन (मेस) की सुविधा पूरी तरह निःशुल्क प्राप्त होगी। इस योजना की पात्रता मेधा-आधारित होगी, जिसके तहत 2.50 लाख से कम वार्षिक पारिवारिक आय वाले छात्र पात्र होंगे।

स्वस्थ जीवनशैली से हेपेटाइटिस की रोकथाम संभव: श्री श्री विश्वविद्यालय में विशेषज्ञों का संदेश

कटक/ रांची, 28 जुलाई। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हेपेटाइटिस जैसी गंभीर बीमारी से काफी हद तक बचा जा सकता है। यह संदेश विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर ओड़िशा के कटक स्थि श्री श्री विश्वविद्यालय में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने दिया। श्री श्री आयुर्वेद महाविद्यालय के काय चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रख्यात गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट प्रोफेसर संजय कुमार कर ने विद्यार्थियों को हेपेटाइटिस के कारण, लक्षण, निदान और रोकथाम के वैज्ञानिक पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि समय पर जांच और सही उपचार से रोग को नियंत्रित किया जा सकता है। कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) तेजप्रताप ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए स्वास्थ्य शिक्षा के महत्व पर बल दिया। डॉ. संजीव कुमार दास ने आयुर्वेद आधारित जीवनशैली के लाभ बताए, जबकि प्रोफेसर केशरी सिंह ने संतुलित आहार और नियमित व्यायाम को स्वस्थ यकृत के लिए आवश्यक बताया। डीन प्रोफेसर क्षीराब्धि तनया राउतराय ने अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रोफेसर निरंजन एस. ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मेडिकल सुपरिंटेंडेंट प्रोफेसर रबिनारायण त्रिपाठी, डिप्टी डीन प्रोफेसर दुर्गाप्रसाद दास, डिप्टी डीन प्रोफेसर नगेंद्र प्रसाद, पूर्व डीन प्रोफेसर प्रदीप कुमार पंडा सहित शिक्षक, शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देविका श्रीनिवासन एवं डॉ. प्रीतिमयी साहू ने किया।

उच्च न्यायालय ने सड़क हादसे में मृत चालक के परिजनों का मुआवजा तीन गुना से अधिक बढ़ाया

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले चालक के परिजनों को बड़ी राहत देते हुए मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (एमएसीटी), तेनुघाट द्वारा निर्धारित मुआवजा राशि में करीब तीन गुना वृद्धि की है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक की अदालत ने दावा स्वीकार करते हुए मुआवजा 1.87 लाख रुपये से बढ़ाकर 5.85 लाख रुपये कर दिया। मामले को लेकर मृतक चालक बिजली रविदास की पत्नी वीणा देवी और उनके बच्चों ने मुआवजा बढ़ाने की मांग की थी। अपीलकर्ता की ओर से हर्ष चंद्र एवं अधिवक्ता अभिजीत कुमार सिंह ने पक्ष रखा। अदालत ने पाया कि अधिकरण ने मृतक की वार्षिक आय केवल 15,000 रुपये मानी थी, जबकि दावा किया गया था कि वह चालक के रूप में 4,000 रुपये प्रतिमाह कमाता था। हालांकि इस आय का कोई दस्तावेजी प्रमाण या नियोक्ता की गवाही उपलब्ध नहीं थी, फिर भी हाईकोर्ट ने कहा कि केवल दस्तावेजों के अभाव में दावा पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह मानते हुए कि मृतक पेशे से चालक था, उसकी आय 2,000 रुपये प्रतिमाह (24,000 रुपये वार्षिक) निर्धारित की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के तय सिद्धांतों के अनुसार 40 प्रतिशत भविष्यगत आय जोड़ी गई और व्यक्तिगत खर्च की कटौती और 17 के मल्टीप्लायर को लागू करते हुए आश्रितों की आय हानि 4,35,200 रुपये आंकी गई। इसके अतिरिक्त अदालत ने 15,000 रुपये संपत्ति हानि 15,000 रुपये अंतिम संस्कार खर्च और तीनों दावेदारों के लिए 40-40 हजार रुपये (कुल 1.20 लाख रुपये) कंसोर्टियम के रूप में प्रदान किए। इस प्रकार कुल मुआवजा 5,85,200 रुपये निर्धारित किया गया। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया कि इस राशि पर दावा याचिका दायर करने की तिथि से वास्तविक भुगतान तक छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी दिया जाएगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक बीमित था और बीमा कंपनी ने अधिकरण द्वारा उस पर डाली गई देयता को चुनौती नहीं दी है। इसलिए नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को निर्देश दिया गया कि वह बढ़ी हुई मुआवजा राशि, पहले से किए गए भुगतान को समायोजित करते हुए, छह सप्ताह के भीतर उच्च न्यायालय में जमा करे। इसके बाद यह राशि दावेदारों के बैंक खातों में सीधे स्थानांतरित की जाए। उक्त दिशा-निर्देश देते हुए कोर्ट ने अपील निष्पादित कर दिया।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर पासवा का संदेश, हर व्यक्ति लगाए एक पौधा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे के नेतृत्व में डीएवी सरला स्कूल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 200 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया गया। इस अवसर पर आलोक कुमार दूबे ने कहा कि विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हमें याद दिलाता है कि मानव और प्रकृति का संबंध प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि सहअस्तित्व का है। जब प्रकृति सुरक्षित होगी, तभी मानवता सुरक्षित होगी। स्वस्थ पर्यावरण, स्वस्थ समाज और स्वस्थ जीवन–इन्हीं तीनों का संतुलन भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पासवा द्वारा चलाया जा रहा 50 लाख वृक्षारोपण अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण का संकल्प है। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों से अपील की कि वे अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसके संरक्षण का भी संकल्प लें। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, पासवा के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वृक्षारोपण के माध्यम से सभी ने हरित एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। आज के कार्यक्रम में पासवा के लाल किशोर नाथ शाहदेव, मेहुल दुबे, अनिकेत कुमार, अंकिता कुमारी, आरती कुमारी, खुशी कुमारी,वीणा कुमारी, विशाल सिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कोयला नगर श्री साई मंदिर में अखंड हरि कीर्तन का समापन

29 जुलाई को निकलेगी साई बाबा की पालकी यात्रा

धनबाद :धनबाद के कोयला नगर स्थित श्री साई मंदिर में मंगलवार को तीन दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन अखंड हरि कीर्तन का समापन हुआ। बोरागढ़ के भजन गायक शशि सिंह एवं उनकी मंडली के कीर्तन -भजन में भक्तजन झूमे। इसके उपरांत भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। जजमान उदय प्रताप सिंह ने बताया कि 29 जुलाई को पालकी यात्रा निकली जाएगी, अपराह्न में बाबा को छप्पन भोग अर्पण और महाभंडारा का भव्य आयोजन किया जाएगा । श्रद्धालुओं से निवेदन किया की भारी संख्या में श्री साई मंदिर के पालकी यात्रा में कार्यक्रम में शामिल हो। कार्यक्रम के द्वितीय दिन जजमान उदय प्रताप सिंह व उनकी पत्नी रेनू सिंह, इंदु देवी,आशनी सिंह? ,डीएन सिंह ,नितिन भट्ट, मिल्टन पार्थशास्त्री ,उमेश सिंह, शशि सिंह ,रेवती रमन सिंह ,तुफानी बाबा ,मुनी मनीष कुमार सिंह, चंदन कुमार, अभिनाश ने भक्त जनों के कल्याण के लिए पूजा अर्चना किया।

उद्योग से जुड़कर सीख रहे हैं सफलता के सूत्र : आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी, रांची के विद्यार्थियों ने किया पार्ले-जी फैक्ट्री का औद्योगिक भ्रमण

'क्लासरूम से इंडस्ट्री तक, ज्ञान से अनुभव तक' की सोच को मिला नया आयाम, विद्यार्थियों ने जाना आधुनिक उत्पादन एवं गुणवत्ता प्रबंधन का पूरा तंत्र

रांची विद्यार्थियों को वैश्विक औद्योगिक परिवेश के अनुरूप तैयार करने और उन्हें व्यवहारिक ज्ञान से समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी, रांची के स्कूल ऑफ कॉमर्स एवं मैनेजमेंट द्वारा प्रतिष्ठित पार्ले-जी फैक्ट्री का औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया। ₹क्लासरूम से इंडस्ट्री तक, ज्ञान से अनुभव तक₹ थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को उद्योग जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली, आधुनिक तकनीक और प्रोफेशनल कार्यसंस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर प्रदान किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने बिस्किट निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया का गहन अध्ययन किया। कच्चे माल की गुणवत्ता जांच, स्वचालित उत्पादन प्रणाली, आधुनिक बेकिंग तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, वेयरहाउसिंग, सप्लाई चेन मैनेजमेंट तथा वितरण व्यवस्था को नजदीक से देखा। फैक्ट्री के विशेषज्ञों ने बताया कि किसी भी प्रतिष्ठित ब्रांड की सफलता के पीछे गुणवत्ता, अनुशासन, नवाचार, तकनीकी दक्षता और ग्राहक विश्वास सबसे महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इस अवसर पर पार्ले-जी प्लांट के निदेशक श्री जगन्नाथ झा ने कहा कि उद्योगों को ऐसे युवा प्रोफेशनल्स की आवश्यकता है, जिनके पास मजबूत शैक्षणिक आधार के साथ व्यावहारिक समझ, समस्या समाधान की क्षमता और सकारात्मक कार्य दृष्टिकोण हो। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर सीखने और बदलती तकनीकों के साथ स्वयं को अद्यतन रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रमुख श्री अंकित प्रकाश, स्कूल ऑफ कॉमर्स एवं मैनेजमेंट की प्रमुख श्रीमती पूजा गुप्ता, डॉ. रंजीत कुमार, स्मिता सिन्हा, अनिमा एवं स्मृति सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उद्योगों में उपलब्ध करियर अवसरों एवं व्यावसायिक अपेक्षाओं की जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. चटर्जी ने इस अवसर पर कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप अनुभवात्मक शिक्षा (ए७स्त्री१ील्ल३' छीं१ल्ल्रल्लॉ) ही भविष्य की आवश्यकता है। आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी, रांची विद्यार्थियों को केवल डिग्री नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल, नवाचार और नेतृत्व क्षमता से युक्त सक्षम प्रोफेशनल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, विश्लेषणात्मक सोच और व्यावसायिक दृष्टिकोण का विकास करते हैं।

एक नजर

नगड़ी में एल.एस. आशीर्वाद के नए कार्यालय का हुआ भव्य उद्घाटन

रांची के नगड़ी क्षेत्र में एल.एस. आशीर्वाद के नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन अधिवक्ता चंद्र शेखर पांडेय, संजय कुमार सारस्वत, प्रभाकर कुमार सिन्हा, हरिओम शंकर (सोनू सिंह) अपर्णा सिंह,अंजन कात्यान के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोग एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह में उपस्थित प्रमुख लोगों में प्रकाश कुमार,अशोक साहु,विवेक धान, मुन्ना सिंह ,अमित कुमार श्रवण महली, विजेता कच्छप, अमित उरांव, सन्नी नायक, मंटू नायक, विनोद उरांव, प्रेम साहू, शंकर साहू, सूरज साहू, सूरज महतो, बिट्टू साहू, विनोद नायक, बीरू नायक, मंटू साहू, गोबरा नायक, अर्जुन महतो शिवा कुमार महतो, सत्यम कुमार एवं बबलू उराव शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने नए कार्यालय के शुभारंभ पर शुभकामनाएँ दीं और संस्था की निरंतर प्रगति एवं समाज सेवा के कार्यों में सफलता की कामना की। समारोह का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहाँ उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएँ देते हुए नए कार्यालय के शुभारंभ का स्वागत किया।

E20 पर विरोधाभासी बयान जनता के विश्वास को कमजोर करते हैं : आलोक कुमार दूबे

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने E20 और एथेनॉल ब्लेंडिंग नीति को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि एक ओर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी पहले 100 प्रतिशत एथेनॉल से जुड़े फैसलों की बात करते हैं, वहीं बाद में यह कहते हैं कि पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग से उनका कोई लेना-देना नहीं है। जनता इस विरोधाभास का जवाब चाहती है। आलोक कुमार दूबे ने कहा कि यदि E20 नीति किसानों, देश और अर्थव्यवस्था के लिए इतनी लाभकारी है तो फिर उसके राजनीतिक और प्रशासनिक निर्णयों की जिम्मेदारी लेने से परहेज क्यों किया जा रहा है? सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि नीति निर्माण और उसके क्रियान्वयन की जवाबदेही आखिर किसकी है। उन्होंने कहा कि देश को भ्रमित करने के बजाय केंद्र सरकार को E20 नीति के प्रभाव, किसानों को वास्तविक लाभ, उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले असर तथा वाहनों पर इसके प्रभाव को लेकर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। आलोक कुमार दूबे ने कहा कि लोकतंत्र में जवाबदेही से बचने की बजाय तथ्यों के साथ जनता के सवालों का उत्तर देना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि सरकार अपने ही निर्णयों की जिम्मेदारी लेने से पीछे हटती है तो इससे जनता का विश्वास कमजोर होता है। कांग्रेस पार्टी E 20 नीति के हर पहलू पर पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करती है।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के द्वितीय चरण में रांची से निकली भव्य संकीर्तन रैली

रांची:देशव्यापी गौ सम्मान आह्वान अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत आज रांची मे गौमाता के सम्मान,संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से भव्य हरिनाम संकीर्तन रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 100 साधु-संतों एवं विभिन्न सामाजिक,धार्मिक और गौसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों की उत्साहपूर्वक सहभागिता रही कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8:00 बजे जयपाल सिंह स्टेडियम में हुआ,जहाँ लगभग सवा घंटे तक विजय महामंत्र झ्र श्री राम जय राम जय जय राम₹ का सामूहिक जप किया गया। इसके उपरांत लगभग 10:00 बजे हरिनाम संकीर्तन एवं जय गौमाता जी के जयघोष के साथ रैली प्रारंभ हुई। रैली जयपाल सिंह स्टेडियम होते हुए उपायुक्त कार्यालय पहुँची वहाँ माननीय उपायुक्त महोदय जी को ज्ञापन सौंपा गया,जिसे माननीय राष्ट्रपति,माननीय प्रधानमंत्री,माननीय राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री तक अग्रेषित किए जाने का अनुरोध किया गया। ज्ञापन के साथ रांची जिले से प्राप्त लगभग 6 लाख नागरिकों के हस्ताक्षरों को स्कैन कर पेन ड्राइव में सुरक्षित किया गया तथा अलग-अलग स्मरण पत्रों के साथ संलग्न कर प्रशासन को सौंपा गया। ज्ञापन में प्रमुख रूप से गौहत्या निषेध हेतु सशक्त केंद्रीय कानून बनाने,गौ संरक्षण एवं पालन को बढ़ावा देने, गोचर भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करने, गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान प्रदान करने, सड़कों पर निराश्रित गौवंश की समस्या का स्थायी समाधान करने, भारतीय कृषि एवं चिकित्सा व्यवस्था को गौ-आधारित बनाने सहित अनेक महत्वपूर्ण मांगें रखी गईं।

बीएमएस की अखिल भारतीय कार्यसमिति संपन्न, ईपीएस पेंशन बढ़ाने और श्रम संहिताओं में संशोधन की मांग दोहराई

रांची। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यसमिति की बैठक मंगलवार को सरला बिरला परिसर, रांची में संपन्न हो गई। 26 से 28 जुलाई तक आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में देशभर से आए प्रतिनिधियों ने संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों, बदलते श्रम परिदृश्य, श्रम सुधारों तथा समसामयिक राष्ट्रीय श्रम विषयों पर व्यापक मंथन किया। बैठक के दौरान प्रस्तावित श्रम सुधारों और चार श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। कार्यसमिति ने निर्णय लिया कि भारतीय मजदूर संघ दो प्रमुख श्रम संहिताओं औद्योगिक संबंध संहिता (आईआर कोड) और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता (ओएसएच कोड) के संबंध में अपने सुझाव एवं आपत्तियां औपचारिक रूप से केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत करेगा, ताकि श्रमिकों के हितों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पत्नी व नाबालिग बेटे पर पति की हत्या का आरोप

पुटकी : मुनीडीह ओपी क्षेत्र के गोपनाथडीह बस्ती के वाशरी रोड में 31 वर्षीय बिसु बाउरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के भाई बहन एवं अन्य परिजनों ने पत्नी पूनम देवी, नाबालिग पुत्र पर ईंट, पत्थर व बेलन से वार कर हत्या करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद पुलिस ने पत्नी, नाबालिग पुत्र हिरासत में लेकर पूछताछ कर कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया । शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया । शव पोस्टमार्टम के आने के बाद स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है ।

गुरु रविदास की 650वीं जयंती पर सात माह चलेगा 'समरसता संकल्प अभियान', झारखंड में होंगे व्यापक कार्यक्रम : अर्जुन मुंडा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अर्जुन मुंडा ने कहा कि पार्टी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती को देशभर में 'समरसता संकल्प अभियान' के रूप में भव्य तरीके से मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रव्यापी अभियान पूरे देश के साथ-साथ झारखंड में भी व्यापक स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य संत रविदास के सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के संदेश को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना है।

मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए अर्जुन मुंडा ने बताया कि यह अभियान 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा से प्रारंभ होकर 20 फरवरी, 2027 (संत रविदास जयंती/माघी पूर्णिमा) तक चलेगा। लगभग सात महीने तक चलने वाले इस अभियान के दौरान विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड की भागीदारी भी इस अभियान में महत्वपूर्ण और व्यापक होगी।

अर्जुन मुंडा ने बताया कि अभियान की शुरूआत 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा की संध्या पर 'समरसता दीप महोत्सव' के साथ होगी। इस अवसर पर झारखंड सहित देशभर के मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में समरसता, सौहार्द और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना तथा हर घर तक खुशियों और सामाजिक एकता का संदेश पहुंचाना है।

भाजपा नेता ने कहा कि इसी दिन 'कलश वंदन अभियान' का भी शुभारंभ संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) से किया जाएगा। वहां की पवित्र मिट्टी को कलशों में लेकर देश के सभी राज्यों में मंडल स्तर तक पहुंचाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से संत रविदास के विचारों और उनके सामाजिक संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

अर्जुन मुंडा ने बताया कि अभियान के तहत 5 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर से वाराणसी के बीच 'समरसता यात्रा' भी निकाली जाएगी। इसके अतिरिक्त समय-समय पर अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनकी जानकारी संगठन द्वारा जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय विचारधारा को मजबूत करने का व्यापक अभियान है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का आह्वान भाजपा के राष्ट्रीय संगठन की ओर से किया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी संत रविदास के जीवन, उनके आदर्शों और सामाजिक समरसता के संदेश को आत्मसात करने का आह्वान किया है। अर्जुन मुंडा ने कहा कि संत रविदास के विचार नए भारत के निर्माण की प्रेरणा देते हैं और यह अभियान समाज को उसी दिशा में आगे बढ़ाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और समानता का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना संत रविदास के समय था। उन्होंने विश्वास जताया कि यह अभियान समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने, सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने और राष्ट्र निर्माण की भावना को नई ऊर्जा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रेसवार्ता में भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अशोक बड़ाईक, प्रकाश सिंह तथा मीडिया सह-प्रभारी अजय राय भी उपस्थित थे।

जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के लिए झारखंड की 18 सदस्यीय टीम घोषित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम में मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हॉकी झारखंड के महासचिव मनोज कोनबेगी, पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और कोषाध्यक्ष असरिता लकड़ा तथा उपाध्यक्ष अशोक भगत ने उन खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की। जो तमिलनाडु के कोयंबटूर में 28 जुलाई से लेकर आठ अगस्त 2026 तक आयोजित होनेवाली 16वीं हॉकी इंडिया राष्ट्रीय जूनियर पुरुष हॉकी चैंपियनशिप-2026 के लिए झारखंड की 18 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। झारखंड जूनियर पुरुष टीम 2026 के 18 सदस्यीय टीम में अनमोल कोंगारी, गंगा टोपनो, टिंटस हेमरोम, पत्रस हस्सा, सुजीत केरकेट्टा, साबियन किरो, साइमन डोडराय, प्रिंस साहू, अमन टिग्गा, रोहित तिर्की, घुरन लोहरा, ग्लेडशन भेंगरा, जोलेन टोपनो, निकोलस टोपनो, अंकित एक्का, विजय भोई, असिम एक्का, अंकित बरवार के नाम शामिल हैं। वहीं सपोर्ट स्टाफ के रूप में टीम कोच विकास जोशी, टीम मैनेजर सुमित बाथम, टीम फिजियो साइकत भट्टाचार्य, वीडियो एनालिस्ट सत्यजीत दाभी के नाम शामिल हैं। बताया गया कि टीम का चयन चरणबद्ध ट्रायल और प्रशिक्षण शिविर के आधार पर किया गया। उन्होंने बताया कि विगत 22 जून 2026 को आयोजित ओपन ट्रायल से 42 खिलाड़ियों का चयन हुआ था। इसके बाद 15 से 19 जुलाई तक चले विशेष प्रशिक्षण शिविर के आधार पर 23 खिलाड़ियों को चुना गया। अंतिम चरण के प्रशिक्षण शिविर के बाद बेहतर प्रदर्शन करने वाले 18 खिलाड़ियों को राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए टीम में जगह मिली। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी असरिता लकड़ा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी हुई है। खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, यात्रा व खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। महासचिव मनोज कोनबेगी ने कहा कि खिलाड़ियों को राज्य के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रोशन करना चाहिए। टीम के कोच विकास जोशी, मैनेजर सुमित बाथम, फिजियो साइकत भट्टाचार्य और वीडियो एनालिस्ट सत्यजीत दाभी होंगे।

हेपेटाइटिस उन्मूलन लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : निदेशक

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर मंगलवार को होटल चाणक्या बीएनआर में हेपेटाइटिस के लक्षण, बचाव और रोकथाम विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा कि वर्ष 2030 तक हेपेटाइटिस उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बीमारी की रोकथाम के लिए ब्लॉक स्तर तक जागरूकता, समय पर स्क्रीनिंग और अर्ली डायग्नोसिस सुनिश्चित करना आवश्यक है। मौके पर राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार ने बताया कि हेपेटाइटिस लीवर से जुड़ी वायरल बीमारी है, जिसके पांच प्रकार हैं। इनमें हेपेटाइटिस-बी और सी सबसे गंभीर हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वायरल लोड जांच के लिए ट्रूनेट मशीनें राज्य के सभी पांच प्रमंडलों में उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य महामारी विशेषज्ञ डॉ प्रवीण कर्ण ने बताया कि हेपेटाइटिस-ए और ई दूषित भोजन और पानी से, जबकि बी और सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित सुई, असुरक्षित यौन संबंध एवं संक्रमित मां से शिशु में फैलते हैं। वहीं रिम्स के प्रोफेसर डॉ अजित डुंगडुंग ने कहा कि हेपेटाइटिस-सी के लगभग 99 प्रतिशत मामलों का सफल उपचार संभव है, जबकि हेपेटाइटिस-बी को आधुनिक दवाओं से प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने गर्भवती महिलाओं सहित जोखिम वाले लोगों की नियमित जांच कराने की अपील की। कार्यक्रम में हेपेटाइटिस को मात देकर स्वस्थ जीवन जी रहे पवन पहनु, योगेश्वर बेदिया, रूबी देवी और मधु देवी सहित कई चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सीएस डॉ प्रभात कुमार, डॉ बिमलेश सिंह, राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ कमलेश कुमार, डॉ राहुल किशोर, डॉ अजीत डुंगडुंग, प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन, रिम्स, डॉ मनोज कुमार, एचओडी डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी रिम्स राज्य महामारी रोग विशेषज्ञ डॉ प्रवीण कर्ण सहित विभिन्न कार्यक्रम के राज्य स्तरीय नोडल पदाधिकारी सहित अन्य चिकित्सक मौजूद थे।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में हाथी संरक्षण जागरूकता पखवाड़ा शुरू

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। कांके रोड स्थित कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में मंगलवार से हाथी संरक्षण जागरूकता पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। यह आयोजन आगामी 12 अगस्त 2016 तक चलेगा। अभियान के पहले दिन प्रातःकालीन सभा में विद्यार्थियों ने हाथियों के संरक्षण का संकल्प लिया और हाथियों के मुखौटे पहनकर जागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से बच्चों ने लोगों को जंगलों के संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में हाथियों और अन्य वन्यजीवों की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। इसके साथ ही विद्यार्थियों में हाथियों और अन्य वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना देने और पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय की निदेशक सह प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मानव-हाथी संघर्ष, दुर्घटनाओं में हाथियों की मौत और जंगलों का लगातार सिमटना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसे जागरूकता अभियान बच्चों में प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करेंगे। उन्होंने बताया कि पखवाड़े का समापन 12 अगस्त को विश्व हाथी दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों और संरक्षण संदेश के साथ किया जाएगा। इस दौरान विद्यालय में पूरे पखवाड़े के दौरान हाथी संरक्षण विषय पर पेंटिंग, निबंध, भाषण, शैक्षणिक भ्रमण, नुक्कड़ नाटक और अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

राशन वितरण, ई-केवाईसी और आधार सीडिंग में तेजी लाएं अधिकारी : उपायुक्त

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त मो जावेद हुसैन की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय टास्क फोर्स (आपूर्ति) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राशन आपूर्ति, लाभुकों के बीच खाद्यान्न वितरण, आधार व मोबाइल नंबर सीडिंग, ई-केवाईसी, राशन कार्ड, सोना सोबरन धोती-साड़ी-लुंगी योजना तथा मिड डे मील (एमडीएम) खाद्यान्न सहित आपूर्ति विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत राशन वितरण की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने सभी जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानदारों को समय पर खाद्यान्न उठाव कर निर्धारित मात्रा में लाभुकों के बीच वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से पीडीएस दुकानों का निरीक्षण कर व्यवस्था की निगरानी करने को कहा। उपायुक्त ने प्रत्येक माह चावल दिवस आयोजित कर अधिक से अधिक लाभुकों तक खाद्यान्न पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने सोना सोबरन धोती, साड़ी और लुंगी वितरण योजना का लाभ पात्र लाभुकों तक समय पर पहुंचाने के भी निर्देश दिया। बैठक में आधार और मोबाइल नंबर सीडिंग और ई-केवाईसी की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने इन कार्यों में तेजी लाने और सभी पात्र राशन कार्डधारियों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं पीडीएस डीलरों को दिया। इसके अलावा सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को लैप्स केंद्रों, राशन दुकानों और गोदामों का निरीक्षण कर खाद्यान्न के रखरखाव और भवनों की स्थिति की रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया। एमडीएम योजना के तहत स्कूलों के लिए खाद्यान्न का समय पर उठाव सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिया गया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

खूंटी में एक ही स्थान पर दो हादसे, बाल बाल बचे सेवानिवृत्त सिविल सर्जन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर मंगलवार दोपहर में एक ही स्थान पर कुछ ही अंतराल में हुई दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में खूंटी के सेवानिवृत्त सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी और सेवानिवृत्त सैनिक जयसिंह होरो घायल हो गए। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जयसिंह होरो मुरहू प्रखंड के कोड़ाकेल पंचायत की मुखिया मरियम होरो के पिता हैं। जानकारी के अनुसार, डॉ नागेश्वर मांझी अपनी कार से तोरपा से बिरसा हॉस्पिटल, जियरप्पा जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक आंख झपकने से उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में उतर गई। कार वे स्वयं चला रहे थे और वाहन में अकेले थे। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। तोरपा के उपप्रमुख संतोष कर, मनोज मांझी, सौरभ मांझी सहित अन्य लोगों ने राहत कार्य में सहयोग किया। उपप्रमुख संतोष कर ने तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कर डॉ मांझी को उनकी इच्छा के अनुसार बिरसा हॉस्पिटल, जियरप्पा भेजा, जहां वे सेवानिवृत्ति के बाद उप निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। डॉ मांझी को अस्पताल भेजने के बाद स्थानीय लोग उनकी कार को खेत से बाहर निकालने में जुटे थे। इसी दौरान घटनास्थल पर काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। तभी एक तेज रफ्तार बाइक ने वहां खड़े सेवानिवृत्त सैनिक जयसिंह होरो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में जयसिंह होरो गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका एक पैर टूट गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल दूसरी एंबुलेंस बुलाकर उन्हें खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। उनके दामाद सुशील सोय ने बताया कि जयसिंह होरो की स्थिति फिलहाल स्थिर है और चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

एक नजर

शिबू सोरेन की प्रतिमा स्थापना का आदिवासी समन्वय समिति ने किया विरोध

खूंटी। आदिवासी समन्वय समिति ने मंगलवार को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर खूंटी के बाजार टांड़ में प्रस्तावित दिशुम गुरु शिबू सोरेन की प्रतिमा स्थापना पर आपत्ति जताई है। समिति ने प्रशासन से प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम को तत्काल स्थगित करने की मांग की है। समिति की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि सोशल मीडिया और प्रिंट मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है कि कुछ राजनीतिक नेताओं की ओर से बाजार टांड़ में प्रतिमा स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। समिति का कहना है कि इस प्रस्ताव का आदिवासी मुंडा समाज विरोध कर रहा है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।

सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–संजु देवी, उम्र–58 वर्ष, उँचाई–5 फिट, रंग–गोरा, पहनावा–कथा रंग की साड़ी पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला संजु देवी, उम्र–58 वर्ष, अभिभावक–राजेश नागी, ग्राम–पालु, पो0–पालु, थाना–ओरमॉझी, जिला–राँची जो दिनांक–27.06.2026 को वृद्वाश्राम ओरमॉझी से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसके संबंध में ओरमॉझी थाना सनहा सं0–14/2026, दिनांक–06.07.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली, रॉंची। –9431770066
थाना प्रभारी, ओरमॉझी, रॉंची। –9431706183
आवेदक धनेश्वर बेदिया। –7481910707

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची।

PR 386090 (Police) 26-27 (D)

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय,राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–आरती उर्फ सुनाली कुमारी, उम्र–25 वर्ष, (साथ में दो बच्चें), उँचाई–5 फिट 04 ईंच, रंग–गोरा, पहनावा–लाल रंग की सूट पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला आरती उर्फ सुनाली कुमारी, उम्र–25 वर्ष, (साथ में दो बच्चें), पति–अमरनाथ मोदी, सा0–गाडीगॉव, थाना–खेलगॉव, जिला–राँची जो दिनांक–18.07.2026 को अपने घर से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में खेलगॉव थाना सनहा सं0–18/2026, दिनांक–20.07.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
पुलिस उपाधीक्षक, सादर, राँची। – 9431102090
थाना प्रभारी, खेलगॉव, राँची। – 8987790607
आवेदक कौशल कुमार। – 9608906710

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 386084 Police(26-27).D

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LTD.
CIN: U40108JH2013SGC001704
Office of the General Manager, Transmission Zone-V, Hazaribag,
Office At - Sringari Complex, 1st Floor, Canary Hill Road,
Near Mont Fort School, Hazaribag, Pin – 825301, JH eMail iD:- gmtzone5hzb@gmail.com

e-TENDER CANCELLATION NOTICE

Due to unavoidable circumstances, tender invited vide eNIT No. -273/PR/JUSNL/2026-27 for the work of Fabrication & fitting / fixing of GCI open storage shed for improving of storage and handling capacity for high – rise materials (220KV, 132KV & 33KV CT, PT, CVT, LA, Breaker, Battery & Charger etc) & protection of emergent & costly materials from direct sun, rain, dust along with lighting arrangement at Transmission Sub-Division, Itkhori is hereby cancelled.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

PR No. 382269

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-V, Hazaribag

PR 386012 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(26-27)

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, सिमडेगा
सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सिमडेगा
(जिला बाल संरक्षण इकाई, सिमडेगा)
Email/dcpssimdega@gmail.com

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा मिशन वात्सल्य दिशा–निदेर्शिका में उल्लेखित प्रायोजन (Sponsorship) एवं पालन पोषण (Foster Care) योजना अन्तर्गत देखरेख एवं संरक्षण वाले बच्चों को इस योजना से लाभान्वित करना है। बच्चों के सर्वागीण विकास के लिए परिवार अत्यंत आवश्यक है। इस योजना के तहत बच्चों को शिक्षा, पोषण, चिकित्सा एवं विकास हेतु आर्थिक सहायता एवं परिवार विहीन बच्चों को अल्पकाल हेतु परिवार उपलब्ध कराना है। परिवार विहीन बच्चों के सम्पूर्ण विकास हेतु झारखण्ड सरकार द्वारा पालण–पोषण देखरेख दिशा निर्देश 2018 के आलोक में संचालित विभिन्न बाल गृहों में रहने वाले 18 वर्षतक के बच्चों को अल्पकाल हेतु परिवार से जोड़ने के लिए पालन–पोषण देख रेख (Foster Care)योजना से लाभान्वित करना है। पालन–पोषण देखरेख प्रदान करने वाले परिवार के चयन हेतु अधिनियम की धारा 44 (2) के अन्तर्गत पालन–पोशण देख रेख प्रदानकरनेवालेपरिवार का चयन परिवार की योग्यता, आशय, क्षमता एवं बच्चों की देख भाल करने के पूर्व अनुभव के आधार पर किया जायेगा, जिसमें निम्नलिखित मानदंडों पर विचार किया जाना है:–

1. पति–पत्नी दोनों का भारतीय नागरिक होना।
2. पति–पत्नी दोनों का बच्चें की पालण–पोषण देख रेख प्रदान करने के लिए इच्छुक होना।
3. पति–पत्नी दोनों की आयुका 35 वर्ष से अधिक होना तथा उनका शारीरिक, भावनात्मक एवं मानसिक रुप से स्वस्थ होना।
4. आम तौर पर पालन–पोषण देख रेख प्रदान करने वाले परिवार की कोई आय होनी चाहिए, जिससे वे बच्चों की जरुरतों को पूरा करने में सक्षम हो।
5. एक परिसर में रहने वाले पालन–पोषण देख रेख प्रदान करने वाले परिवार के सदस्यों की चिकित्सीय रिपोर्ट प्राप्त की जानी चाहिए, जिनमें ह्यूमन इम्यूनोंडेफीसिएंसी वायरल (एच0आई0वी0), तपेदिक (टी0वी0) एवं हेपेटाइटिस बी, अन्य वंशानुगत रोग, कैंसर इत्यादि सम्मिलित है, ताकि उनके चिकित्सकीय रुप से स्वस्थ होने को निर्धारित किया जा सके।
6. उपयुक्त जगह एवं आधारभूत सुविधाएं होनी चाहिए।
7. निर्धारित नियमों का पालन करना चाहिए, जिसमें डॉक्टर के नियमित दौरे, बच्चे के स्वास्थ्य का रख–रखाव एवं उसकी रिपोर्ट सम्मिलित है।
8. जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा आयोजित पालन–पोषण देख रेख आमुखीकरण कार्यक्रमों में भाग लेना।
9. किसी प्रकार की अपराधिक दोषसिद्धि या अभियोग का नहीं होना चाहिए।
10. किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 एवं किशोर न्याय नियम के अनुसार एक अकेले पुरुष को एक बालिका को पालन–पोषण देखरेख के लिए केवल उसी स्थिति में दिया जायेगा, जब उनके बीच आयु का अन्तर 21 वर्ष से अधिक हो।
11. एक संगठन/गैर–सरकारी संगठन, जिसके द्वारा किसी बाल देखरेख संस्थान का संचालन किया जा रहा है, सामुहिक पालन–पोषण देख रेख सुविधा का संचालन नहीं कर सकेगा।

अतः सिमडेगा जिले के वैसे इच्छुक दम्पति/परिवार जो जिले के बालगृहों में रहने वाले 18 वर्षतक के परिवार विहीन बच्चों को अल्पावधि के लिए अपने परिवार में रखकर उनका पालन–पोषण एवं देखरेख करना चाहते है, वे इस संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल कल्याण समिति, सिमडेगा के कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

पता :–कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई, सिमडेगा।
जिला सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग 1st Floor सिमडेगा।
झारखण्ड, पिन कोड–835223
सम्पर्क न0 – 8969602518, 7004257832, 8434248645

सहायक निदेशक,
सामाजिक सुरक्षा कोषांग,सिमडेगा

PR 386017 Simdega(26-27).D

उपायुक्त ने विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान (SAA) का किया निरीक्षण

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त हेमंत सती ने मंगलवार को मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत संचालित विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान (Specialised Adoption Agency-SAA), सृजन फाउंडेशन, हजारीबाग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान में रह रहे बच्चों की देखभाल, स्वास्थ्य, सुरक्षा, पोषण, आधारभूत सुविधाओं एवं मानव संसाधन की स्थिति का विस्तृत अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त को बताया गया कि संस्थान में वर्तमान में सात बच्चे आवासित हैं, जबकि इसकी कुल आवासीय क्षमता दस बच्चों की है। संस्थान में शून्य से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए दो आवासीय कक्ष, डाइनिंग हॉल, रसोईघर, स्टोर रूम, कार्यालय, स्टाफ रूम एवं विजिटर कक्ष सहित आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। उपायुक्त ने संस्थान में कार्यरत समन्वयक, सामाजिक कार्यकर्ता, नर्स, सुरक्षा गार्ड एवं आया की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त की तथा बच्चों की देखभाल में किसी प्रकार की कमी नहीं होने देने का निर्देश दिया। उन्होंने संस्थान में रह रहे बच्चों की व्यक्तिगत स्थिति एवं उनके पुनर्वास एवं दत्तक ग्रहण से संबंधित प्रक्रियाओं की भी समीक्षा की।

बच्चों की देखभाल एवं सुविधाओं का लिया जायजा

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बच्चों के भोजन एवं पोषण संबंधी व्यवस्था की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि छोटे बच्चों को आयु के अनुरूप दूध, शिशु आहार एवं अन्य आवश्यक पोषाहार उपलब्ध कराया जाता है, जबकि बड़े बच्चों को निर्धारित भोजन तालिका के अनुसार संतुलित एवं पौष्टिक भोजन दिया जाता है। सभी बच्चों को नियमित रूप से दूध भी उपलब्ध कराया जाता है। उपायुक्त ने बच्चों की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच एवं टीकाकरण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। उन्हें बताया गया कि बच्चों की स्वास्थ्य जांच विशेषज्ञ चिकित्सक की देखरेख में कराई जाती है तथा सभी बच्चों का नियमित टीकाकरण सुनिश्चित किया जाता है। संस्थान की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त ने सीसीटीवी निगरानी प्रणाली एवं अन्य सुरक्षा प्रबंधों का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि बच्चों की सुरक्षा के लिए संस्थान में आठ सीसीटीवी कैमरे स्थापित हैं। निरीक्षण के दौरान जिला बाल संरक्षण इकाई के अधिकारियों ने मिशन वात्सल्य योजना के तहत संस्थान के संचालन एवं बच्चों के रखरखाव से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी भी उपायुक्त को उपलब्ध कराई।

फरार वारंटी अभियुक्त के घर न्यायालय का इश्तिहार चस्पा, शीघ्र आत्मसमर्पण नहीं करने पर होगी कुर्की की कार्रवाई

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव न्यायालय के आदेश के आलोक में बड़कागांव पुलिस की उपस्थिति में रामगढ़ जिला अंतर्गत पतरातू (बरकाकाना) थाना कांड संख्या 266/25 के फरार वारंटी अभियुक्त मोहन गंझू, पिता बरतू गंझू, निवासी ग्राम चेलंगदाग, थाना बड़कागांव, जिला हजारीबाग के घर पर न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तिहार चस्पा किया गया। इस दौरान बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा पुलिस बल के साथ चेलंगदाग गांव पहुंचे। न्यायालय के निदेर्शानुसार अभियुक्त के आवास के मुख्य द्वार पर इश्तिहार चस्पा किया गया। साथ ही ग्रामीणों को इसकी जानकारी देने के उद्देश्य से गांव के प्रमुख चौक-चौराहों पर भी इश्तिहार का तामिला किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय द्वारा अभियुक्त को निर्धारित अवधि के भीतर उपस्थित होकर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है। यदि अभियुक्त तय समय सीमा में न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होता है, तो उसके विरुद्ध विधि सम्मत आगे की कार्रवाई, जिसमें संपत्ति कुर्की की प्रक्रिया भी शामिल हो सकती है, की जाएगी। जानकारी के अनुसार, मोहन गंझू के विरुद्ध बड़कागांव थाना कांड में दिनांक 7 नवंबर 2025 को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं 126(2), 115(2), 117(2), 191(2), 191(3), 190, 308(3), 308(4), 352, 351(2) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज है। उक्त मामले में अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बावजूद वह लगातार फरार चल रहा है। इसी कारण न्यायालय के आदेशानुसार इश्तिहार की कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि फरार अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायालय के निदेर्शों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है तथा कानून से बचने का प्रयास करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

विभावि राजनीति विज्ञान विभाग में 'संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन एवं प्रासंगिकता' पर संगोष्ठी आयोजित

संगोष्ठी का उद्देश्य है शोधार्थियों को शोध पत्र लिखने के लिए प्रशिक्षित करना: डॉ अशोक राम

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग में 'संयुक्त राष्ट्र का पुनर्गठन एवं प्रासंगिकता' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन सोमवार को विभागीय प्रशाल में किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा ने किया। इस अवसर पर जाकिर अंसारी ने 'संयुक्त राष्ट्र के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि' पर तथा नीरज कुमार वर्मा ने 'संयुक्त राष्ट्र की उपलब्धियां' पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत किया। संजना मासूम ने 'संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान चुनौतियों' पर, धर्मेंद्र कुमार ने 'संयुक्त राष्ट्र महासचिव की भूमिका' पर शोध आलेख प्रस्तुत किया। स्वाति कुमारी ने 'संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका' पर प्रकाश डाला तथा सौरभ कुमार ने 'संयुक्त राष्ट्र और विश्व की प्रमुख शक्तियां' विषय पर समीक्षात्मक आलेख प्रस्तुत किया। इसी प्रकार संगोष्ठी के संयोजक सुधरता महेंद्र पंडित में संयुक्त राष्ट्र की वर्तमान प्रासंगिकता पर अपना आलेख पाठ किया। संगोष्ठी का आयोजन विभागीय प्राध्यापक डॉ अशोक राम की देखरेख में संपन्न हुआ। डॉ अशोक राम पिछले लगभग एक पखवाड़े से विभाग के सुधारतियों को स्तरीय आलेख पत्र तैयार करने के लिए निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को अच्छे शोध आलेख तैयार करने के कुछ सूत्र सुझाए। बताया कि एक शोध आलेख तैयार करने के लिए गहन अध्ययन करने पड़ते हैं। शोधार्थियों को इसी का प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर विभाग के शोधार्थी एवं द्वितीय समसत्र के विद्यार्थी उपस्थित हुए।

साइबर अपराध से बचाव के गुर सीखते नजर आए डीएवी बरही के विद्यार्थी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरही। डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग और साइबर अपराधों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही में साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय कर्मियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को मजबूत पासवर्ड बनाने, फिशिंग, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा ओटीपी एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही इंटरनेट का सुरक्षित और जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने कहा कि आज के डिजिटल दौर में साइबर सुरक्षा की जानकारी प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक है। जागरूकता और सतर्कता अपनाकर अधिकांश साइबर अपराधों से बचा जा सकता है।

विभावि में स्प्रिंगर नेचर द्वारा वैज्ञानिक लेखन एवं प्रकाशन पर कार्यशाला आयोजित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में मंगलवार दोपहर 2:00 बजे से स्प्रिंगर नेचर के सहयोग से "Manuscript to Impact: Springer Nature Author Workshop on Scientific Writing, Ethical AI & Publishing Excellence" विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभावि कुलपति प्रो (डॉ० ता ह ता आयोजित इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं शोधार्थियों को वैज्ञानिक लेखन, शोध प्रकाशन तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रकाशन प्रक्रियाओं से परिचित कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों के स्वागत एवं परिचय सत्र से हुआ। इसके उपरांत विश्वविद्यालय के विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ इंद्रजीत कुमार के द्वारा अध्यक्षीय भाषण दिया गया। उन्होंने एआई के एथिकल एंड रिस्पॉन्सिबल प्रयोग पर बल देते हुए कार्यशाला की उपयोगिता को बताया। कार्यशाला के दौरान स्प्रिंगर नेचर के प्रबंधक श्री नीरज करंदीकर ने विश्वविद्यालय के लिए उपलब्ध स्प्रिंगर नेचर के ई-संसाधनों के प्रभावी उपयोग, शोध उत्कृष्टता, ओपन साइंस, ओपन एक्सेस, शोध की वैश्विक दृश्यता तथा संस्थागत प्रकाशन अवसरों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।मुख्य तकनीकी सत्र में वरीय संपादक डॉ. दीपक सूर्यवंशी ने प्रतिभागियों को प्रभावी वैज्ञानिक लेखन, उपयुक्त शोध पत्रिका का चयन, पीयर-रिव्यू प्रक्रिया तथा शोध एवं प्रकाशन में एथिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Ethical AI) के जिम्मेदार उपयोग पर व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने शोध एवं प्रकाशन संबंधी प्रश्नों का समाधान विशेषज्ञों से प्राप्त किया। समापन सत्र में स्प्रिंगर नेचर के श्री सौम्या चक्रवर्ती ने अपने विचार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विश्ववि द्यालय के सीसीडीसी प्रो मिथिलेश कुमार सिंह ने सभी संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों से इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में सहभागिता कर अंतरराष्ट्रीय शोध एवं प्रकाशन की नवीनतम प्रवृत्तियों का लाभ उठाने की अपील की । मंच संचालन पीएम ऊषा के नोडल पदाधिकारी डॉ अरुण कुमार मिश्रा ने किया।

हजारीबाग यूथ विंग ने ट्रैफिक पुलिस जवानों को वितरित किए रेनकोट, सेवा और सम्मान का दिया संदेश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग यूथ विंग सामाजिक सेवा, जनकल्याण और मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में लगातार अपनी अलग पहचान बना रही है। निस्वार्थ सेवा और सामाजिक सरोकार को अपना उद्देश्य बनाकर संस्था निरंतर ऐसे कार्य कर रही है, जो समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ लोगों को सेवा के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। इसी क्रम में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए धूप, बारिश और हर विपरीत परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने वाले ट्रैफिक पुलिस जवानों के सम्मान एवं सुरक्षा के उद्देश्य से मंगलवार को सीसीआर प्रांगण में हजारीबाग यूथ विंग द्वारा रेनकोट वितरण कार्यक्रम के दूसरे चरण का आयोजन किया गया कार्यक्रम में 70 से अधिक ट्रैफिक पुलिस जवानों को रेनकोट वितरित किए गए। समारोह के मुख्य अतिथि सीसीआर डीएसपी मो. अरमानुल हक थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि के स्वागत एवं सम्मान के साथ हुआ। मंच का संचालन सेजल सिंह एवं वर्षा डे ने संयुक्त रूप से किया, जबकि संस्था के सचिव रितेश खण्डेलवाल ने स्वागत भाषण देते हुए सभी पुलिस जवानों का अभिनंदन किया। इसके बाद ट्रैफिक पुलिस जवानों को कतारबद्ध तरीके से रेनकोट प्रदान किए गए। लगभग 30 मिनट तक चले इस गरिमामयी कार्यक्रम में सेवा, सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। उपस्थित लोगों की तालियों की गूंज ने ड्यूटी पर तैनात जवानों का उत्साहवर्धन किया, वहीं रेनकोट प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीसीआर डीएसपी मो. अरमानुल हक ने हजारीबाग यूथ विंग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक संस्थाओं द्वारा पुलिस कर्मियों के सम्मान और सहयोग के लिए किए जा रहे ऐसे कार्य निश्चित रूप से प्रेरणादायी हैं। इससे पुलिस और समाज के बीच विश्वास एवं सहयोग की भावना और मजबूत होती है। उन्होंने संस्था के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को इस सराहनीय पहल के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्य जारी रखने की शुभकामनाएं दी। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज के उन लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना है, जो दिन-रात जनसेवा में समर्पित रहते हैं। ट्रैफिक पुलिस जवान हर मौसम में अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाते हैं। उनके सम्मान में किया गया यह प्रयास समाज में सेवा और संवेदना की भावना को मजबूत करेगा। वहीं अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग हमेशा समाज के जरूरतमंदों और कर्तव्यनिष्ठ लोगों के साथ खड़ी रही है ट्रैफिक पुलिस जवान भीषण गर्मी, बारिश और कठिन परिस्थितियों में भी शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करते हैं। ऐसे कर्मवीरों का सम्मान करना हमारा नैतिक दायित्व है। मौके पर उपाध्यक्ष विकास तिवारी,सचिव रितेश खण्डेलवाल,कोषाध्यक्ष गुंजन मद्धेशिया,संस्था के मार्गदर्शक संजय कुमार,कार्यकारणी सदस्य मोहम्मद ताजुद्दीन,सनी देव,राजेश जैन,रोहित बजाज,वर्षा डे,अजीत चंद्रवंशी,प्रवेक जैन,सेजल सिंह,उदित तिवारी सहित कई लोग मौजूद रहें।

एक नजर

खास महाल लीजधारियों के लिए 15 अगस्त तक आवेदन जमा करना अनिवार्य

हजारीबाग। खास महाल प्रकोष्ठ द्वारा जिले के सभी खास महाल लीजधारियों एवं उनके वैध उत्तराधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार, हजारीबाग खास महाल क्षेत्र की लीज भूमि का प्रत्येक 30 वर्ष के लिए लीज नवीकरण किया जाता है। अधिकांश लीजधारियों की लीज अवधि 31 मार्च 2008 को समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद कई लीजधारियों अथवा उनके वैध उत्तराधिकारियों द्वारा अगले 30 वर्षों के लिए लीज नवीकरण, नामांतरण, उत्तराधिकारी नामांतरण, हस्तांतरण, प्रयोजन परिवर्तन, बंदोबस्ती एवं वंशावली संबंधी आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ अब तक जमा नहीं किए गए हैं, जिसके कारण लीज नवीकरण की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो सकी है। खास महाल प्रकोष्ठ ने ऐसे सभी लीजधारियों एवं उनके वैध उत्तराधिकारियों से अपील की है कि जिनका उपर्युक्त कार्य अब तक लंबित है, वे 15 अगस्त 2026 तक अनिवार्य रूप से अपने आवेदन-पत्र सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित खास महाल प्रकोष्ठ, हजारीबाग में जमा करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत कर लीज नवीकरण एवं अन्य संबंधित प्रक्रियाओं को पूर्ण कराने में सहयोग करें, ताकि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

कटकमसांडी में वर्ष 2024 के चर्चित जहरकांड की फरार आरोपी गिरफ्तार, भेजी गई न्यायिक हिरासत

कटकमसांडी। कटकमसांडी थाना कांड संख्या 165/24 दिनांक 24 जुलाई 2024, धारा 103(1)/123 बीएनएस के प्राथमिक अभियुक्ता सुमन देवी, पति सुरेन्द्र यादव, ग्राम कसियाडीह, थाना कटकमसांडी (वर्तमान पता ग्राम केदारतु, थाना पदमा ओपी, बरही, जिला हजारीबाग) को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार यह मामला वर्ष 2024 के चर्चित जहरकांड से संबंधित है। आरोप है कि सुमन देवी ने स्वयं तथा अपनी बेटी को जहर खिला दिया था। घटना के बाद दोनों को उपचार के लिए आरोग्यम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी बेटी की मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद से सुमन देवी फरार चल रही थी। लगातार तलाश के बाद कटकमसांडी पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

हजारीबाग डेंटल कॉलेज द्वारा सलगावां में निशुल्क दंत जांच शिविर

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल द्वारा कटकमदाग के सलगावां स्थित सरकारी विद्यालय में मंगलवार को निशुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 120 से अधिक स्कूली बच्चों के दांतों की निशुल्क जांच की गई तथा उन्हें मुख एवं दंत स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यक परामर्श भी दिया गया। इस अवसर पर हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल के सचिव डॉ. प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए दांतों की नियमित देखभाल और समय-समय पर जांच अत्यंत आवश्यक है। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर समाज के लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समय पर उपचार सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्थान सामाजिक सरोकारों के तहत इस प्रकार के जनहितकारी निशुल्क शिविर आयोजित करता रहेगा।

कालीबाड़ी रोड पर अचानक गिरा विशाल पेड़, आनंदा चौक मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप

हजारीबाग। शहर के व्यस्ततम इलाकों में शामिल कालीबाड़ी रोड से आनंदा चौक जाने वाले मार्ग पर मंगलवार दोपहर अचानक एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। दोपहर करीब 1:25 बजे सड़क किनारे स्थित एक पुराना और विशालकाय पेड़ भरभराकर सीधे मुख्य मार्ग पर आ गिरा। पेड़ के गिरते ही सड़क का संपर्क दोनों ओर से पूरी तरह टूट गया और देखते ही देखते वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त सड़क पर वाहनों की आवाजाही जारी थी। विशाल पेड़ गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि पेड़ की चपेट में कोई वाहन या राहगीर नहीं आया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

स्थानीय लोगों ने संभाला मोर्चा, रास्ता साफ करने की कोशिश जारी

पेड़ गिरने के बाद मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया, जिससे दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों के साथ-साथ पैदल यात्रियों को भी भारी मशक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय नागरिक और आसपास के दुकानदार स्थिति को संभालने के लिए आगे आए।प्रशासनिक मदद पहुँचने से पहले ही स्थानीय लोग अपनी ओर से टहनियों को हटाने और रास्ता साफ करने के प्रयास में जुट गए हैं, ताकि छोटे वाहनों के निकलने की जगह बनाई जा सके। हालांकि, पेड़ काफी विशाल होने के कारण इसे पूरी तरह हटाने के लिए भारी क्रेन और कटर की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

डीएवी क्लस्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में डीएवी बरही का शानदार प्रदर्शन, 83 पदक किए अपने नाम

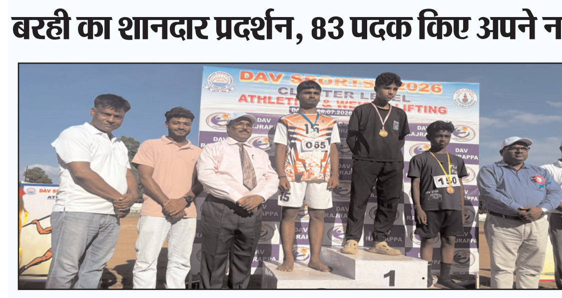

बरही। रजरप्पा में 26 एवं 27 जुलाई को आयोजित डीएवी क्लस्टर लेवल एथलेटिक्स प्रतियोगिता-2026 में डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 83 पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न एथलेटिक्स स्पधाओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। दो दिवसीय प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्ग के खिलाड़ियों ने 100, 200, 400, 800 एवं 1500 मीटर दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, शॉटपुट तथा 4100 और 4400 मीटर रिले सहित विभिन्न स्पधाओं में भाग लिया। शानदार प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ियों ने कुल 83 पदकों पर कब्जा जमाया तथा कई खिलाड़ियों ने अगले स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए भी अपना स्थान सुनिश्चित किया। विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यालय के खिलाड़ी भविष्य में भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करेंगे। विद्यालय के शारीरिक शिक्षा शिक्षक हेमंत कुमार एवं राजेश कुमार सिंह ने खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें आगामी प्रतियोगिताओं के लिए और अधिक मेहनत एवं समर्पण के साथ तैयारी करने के लिए प्रेरित किया।

हजारीबाग आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट का पुनर्गठन, रामकिशोर सावंत अध्यक्ष, प्रदीप पाठक महासचिव और सुबोध सिन्हा बने कोषाध्यक्ष

आमसभा में पुरानी कमेटी भंग कर सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन, कलाकारों के उत्थान पर बनी रणनीति

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। वर्ष 2016 से कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में सक्रिय हजारीबाग आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट की आमसभा की बैठक बड़ा बाजार सुभाष मार्ग स्थित ट्रस्ट कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न संगीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़े कलाकारों ने भाग लिया। इस दौरान कलाकारों के उत्थान, सांस्कृतिक गतिविधियों के विस्तार तथा ट्रस्ट की भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से वर्ष 2016 में गठित पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में रामकिशोर सावंत को अध्यक्ष, प्रदीप पाठक को महासचिव, कला एवं संस्कृति विभाग के विधायक प्रतिनिधि सुबोध सिन्हा को कोषाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी आशीष सिन्हा , मीडिया प्रवक्ता संजय तिवारी,तथा हजारीबाग बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार उर्फ राजू को कानूनी सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष के रूप में राजीव रंजन मिश्रा, शोभा सिन्हा, अमित गुप्ता, राजा निजामुद्दीन, संजय तिवारी, पंकज सिन्हा, माथुर साहब, अनवर फिदवी, नियाजउद्दीन, एस. एम. इम्तियाज तथा अभिमन्यु सिन्हा उर्फ बबलू का चयन किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सीमा गुप्ता, रूबी राणा, ललन कुमार, करण पांडे, अशोक कुमार, अखिलेश वर्मा, प्रवीण राठौर, सलीम राजा, अरमान आलम, संतोष कुमार, नेहा श्रीवास्तव, सविता रानी, एकता अरोड़ा, शशिकांत उर्फ चुन्नू, समीर अंबष्ट, अनीता वर्मा, अभिषेक कुमार तथा अधिवक्ता ईश्वरी प्रसाद को शामिल किया गया। बैठक में ट्रस्ट के संरक्षक मनोज सिन्हा, प्रवीण जायसवाल, दीपक सिन्हा, राजपाल नारायण, विश्वेन्दु जयपुरिया, उमेश कुमार और ज्ञान सागर एवं डॉ गौतम कुमार, आकाश दीप सहित बड़ी संख्या में कलाकार उपस्थित रहे। बैठक के अंत में नई कमेटी ने हजारीबाग में कला एवं संस्कृति के संरक्षण, कलाकारों के हितों की रक्षा तथा सांस्कृतिक गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

भोलेनाथ के भक्तों के लिए बड़ी खुशखबरी! हजारीबाग को लगातार तीसरे वर्ष मिली 'कांवरिया स्पेशल ट्रेन'

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। सावन के पवित्र महीने में सुल्तानगंज से कांवर में गंगा जल भरकर बाबा बैद्यनाथ धाम की ओर कदम बढ़ाने वाले लाखों शिवभक्तों के लिए हजारीबाग से बेहद खुश कर देने वाली खबर सामने आई है। श्रद्धालुओं की सहूलियत और भारी भीड़ को देखते हुए लगातार तीसरे वर्ष 'रांचीझभागलपुरझरांची वाया हजारीबाग सावन स्पेशल कांवरिया ट्रेन' का परिचालन आधिकारिक तौर पर शुरू कर दिया गया है। हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर जब यह स्पेशल ट्रेन पहुँची, तो पूरा स्टेशन परिसर 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी जयघोषों से गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर मौजूद स्थानीय प्रतिनिधियों और नागरिकों द्वारा ट्रेन के स्वागत में श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की गई और उन्हें अंगवस्त्र भेंट कर मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दी गईं।

रेलवे प्रशासन से लगातार संवाद का दिखा असर

स्थानीय स्तर पर किए गए सतत प्रयासों और रेलवे प्रशासन के साथ लगातार बनाए गए तालमेल का ही नतीजा है कि यह महत्वपूर्ण रेल सेवा इस वर्ष भी सुचारू रूप से बहाल हो सकी है। हर साल कांवरियों की बढ़ती तादाद को ध्यान में रखते हुए इस बार रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है। पिछले वर्षों की तुलना में

इस बार ट्रेन में डिब्बों की संख्या 14 से बढ़ाकर 20 कर दी गई है, जिससे अधिक से अधिक शिवभक्तों को कंफर्म और आरामदायक सफर मिल सकेगा।

समय-सारणी

गाड़ी संख्या 08646 (रांची - भागलपुर सावन स्पेशल) (सप्ताह में 2 दिनः सोमवार और शुक्रवार) रांची से प्रस्थानः शाम 05:30 बजे (17:30) बरकाकाना आगमनः शाम 07:10 बजे (19:10) हजारीबाग टाउन आगमन/प्रस्थानः रात 08:22 बजे (20:22) कोडरमा आगमनः रात 10:40 बजे (22:40) तिलैया आगमनः रात 01:06 बजे (अगले दिन) नवादा आगमनः रात 01:28 बजे किऊल आगमनः तड़के 03:25 बजे, जमालपुर आगमनः सुबह 04:15 बजे सुल्तानगंज आगमनः सुबह 04:55 बजे भागलपुर आगमनः दोपहर 12:05 बजे गाड़ी संख्या 08645 (भागलपुर - रांची वापसी स्पेशल) (सप्ताह में 2 दिनः मंगलवार और शनिवार) भागलपुर से प्रस्थानः सुबह 09:10 बजे सुल्तानगंज आगमनः सुबह 09:35 बजे जमालपुर आगमनः सुबह 10:15 बजे किऊल आगमनः सुबह 11:40 बजे नवादा आगमनः दोपहर 01:06 बजे (13:06)तिलैया आगमनः दोपहर 01:30 बजे (13:30) कोडरमा आगमनः शाम 03:40 बजे (15:40) हजारीबाग टाउन आगमनः शाम 05:45 बजे (17:45) बरकाकाना आगमनः शाम 07:15 बजे (19:15) रांची आगमनः रात 09:15 बजे (21:15)

झारखंड और बिहार के श्रद्धालुओं को सीधी कनेक्टिविटी

यह ट्रेन रांची से खुलकर बरकाकाना, हजारीबाग टाउन, कोडरमा, नवादा, किऊल, जमालपुर, सुल्तानगंज और भागलपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। हजारीबाग और आसपास के जिलों के साथ-साथ बिहार के यात्रियों के लिए यह ट्रेन सीधी और सुगम परिवहन व्यवस्था बन गई है, जिससे पूरे क्षेत्र के शिवभक्तों में काफी उत्साह है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले 'ठळएर' ऐप या 139 हेल्पलाइन नंबर पर लाइव स्टेटस जरूर चेक कर लें।

जन शिकायतों के त्वरित निष्पादन को लेकर डीसी ने की समीक्षा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रामगढ़। डीसी ऋतुराज ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से मीता रामगढ़ पोर्टल के माध्यम से प्राप्त जन शिकायतों के निष्पादन को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान बैठक में विभिन्न विभागों और प्रखंडों से संबंधित लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि वर्तमान में मीता पोर्टल पर कुल 1254 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 668 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। डीसी ने विभागवार लंबित मामलों की गहन समीक्षा करते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीसी ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करें। बैठक के दौरान डीसी ने सीपी ग्राम पोर्टल पर आए मामलों की भी विभागवार समीक्षा की और अधिकारियों को तीव्र गति से मामले निष्पादित करने का निर्देश दिया। साथ ही झार सेवा पोर्टल पर सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत आए मामलों के निष्पादन पर डीसी ने असंतोष व्यक्त करते हुए सभी अंचल अधिकारियों को तेजी से मामले निष्पादित करने का निर्देश दिया। डीसी ने पूर्व में सभी कार्यालय प्रधानों को प्रत्येक सप्ताह के सोमवार को अपने-अपने कार्यालय में साप्ताहिक बैठक आयोजित करने

टूटकर गिरा एस्बेस्टस शीट, चपेट में आने से 15 वर्षीय किशोरी की मौत

जर्जर मकान में रहने को मजबूर तीन भाइयों का परिवार, ग्रामीणों ने आवास व आर्थिक सहायता की उठाई मांग

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बरही। बरही पूर्वी पंचायत के बाराटांड़ गांव में जर्जर एस्बेस्टस शीट टूटकर गिरने से 15 वर्षीय किशोरी मनीषा कुमारी की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका बबलू राम की पुत्री थी। सोमवार देर शाम हुई इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जर्जर मकान के सामने एस्बेस्टस शीट से बने बरामदा नुमा रसोईघर की छत पर एक बकरी चढ़ गई थी। उसे हटाने के दौरान लगातार बारिश से कमजोर हो चुकी एस्बेस्टस शीट अचानक टूटकर नीचे गिर गई, जिसकी चपेट में आने से मनीषा गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तत्काल बरही अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर, सामाजिक कार्यकर्ता संजय रविदास, मनोज रविदास, अनुज रविदास, वार्ड सदस्य बिरेन्द्र कुमार, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि पंकज कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी। ग्रामीणों के अनुसार, बबलू राम सहित तीन भाइयों का करीब 18 सदस्यीय परिवार लगभग 50 वर्ष पुराने जर्जर मकान में रहने को विवश है। चार-पांच कमरों वाले इस मकान की छत से अक्सर प्लास्टर और ढलाई के टुकड़े गिरते रहते हैं। बारिश के दौरान छत टपकती है और दीवारों में कई जगह गहरी दरारें पड़ चुकी हैं। जगह की कमी के कारण परिवार ने एस्बेस्टस शीट का बरामदा बनाकर उसे रसोई के रूप में उपयोग किया था, जहां यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि समय रहते सुरक्षित आवास उपलब्ध नहीं कराया गया तो भविष्य में और भी बड़े हादसे हो सकते हैं।

सावन में श्रद्धालुओं को बड़ी सौगात : ओम आरोहणम् संस्था के प्रयास से स्पेशल ट्रेन का शुभारंभ, हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं का स्वागत

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। सावन माह में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रांची-भागलपुर सावन स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू हो गया है। सोमवार को हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन पर भाजपा एवं संघ परिवार ने मिलकर सावन स्पेशल ट्रेन के श्रद्धालुओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। श्रद्धालुओं के आग्रह पर ओम आरोहणम् संस्था के विगत तीन वर्षों के सतत प्रयासों से सावन माह में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले कांवरिया श्रद्धालुओं के अनुरोध पर रांची-भागलपुर-रांची (वाया हजारीबाग) विशेष कांवरिया सावन स्पेशल ट्रेन का संचालन जारी है। जनहितकारी पहल के लिए ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका शेफाली गुप्ता ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं रेल प्रबंधक का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त की। इस वर्ष श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रेन के कोचों की संख्या 14 से बढ़ाकर 20 कर दी गई है, जिससे यात्रा और अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक होगी। सावन स्पेशल ट्रेन रांची, मुरी, बरकाकना, हजारीबाग, तिलैया, कोडरमा, गया होते हुए सुलतानगंज, भागलपुर सहित प्रमुख स्टेशनों से होकर संचालित होगी। प्रत्येक सोमवार को रांची से खुलकर मंगलवार को सुल्तानगंज सुबह-सुबह पहुंचेगी और शुक्रवार को इसी प्रकार यथावत रहेगी तथा भागलपुर से प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को इसका परिचालन होगा। साथ ही ओम आरोहणम् संस्था ने इस रेल सेवा को सावन मास में स्थायी रूप से संचालित करने की मांग भी की है। जिस पर ओम आरोहणम संस्था को सकारात्मक आश्वासन प्राप्त हुआ है। ताकि प्रत्येक वर्ष सावन मास में पहल करने की जरूरत न हो। ओम आरोहणम संस्था की संस्थापिका शेफाली गुप्ता ने कहा कि सावन माह आस्था, श्रद्धा और भक्ति का पर्व है। इस दौरान लाखों श्रद्धालु सुल्तानगंज से पवित्र गंगाजल लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं।

मां विंध्यवासिनी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा पर संगोष्ठी

पदमा। मां विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में 'भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) सरोज रंजन ने भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरु-शिष्य संस्कृति और 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था आज भी नैतिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से प्रासंगिक है। उन्होंने आधुनिक शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेश पर बल दिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। प्राचार्य डॉ. चेतलाल प्रसाद ने स्वागत किया, जबकि डॉ. अनूप कुमार मेहता ने मुख्य अतिथि को शॉल एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया।

हजारीबाग नगर निगम के दो युवा कर्मियों का आकस्मिक निधन

हजारीबाग। हजारीबाग नगर निगम में कार्यरत दो युवा कर्मचारियों टीपर चालक पिंटू कुमार गुप्ता (उम्र लगभग 36 वर्ष) एवं सफाई कर्मचारी रवि कुमार (उम्र लगभग 30 वर्ष) का 27 तारीख को लंबी बीमारी से जूझने के बाद आकस्मिक निधन हो गया। दोनों ही मृतक कर्मचारी कोरा हेड टोला के रहने वाले थे। दो युवा कर्मियों के असमय निधन से नगर निगम क्षेत्र एवं पूरे मोहल्ले में शोक की लहर दौड़ गई है। दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए अखिल भारतीय मजदूर संगठन के तत्वावधान में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

वरिष्ठ अधिकारियों और मजदूर नेताओं की रही उपस्थिति

शोक सभा में अखिल भारतीय मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विवेक कुमार वाल्मीकि मुख्य रूप से उपस्थित हुए। इसके अलावा नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त विपिन कुमार, प्रधान सहायक निरंजन सिंह और हेड जमादार दीपक गोस्वामी ने भी कार्यक्रम में शिरकत कर दिवंगत कर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यूनियन के प्रतिनिधिमंडल से चुम्मु राम, गौतम राम, सुधीर राम, रविकांत कुमार सिंह सहित हजारीबाग नगर निगम के सभी कर्मचारी इस अवसर पर मौजूद रहे। प्रधान सहायक निरंजन सिंह ने दिया वित्तीय सहयोग, यूनियन ने जताया आभार।

सेंट स्टीफन्स स्कूल, हजारीबाग के लिए गर्व का क्षण है

विद्यालय के शारीरिक शिक्षा शिक्षक एवं वॉलीबॉल कोच श्री प्रियरंजन कुमार सिंह को झारखंड वॉलीबॉल एसोसिएशन द्वारा प्रतिष्ठित 'शेखर बोस बेस्ट कोच अवार्ड' हजारीबाग से सम्मानित किया गया

असद खान उज्जवल दुनिया संवाददाता यह सम्मान 26 जुलाई 2026 को रांची के धुर्वा स्थित पुराना विधानसभा भवन (एच.ई.सी., सेक्टर-2) में आयोजित झारखंड वॉलीबॉल एसोसिएशन की कार्यकारिणी एवं वार्षिक आम सभा के दौरान प्रदान किया गया।यह सम्मान झारखंड वॉलीबॉल एसोसिएशन के संरक्षक एवं अंतरराष्ट्रीय कोच श्री शेखर बोस ने एसोसिएशन के सचिव श्री उत्तम बोस तथा अन्य पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया।श्री प्रियरंजन कुमार सिंह को यह सम्मान वॉलीबॉल के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान,समर्पित प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रदान किया गया। उनके कुशल मार्गदर्शन में सेंट स्टीफन्स स्कूल की वॉलीबॉल टीम ने लगातार क्लस्टर, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय को अनेक गौरवपूर्ण उपलब्धियाँ दिलाई हैं। उनके प्रशिक्षण ने अनेक खिलाड़ियों को नई पहचान और आत्मविश्वास प्रदान किया है इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल श्री प्रियरंजन कुमार सिंह की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं,बल्कि पूरे सेंट स्टीफन्स स्कूल के लिए गौरव का विषय है। विद्यालय की प्राचार्या,प्रबंधन समिति, शिक्षकगण, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने उन्हें इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थी भविष्य में भी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय,हजारीबाग एवं झारखंड का नाम रोशन करते रहेंगे।

एक नजर

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने किया माता भद्रकाली मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण

बरही। बरही के देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शनिवार को चतरा जिले के इटखोरी स्थित ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल माता भद्रकाली मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को इतिहास, संस्कृति एवं पुरातात्विक धरोहरों से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने माता भद्रकाली मंदिर के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व की जानकारी प्राप्त की। साथ ही मंदिर परिसर स्थित पुरातत्व संग्रहालय का अवलोकन कर प्राचीन मूर्तियों, शिलालेखों तथा बौद्ध और जैन धर्म से संबंधित ऐतिहासिक अवशेषों का अध्ययन किया। विद्यालय के शिक्षक अमरजीत पांडेय एवं विकास गुप्ता ने विद्यार्थियों को इटखोरी के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने भ्रमण के दौरान बच्चों को विभिन्न पुरातात्विक धरोहरों का अवलोकन कर उनके बारे में अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से आगे बढ़कर वास्तविक अनुभव प्रदान करते हैं तथा उनके ज्ञान और समझ का विस्तार करते हैं। वहीं विद्यालय प्रबंधक विकास सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय समय-समय पर ऐसे शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करता रहता है, ताकि वे इतिहास, संस्कृति और विरासत को निकट से समझ सकें।

कटकमसांडी में भव्य जन-उद्यान निर्माण की मांग तेज, जनप्रतिनिधियों, वन विभाग एवं प्रशासन से शीघ्र पहल की अपील

कटकमसांडी। कटकमसांडी पंचायत में कारीवाआसान से बाहेरावानाला तक एक भव्य एवं आधुनिक जन-उद्यान (पार्क) के निर्माण की मांग अब स्थानीय लोगों के बीच प्रमुख जनमुद्दा बनती जा रही है। क्षेत्र के नागरिकों, बुद्धिजीवियों एवं सामाजिक कार्यकताओं का मानना है कि वर्तमान समय में स्वच्छ पर्यावरण, हरित क्षेत्र और सार्वजनिक मनोरंजन स्थल की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। ऐसे में कटकमसांडी में एक आधुनिक जन-उद्यान का निर्माण क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। सामाजिक कार्यकर्ता एवं भाजपा महामंत्री अरविंद कुमार यादव ने कहा कि आज अधिकांश शहरों और प्रखंड मुख्यालयों में लोगों के लिए पार्क एवं हरित क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं, लेकिन कटकमसांडी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में आज भी ऐसा कोई व्यवस्थित सार्वजनिक उद्यान उपलब्ध नहीं है, जहां बच्चे सुरक्षित वातावरण में खेल सकें, युवा मॉर्निंग वॉक और व्यायाम कर सकें तथा बुजुर्ग प्राकृतिक वातावरण में समय व्यतीत कर सकें। उन्होंने कहा कि कारीवाआसान से बाहेरावानाला तक यदि एक भव्य जन-उद्यान विकसित किया जाता है, तो यह पूरे क्षेत्र की पहचान और गौरव का केंद्र बन सकता है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित पार्क में बच्चों के लिए आधुनिक खेल क्षेत्र, ओपन जिम, पैदल पथ, योग स्थल, आकर्षक पौधरोपण, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जा सकती हैं। इससे लोगों को बेहतर सार्वजनिक सुविधा मिलने के साथ-साथ क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता भी बढ़ेगी और पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा मिलेगी। अरविंद कुमार यादव ने कहा कि 'कटकमसांडी की आवश्यकता, कटकमसांडी की प्रतिष्ठा' अब एक भव्य जन-उद्यान के निर्माण से जुड़ चुकी है। उनका कहना है कि यह परियोजना केवल एक पार्क तक सीमित नहीं होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण की अमूल्य धरोहर बनेगी।

पेलावल दक्षिणी उप स्वास्थ्य केंद्र अब अतिशीघ्र चालू होगा, उपायुक्त से मिलने के बाद पीवीएम जगी-उम्मीद

हजारीबाग।पेलावल विकास मंच का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को उपायुक्त से उनके जनता दरबार में मिलकर पेलावल दक्षिणी उप स्वास्थ्य केंद्र को जल्द चालू कराने हेतु एक गुहार-पत्र सौंपा गया। उल्लेखनीय है कि लगभग 10 वर्ष पहले इस केंद्र की नींव पेलावल दक्षिणी पंचायत भवन के बगल में रखी गई थी। भवन की ढलाई के बाद काम वर्षों तक रुका रहा। पीवीएम के जद्दो-जहद एवं ग्रामीणों की चाहत के कारण दोबारा काम चालू हुआ। लगभग एक वर्ष पूर्व भवन का निर्माण पूर्ण रूप से हो गया था किन्तु आज तक भवन का हैंडओवर नहीं हो पाया था।इसी मामले को लेकर मंगलवार को पीवीएम द्वारा उपायुक्त से मिलकर इसकी स्थिति से लिखित व मौखिक अवगत कराया गया। तत्काल उपायुक्त द्वारा संज्ञान लिया गया और उप विकास आयुक्त महोदया के पास गुहार-पत्र के साथ प्रतिनिधिमंडल को भेजा गया। दोनों अफसरान के हाव-भाव देखकर व जानकर पीवीएम को प्रतीत हो गया कि अब जल्द केंद्र चालू कर दिया जायेगा। यह काम पेलावल विकास मंच के संस्थापक सह अध्यक्ष एम.हक भारती के दिशा निर्देश पर किया गया। गुहार-पत्र सौंपने वालों में मंच के सुधीर ठाकुर,चंद्रशेखर शर्मा,मो.आरिफ एवं इंजमामुल हक भारती थे।

राज्य सरकार की खनिज नीतियों के खिलाफ संवेदक संघ 30 जुलाई को देगा धरना

रामगढ़। जिला संवेदक संघ की बैठक मंगलवार को जिलाध्यक्ष पंकज प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन संघ के सचिव दयासागर प्रसाद ने किया। इस दौरान बैठक में राज्य सरकार के खनन विभाग की ओर से ई-परिवहन चालान से संबंधित पुराने नियम को समाप्त करने के बाद उत्पन्न स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। संवेदकों ने कहा कि जिले में ईंट, बालू, चिप्स और बोल्डर जैसे लघु खनिजों की भारी कमी हो गई है, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं और संवेदक आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में 30 जुलाई को समाहरणालय परिसर स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समीप शांतिपूर्ण धरना दिया जाएगा। इसके माध्यम से सरकार का ध्यान संवेदकों की समस्याओं की ओर आकर्षित किया जाएगा। संघ ने निर्णय लिया कि जब तक जिले में पर्याप्त मात्रा में लघु खनिज उपलब्ध नहीं हो जाते, तब तक 05 अगस्त से सरकार की सभी निर्माण योजनाओं का कार्य बंद रखा जाएगा। इसके साथ ही सरकार के विभिन्न विभागों की ओर से जारी होने वाली नई निविदाओं का भी सामूहिक बहिष्कार किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि खनिजों की कमी के कारण यदि किसी निर्माण योजना का कार्य निर्धारित समय में पूरा नहीं हो पाता है और विभाग की ओर से अवधि विस्तार के नाम पर 10 प्रतिशत की कटौती या जुमार्ना लगाया जाता है, तो इसका सामूहिक रूप से विरोध किया जाएगा। जिला अध्यक्ष पंकज प्रसाद तिवारी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य अवैध खनिज परिवहन पर रोक लगाना सराहनीय है, लेकिन बिना पर्याप्त तैयारी के नए नियम लागू करना पूरी तरह गलत है।

चिन्मय विद्यालय बोकारो में एक दिवसीय इन-हाउस ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन

'व्यावसायिक नैतिकता के साथ कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं एआई' विषय पर कार्यशाला आयोजित

शिक्षकों ने जानी एआई की बारीकियां एआई का सदुपयोग शिक्षा के लिए बहुत लाभकारी : सूरज शर्मा

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो में मंगलवार को 'व्यावसायिक नैतिकता के साथ कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं एआई' विषय पर एक दिवसीय इन - हाउस ट्रेनिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यालय के शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यशाला के दौरान विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा उपस्थित रहे। कार्यशाला में मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में विद्यालय के एआई विभाग के अंकित सेन, मिस अंजु, मिस सोना लिसा एवं शुभेंदु शामिल हुए। साथ ही, 'व्यावसायिक नैतिकता और सीपीआर' विषय पर विद्यालय के मानसिक स्वास्थ्य सलाहकार मनीष कुमार एवं चिकित्सा विभाग की रागिनी ने संयुक्त कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला की शुरूआत में कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं एआई के विषय से शिक्षकों को परिचित किया गया। उन्हें इन दोनों पहलुओं को शिक्षा व्यवस्था के साथ जोड़ने के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, सीबीएसई द्वारा जारी नए सर्कुलर के अनुसार इन विषयों की उपयोगिता के बारे में बताया गया। संसाधन व्यक्ति के रूप में मौजूद शिक्षकों ने कई उदाहरण एवं गतिविधियों के माध्यम से एआई एवं कंप्यूटेशनल थिंकिंग की बारीकियों के बारे में बताया। उन्होंने संवादात्मक सत्र के दौरान एआई के व्यावसायिक नैतिकता के साथ उपयोग के पहलुओं पर प्रकाश डाला और शिक्षकों को उनकी लेसन प्लानिंग के साथ जोड़ने के तरीकों पर जोर डाला। संयुक्त कार्यशाला आयोजित कर मनीष कुमार एवं रागिनी ने शिक्षकों को व्यावसायिक नैतिकता और सीपीआर के विषय में विस्तार से जानकारी दी। मनीष कुमार ने शिक्षकों के साथ सदाचार, मानसिक स्वास्थ्य की जरूरत एवं भावनात्मक नियंत्रण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की। विद्यालय चिकित्सा विभाग की रागिनी ने शिक्षकों को सीपीआर एवं फर्स्ट एड के बारे में व्यावहारिक उदाहरण के साथ समझाया। प्राचार्य सूरज शर्मा ने सबसे पहले सभी संसाधन व्यक्तियों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक पीढ़ी के साथ कदम मिलाकर चलने एवं उन्हें बेहतर शिक्षा देने के लिए कंप्यूटेशनल थिंकिंग एवं एआई का शिक्षा में समावेश बहुत जरूरी है। उन्होंने सीबीएसई को इन दोनों विषयों को करिकुलम में शामिल करने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि एआई का व्यावसायिक नैतिकता के साथ सदुपयोग शिक्षा के लिए बहुत लाभकारी साबित हो सकता है। इससे विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का व्यापक आयाम खुल सकता है।

नीड बेस्ड सहायक प्राध्यापकों ने नियमितीकरण पर जल्द निर्णय की जताई उम्मीद

बोकारो। झारखण्ड राज्य नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर संघ की ऑनलाइन बैठक को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एस.एस. मेमोरियल महाविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय के डॉ. त्रिभुवन साही ने की, जबकि संचालन चास महाविद्यालय, बीबीएमकेयू के डॉ. अमित कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन एसकेएमयू की डॉ. अनुराधा पांडेय ने किया। बैठक में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों के नीड बेस्ड सहायक प्राध्यापकों ने भाग लेकर नियमितीकरण और उच्च शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि नीड बेस्ड सहायक प्राध्यापक वर्षों से नियमित शिक्षकों के समान शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं और राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक-छात्र अनुपात बनाए रखने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने में इन शिक्षकों का योगदान अहम है। वक्ताओं ने राज्य सरकार से उनके लंबे अनुभव और सेवाओं को ध्यान में रखते हुए नियमितीकरण पर सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। बैठक में यह भी कहा गया कि नीड बेस्ड सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अर्हताओं और चयन प्रक्रिया के अनुरूप हुई है। इसलिए वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को नियमित सेवा का अवसर मिलना चाहिए। वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार इस विषय पर संवेदनशीलता के साथ विचार करेगी। संघ ने सर्वसम्मति से नीड बेस्ड सहायक प्राध्यापकों के नियमितीकरण के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया। साथ ही निर्णय लिया गया कि यदि इस दिशा में शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं होती है तो संगठन चरणबद्ध एवं शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग सरकार तक पहुंचाएगा। प्रथम चरण में काला बिल्ला लगाकर कार्य करने, इसके बाद आवश्यकता पड़ने पर पेन-डाउन आंदोलन तथा अन्य लोकतांत्रिक कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तय की गई।

गुरु रविदास के 650वें प्राकट्योत्सव पर भाजपा का समरसता संकल्प, बोकारो के 200 स्थानों पर जलेगा एकता का दीप

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्राकट्योत्सव को सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए भाजपा 29 जुलाई 2026 (गुरु पूर्णिमा) से 20 फरवरी 2027 (गुरु रविदास जयंती) तक देशव्यापी 'समरसता संकल्प अभियान' चलाएगी। अभियान के तहत बोकारो जिले के लगभग 200 स्थानों पर दीपोत्सव एवं प्रसाद वितरण होगा। यह जानकारी बुधवार को बोकारो परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने दी। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य गुरु रविदास जी के समानता, भाईचारे और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। इसकी शुरूआत उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर (वाराणसी) से होगी। देशभर में 21 हजार से अधिक स्थानों पर कलश वंदन, 51 हजार मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर दीपोत्सव, संत संपर्क अभियान, समरसता संवाद तथा जालंधर से वाराणसी तक राष्ट्रीय समरसता यात्रा आयोजित की जाएगी। बिरंची नारायण ने कहा कि 29 जुलाई को बोकारो जिले के करीब 200 स्थानों पर समरसता दीप महोत्सव के तहत दीप प्रज्ज्वलन और प्रसाद वितरण होगा। इसके अलावा 29 जुलाई से 10 सितंबर तक कलश वंदन अभियान, 29 जुलाई से 31 अगस्त तक संत संपर्क अभियान, 5 अक्टूबर से 5 नवंबर तक समरसता यात्रा तथा 26 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक छात्रावासों में समरसता संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास महाराज केवल एक समाज के संत नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के पथप्रदर्शक थे। उनका जीवन सामाजिक समरसता, जातिगत भेदभाव के उन्मूलन और मानवता के उत्थान का संदेश देता है। प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र राज, जिला उपाध्यक्ष संजय त्यागी, महामंत्री रामलाल सोरेन, मंत्री एंजेला सिंह, ए.के. वर्मा, अशोक दास, बालेश्वर मुर्मू, अभय कुमार गोलू एवं प्रकाश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

चास अंचल में दाखिल-खारिज का बड़ा खेल रिजेक्ट मामलों को दोबारा स्वीकृति देने के आरोप, उच्चस्तरीय जांच की मांग

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। चास अंचल कार्यालय में दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) मामलों में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय सचिव अशोक अग्रवाल आजाद ने उपायुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी चास एवं अंचल अधिकारी को ई-मेल भेजकर आरोप लगाया है कि नियमों के आधार पर पहले खारिज किए गए कई मामलों को बिना अपीलीय आदेश और सक्षम न्यायालय की अनुमति के नए आवेदन के जरिए स्वीकृति दी गई। उन्होंने इसे न्यायिक प्रक्रिया और सरकारी नियमों के विपरीत बताते हुए पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच, सभी अभिलेखों की समीक्षा तथा दोषी अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में अशोक अग्रवाल आजाद ने दावा किया है कि चास अंचल में वर्ष 2021-22 से अब तक दाखिल-खारिज के सैकड़ों आवेदन लंबित हैं, जबकि कई ऐसे मामलों को, जिन्हें पहले अंचल अधिकारी द्वारा नियमों का हवाला देते हुए अस्वीकृत किया गया था, बाद में बिना अपीलीय प्राधिकारी अथवा सक्षम न्यायालय के आदेश के नए आवेदन के माध्यम से स्वीकृति प्रदान कर दी गई। उन्होंने इसे न्याय के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन बताते हुए भ्रष्टाचार और मिलीभगत की आशंका जताई है। उन्होंने अपने आवेदन में बिजुलिया, चास और सतनपुर मौजा से जुड़े कई केस नंबरों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया है कि रिकॉर्ड में आवश्यक सुधार, जमाबंदी, रकबा अथवा अन्य त्रुटियां बरकरार रहने के बावजूद दाखिल-खारिज को मंजूरी दी गई। आवेदन में यह भी कहा गया है कि कुछ मामलों में पूर्व में स्वयं अंचल अधिकारी द्वारा पारित अस्वीकृति आदेशों के विपरीत बाद में उन्हीं मामलों को नए आवेदन के रूप में स्वीकार कर स्वीकृत किया गया।अशोक अग्रवाल आजाद ने मांग की है कि सभी विवादित दाखिल-खारिज मामलों की स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों की बारीकी से समीक्षा की जाए तथा यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

डीएमएफटी फंड का उच्च विद्यालय चुम्बा को मिली सौगात, बनेगा शौचालय

खुले मैदान में स्थापित होगा ओपन जिम

गिद्दी। उच्च विद्यालय चुम्बा के लिए डीएमएफटी (डीएमएफटी) फंड से दो नई विकास योजनाओं की स्वीकृति मिली है। विद्यालय में करीब 2.49 लाख रुपये की लागत से शौचालय का निर्माण कराया जाएगा। जबकि 2.49 लाख रुपये की लागत से विद्यालय परिसर के मैदान में ओपन जिम स्थापित किया जाएगा। विधायक प्रतिनिधि रंजीत साव एवं उच्च विद्यालय चुम्बा के सचिव मनोज सिंह ने बताया कि नई शासी निकाय समिति के गठन के बाद विद्यालय को यह महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से विद्यार्थियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं और खेलकूद व व्यायाम की आधुनिक व्यवस्था उपलब्ध होगी। योजनाओं की स्वीकृति मिलने पर विद्यालय प्रबंधन समिति, प्रधानाध्यापक, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने हर्ष व्यक्त किया तथा मांडू विधायक के प्रति आभार जताया।

जुबिली कॉलेज में चला नशा विरोधी जागरूकता अभियान, दिया नशामुक्त समाज का संदेश

भुरकुंडा (रामगढ़)। जुबिली कॉलेज भुरकुण्डा में मंगलवार को नशा विरोधी जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर की दीवारों पर नशा विरोधी स्लोगन वाले पम्पलेट चिपकाकर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। इसके बाद महाविद्यालय सभागार में नशा उन्मूलन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एस.एस. पाण्डेय ने युवाओं के जीवन पर नशे के दुष्प्रभावों की चर्चा करते हुए कहा कि नशे की लत व्यक्ति के भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बालकृष्णा ने कहा कि नशा केवल नशा करने वाले व्यक्ति का ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार का जीवन बर्बाद कर देता है। उन्होंने कहा कि नशा किसी भी प्रकार का हो, वह समाज के लिए कैंसर के समान है। इससे युवाओं में भटकाव आता है और वे कई बार अपराध की राह पर भी चल पड़ते हैं, जो परिवार और समाज दोनों के लिए घातक है। संगोष्ठी में प्रो. राजेश कुमार, प्रो. आलोक कुमार, डॉ. एस.पी. पाण्डेय, प्रो. टी.के. झा, डॉ. अरुण कुमार सिंह, प्रो. मनोज कुमार, डॉ. एस.पी. दांगी, प्रो. अर्जुन कुमार मित्रा, डॉ. बालमुकुन्द सिंह तथा डॉ. विशेश्वर रविदास सहित अन्य शिक्षकों ने भी नशे के विभिन्न स्वरूपों, उसके दुष्प्रभावों तथा इससे बचाव के उपायों पर विस्तार से अपने विचार रखे। कार्यक्रम में काजल कुमारी, विभा कुमारी, उमेश टुडू, आकांक्षा कुमारी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

टुंडी में दिल दहला देने वाली वारदात बेटे ने कुल्हाड़ी से पिता की हत्या, गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

टुंडी। टुंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत कमारडीह पंचायत अंतर्गत बादलपुर गांव में मंगलवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद ने इतना भयावह रूप ले लिया कि 40 वर्षीय बेटे कालीपद सोरेन ने कथित रूप से अपने 65 वर्षीय पिता चांद सोरेन की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। घटना सुबह लगभग 6 बजे की बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही टुंडी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर उमाशंकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी बेटे कालीपद सोरेन को गिरफ्तार कर लिया तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। मामले की जांच जारी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पिता और पुत्र के बीच लंबे समय से जमीन-जायदाद को लेकर विवाद चल रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों के बीच अक्सर कहासुनी और झगड़ा होता रहता था तथा दोनों साथ बैठकर शराब का सेवन भी करते थे। मंगलवार सुबह भी किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक संघर्ष में बदल गया। इसी दौरान आरोपी बेटे ने कथित रूप से कुल्हाड़ी से हमला कर अपने पिता की हत्या कर दी। घटना के संबंध में थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर उमाशंकर ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हत्या के पीछे पारिवारिक विवाद और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस हृदयविदारक घटना से बादलपुर गांव में शोक और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने घटना को अत्यंत दुखद और निंदनीय बताते हुए दोषी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बताते चलें कि ग्रामीणों के अनुसार इस परिवार में पहले भी दुखद घटनाएं घट चुकी हैं। लगभग दो वर्ष पूर्व मृतक चांद सोरेन की पत्नी की घर में पाले गए बैल के सींग से घायल होने के कारण मृत्यु हो गई थी। वहीं, आरोपी कालीपद सोरेन की पत्नी का लगभग एक वर्ष पूर्व प्रसव के दौरान निधन हो गया था। कालीपद की एक छोटी पुत्री है, जिसका पालन-पोषण वर्तमान में उसकी बहन अपने पास रखकर कर रही है। लगातार पारिवारिक त्रासदियों के बाद अब पिता की हत्या की इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है।

एक नजर

सांसदों से मुलाकात कर बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी की पहल

धनबाद। नई दिल्ली में झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं Just Rights for Childref अभियान से जुड़े प्रतिनिधिमंडल ने धनबाद के सांसद ढुलू महतो, गिरिडीह के सांसद सी. पी. चौधरी तथा पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार के सांसद मनोज तिग्गा से शिष्टाचार भेंट कर बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण, बच्चों की सुरक्षा तथा उनके अधिकारों को सशक्त बनाने के विषय पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। मुलाकात के दौरान तीनों सांसदों ने बाल विवाह उन्मूलन, बच्चों की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव सहयोग और सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा एवं सुरक्षित बचपन सुनिश्चित करना समाज और सरकार की साझा जिम्मेदारी है। इस अवसर पर झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के संस्थापक एवं बाल अधिकार कार्यकर्ता शंकर रवानी, सहयोगिनी संस्था के गौतम सागर तथा बाल अधिकार कार्यकर्ता वैजनाथ उपस्थित रहे। शंकर रवानी ने कहा कि हमारा सामूहिक संकल्प है कि प्रत्येक बच्चा सुरक्षित, शिक्षित और सम्मानजनक वातावरण में अपना भविष्य बना सके। उन्होंने बताया कि Just Rights for Childreaf के आह्वान पर पूरे झारखंड सहित देशभर में बाल अधिकारों के संरक्षण, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी तथा बच्चों के विरुद्ध होने वाली हिंसा को रोकने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील भी की।

पूर्वी टुंडी पुलिस की बड़ी कार्रवाई: तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार, दो अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

टुंडी। पूर्वी टुंडी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए देवघर जिले के एक साइबर अपराधी गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं गिरोह के दो सदस्य पुलिस को चकमा देकर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पूर्वी टुंडी थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि सोमवार देर रात गोविंदपुरझसाहिबगंज मुख्य सड़क स्थित घोषालडीह चेकपोस्ट के पास धनबाद से देवघर की ओर जा रही काले रंग की स्कॉर्पियो (संख्या JH10CX-0707) को रोककर जांच की गई। वाहन में कुल पांच संदिग्ध सवार थे। पुलिस द्वारा घेराबंदी किए जाने पर दो आरोपी मौके से भाग निकले, जबकि तीन को दबोच लिया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने साइबर अपराध में संलिप्त होने की बात स्वीकार की। उनके पास से पांच मोबाइल फोन और पांच एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बरामद सामग्री को जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी के अनुसार, फरार आरोपियों की पहचान सद्दाम अंसारी उर्फ चेंड़ा तथा जुनैद अंसारी के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों में सिराज अंसारी (30), पिता, इशहाक अंसारी, निवासी तुलसीटांड़, थाना कोरों, जिला देवघर; साजिद अंसारी (24), पिता, अनाउल अंसारी, निवासी नयाडीह, थाना मागोमुंडा, जिला देवघर; तथा दिलकश अंसारी (19), पिता, दिलावर अंसारी, निवासी चेतनारी, थाना पथरोल, जिला देवघर शामिल हैं। तीनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया गया। इधर, क्षेत्र में यह चर्चा है कि फरार आरोपी सद्दाम अंसारी देवघर जिले के मागोमुंडा प्रखंड प्रमुख जुलेखा बीबी का पुत्र है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि या बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बोकारो का आयुर्वेद मॉडल बना देश के लिए मिसाल, एनएचएम निदेशक बोले- हर जिले में विकसित होंगे औषधीय उद्यान

बोकारो। बोकारो अब आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा के राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के निदेशक शशि प्रकाश झा ने सोमवार को पंचकर्म सह सेवा केंद्र का निरीक्षण करते हुए यहां विकसित किए जा रहे आयुर्वेदिक औषधीय उद्यान और जोंक चिकित्सा आधारित नवाचार की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे औषधीय उद्यान आयुर्वेदिक एवं औषधीय पौधों के संरक्षण के साथ-साथ आम लोगों को उनके औषधीय गुणों और उपयोग की जानकारी देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आधुनिक चिकित्सा के साथ आयुर्वेद एवं प्राकृतिक उपचार पद्धति को समान रूप से आवश्यक बताते हुए कहा कि हमारे आसपास उपलब्ध कई औषधीय पौधे गंभीर बीमारियों के उपचार में उपयोगी साबित हो सकते हैं। निरीक्षण के दौरान निदेशक ने परिसर के पीछे स्थित गड्ढे का भी जायजा लिया, जहां आयुष पदाधिकारी डॉ. विक्रम ने जोंक चिकित्सा (लीच थेरेपी) और मछली पालन की संयुक्त योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जोंक आयुर्वेदिक उपचार में उपयोगी है, जबकि मछलियां मच्छरों के लार्वा को नष्ट कर रोग नियंत्रण में मदद करेंगी। इस अभिनव पहल की भी निदेशक ने सराहना की।शशि प्रकाश झा ने बताया कि बोकारो जिले में अब तक 10 आयुष अस्पताल स्थापित किए जा चुके हैं तथा 28 नए आयुष अस्पतालों के निर्माण का प्रस्ताव तैयार है। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों तक आयुष सेवाओं का व्यापक विस्तार होगा। इस दौरान स्वदेशी कृषि प्रकोष्ठ झारखंड के प्रमुख ए.के. सिन्हा, जिला आयुष पदाधिकारी डॉ. शिव शंकर पांडेय, डॉ. विक्रम, डीपीएम मयंक मंजुल, पवन श्रीवास्तव, मनीष कुमार श्रीवास्तव, राजेंद्र तिवारी, आकर्ष पांडेय, आरती सिन्हा, सरिता श्रीवास्तव, धीरेन प्रसाद रजवार, सुदर्शन, अभय कुमार, संत कुमार, बिमल कुमार मिश्रा, दयानंद परमार, गौरी शंकर सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्वांग वाशरी में बने रेल अंडरपास के जीर्णोद्धार एवं रखरखाव की व्यवस्था की जाए : सीटू

गोमिया। एनसीओईए (सीटू) के केंद्रीय अपर महासचिव -सह- सीसीएल वेलफेयर बोर्ड के सदस्य प्रदीप कुमार विश्वास एवं एनसीओईए स्वांग वाशरी शाखा सचिव -सह- सीटू के राज्य कमेटी सदस्य राकेश कुमार ने संयुक्त रूप से सीसीएल स्वांग वाशरी के परियोजना पदाधिकारी बैकुंठ मोहन बाबू को एक मांग पत्र सौपा। मांग पत्र सौंपते वक्त उपस्थित नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा लगभग दो-तीन महीने पूर्व स्वांग वाशरी आने-जाने के लिए बने रेल अंडरपास में पानी भर गया था। कई दिनों तक आवा - गमन बाधित था एवं वह चुनौतियों से भरा हुआ था। आने-जाने के क्रम में स्वांग वाशरी के कई कर्मी दुर्घटनाग्रस्त भी हो गए थे।उन्होंने कहा उस वक्त भी हमारी यूनियन के प्रयास व हस्तक्षेप पर स्वांग वाशरी प्रबंधन द्वारा पानी निकासी की व्यवस्था की गई और आवागमन को चालू किया गया। दो-तीन महीने बीत जाने के बाद भी वह रेल अंडरपास क्षतिग्रस्त है एवं बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है। सीसीएल वेलफेयर बोर्ड के सदस्य प्रदीप कुमार विश्वास ने कहा यह रेल अंडरपास स्वांग वाशरी आने जाने के लिए है।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर मंगलवार को पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में नमामि गंगे कार्यक्रम के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं नदी संवर्धन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति संरक्षण, जल संसाधनों के सतत उपयोग तथा नदियों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। उधर इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नमामि गंगे के जिला परियोजना पदाधिकारी अमित मिश्रा ने विद्यार्थियों को झारखंड में गंगा नदी के महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। जहां उन्होंने विशेष रूप से साहिबगंज जिले में प्रवाहित गंगा नदी के पारिस्थितिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह क्षेत्र गंगा डॉल्फिन के प्रमुख प्राकृतिक आवासों में से एक है। साथ ही साथ यहां की समृद्ध जैव विविधता इसे पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। आगे उन्होंने विद्यार्थियों से जल संरक्षण, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी, स्वच्छता बनाए रखने तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी तरुण कुमार ने विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया। वही उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं एवं प्रयासों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता एवं सामूहिक जिम्मेदारी से ही प्रकृति एवं पर्यावरण का संरक्षण प्रभावी रूप से सुनिश्चित किया जा सकता है। उधर कार्यक्रम के अंतर्गत 'प्रकृति संरक्षण' एवं 'नदी' विषयों पर चित्रकला प्रतियोगिता तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जहां विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से स्वच्छ एवं निर्मल नदियों, हरित पर्यावरण, जैव विविधता संरक्षण तथा सतत विकास का प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किया। वही आयोजित प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरणीय विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ साथ उनकी रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करना था। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रवीण कुमार (पीजीटी शिक्षक इतिहास), राजकुमार राम (पीजीटी शिक्षक भूगोल), राजू कुमार गोंड (कला शिक्षक), बी. झा (टीजीटी शिक्षक अंग्रेजी), रवि कुमार (टीजीटी शिक्षक हिंदी), मो. अशरफ (पीजीटी शिक्षक जीवविज्ञान), प्रिया भारती (शारीरिक शिक्षा शिक्षिका), उन्नति भारती सहित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे। जहां कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा प्रकृति, पर्यावरण एवं जल संसाधनों के संरक्षण के लिए अपनी सक्रिय भूमिका निभाने तथा स्वच्छ एवं हरित भविष्य के निर्माण में योगदान देने के संकल्प के साथ हुआ।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन ने विश्व संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में किया वृक्षारोपण

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला संघ शाखा साहिबगंज के द्वारा मंगलवार को विश्व संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण के बुरे प्रभावों से पृथ्वी को सुरक्षित रखने के लिए जामुन, लीची, नींबू, सपाटू, खजूर के बीजों से तकरीबन 250 सीड बॉल्स बनाकर उन्हें मूक बधिर स्कूल के पीछे खुली जगह और पहाड़ों पर लगाया। जहां बारिश होने पर नमी पाकर मिट्टी गल जाती है और बीज अपने आप उग जाते है। उधर आयोजित कार्यक्रम को लेकर अध्यक्ष रुचि भरतिया ने बताया कि आने वाले कल के लिए स्वच्छ हवा, पानी और उपजाऊ मिट्टी सुनिश्चित करने के लिए यह सीड बॉल्स का उपयोग किया जाता है। जहां विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस प्रतिवर्ष 28 जुलाई को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जैव विविधता की रक्षा और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इस मौके पर अध्यक्ष रुचि भरतिया, सचिव नीलम शर्मा, श्यामलता केजरीवाल, प्रतिमा चिरानिया, किरण दिवान, रेणु तमाकुवाला, नेहा डोकानियां, चंदा शर्मा समेत अन्य महिला सदस्य उपस्थित थे।

राजमहल में सड़क चौड़ीकरण के विरोध में भू धारियों ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन, वैकल्पिक मार्ग की उठाई मांग

उज्जवल दुनिया संवाददाता

राजमहल: श्रीकुंड (आरसीडी) से शिवापहाड़ (आरसीडी) तक प्रस्तावित 6.675 किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के विरोध में मंगलवार को प्रभावित भू धारियों के प्रतिनिधिमंडल ने राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) को ज्ञापन सौंपकर सड़क के प्रस्तावित मार्ग में बदलाव की मांग की है। जहां एसडीओ को सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि प्रस्तावित सड़क का निर्माण उपजाऊ तीन फसली सिंचित कृषि भूमि से होकर किया जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में किसानों की खेती, आजीविका और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। वही प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि प्रारंभिक अधिसूचना में कई स्थानों को ग्रीन लैंड के रूप में चिह्नित किया गया है जबकि वहां पहले से कोई सड़क मौजूद नहीं है। आगे

भू धारियों ने बताया कि इस मामले को लेकर पूर्व में उपायुक्त, भू अर्जन पदाधिकारी तथा कार्यपालक अभियंता से कई बार मुलाकात कर लिखित आवेदन भी सौंपा गया था। जहां अधिकारियों के द्वारा समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया था लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण एक बार फिर प्रतिनिधिमंडल ने एसडीओ के समक्ष अपनी मांग रखी। उधर ज्ञापन में भूमि अधिग्रहण, पुनर्वासन एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 10 का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि बहुफसली कृषि भूमि का अधिग्रहण अंतिम विकल्प होना चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं जिला महासचिव रामसिंगार ओझा के निधन पर कांग्रेस परिवार शोकाकुल

उज्जवल दुनिया संवाददाता

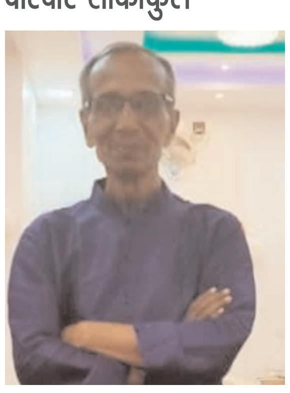

साहिबगंज: जिला कांग्रेस कमिटी के वरिष्ठ नेता एवं जिला महासचिव रामसिंगार ओझा के निधन पर पूरे कांग्रेस परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है। जहां उनके निधन को संगठन एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने गहरा दुःख व्यक्त किया। यहां आपको बता दें कि रामसिंगार ओझा जीवनभर कांग्रेस की विचारधारा के प्रति समर्पित रहे। जहां वे संगठन के हर कार्यक्रम में पूरे उत्साह और निष्ठा के साथ उपस्थित रहते थे तथा कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य करते रहे। वही अपनी सादगी, ईमानदारी, मिलनसार व्यक्तित्व और सेवाभाव के कारण वे सभी के बीच अत्यंत सम्मानित थे। उधर जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि ₹रामसिंगार ओझा का निधन जिला कांग्रेस कमिटी के लिए अपूरणीय क्षति है। जहां वे संगठन के ऐसे कर्मठ और समर्पित कार्यकर्ता थे जिन्होंने पूरी निष्ठा के साथ जीवनभर कांग्रेस पार्टी की सेवा की है उनका जाना हम सभी के लिए अत्यंत दुःखद है। जहां संगठन उनके योगदान को सदैव याद रखेगा।₹ वही झारखंड प्रदेश कांग्रेस कोऑर्डिनेशन कमिटी के सदस्य अनुकूल मिश्रा ने कहा कि ₹रामसिंगार ओझा कांग्रेस की विचारधारा के सच्चे प्रहरी थे।

बरहरवा पुलिस ने देशी पिस्टल, 5 जिंदा गोली व संदिग्ध पदार्थ के साथ पश्चिम बंगाल के व्यक्ति को किया गिरफ्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरहरवा: बरहरवा थाना क्षेत्र की पुलिस को मंगलवार को गुप्त सूचना मिली कि ग्राम सिरासिन में एक व्यक्ति के द्वारा लाल टैंपो में अवैध हथियार व अन्य संदिग्ध पदार्थ को लेकर जा रहा है। जहां ऐसी सूचना मिलने पर बड़हरवा पुलिस ने फौरन वरीय अधिकारियों एवं पुलिस चेकनाका फूटानी मोड पर प्रतिनियुक्त पुलिस जवानों को तुरंत सूचना देते हुए उक्त लाल टैंपो को रोककर उसकी पूरी तलाशी लेने का निर्देश दिया। जहां गश्ती टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी ने लाल टैंपो की तलाशी लेने पर एक लोडेड देशी पिस्टल, संदिग्ध सफेद रंग का पदार्थ एवं संदिग्ध गुलाबी रंग का पदार्थ मौके पर से बरामद किया। जहां लाल टैंपो से बरामद अवैध हथियार व संदिग्ध पदार्थ के बारे में जब आरोपी एकराम मोमिन पिता गयासुद्दीन मोमिन पिता धर्मडांगा पोस्ट बेवा थाना फरक्का जिला मुर्शिदाबाद राज्य पश्चिम बंगाल से पूछताछ की गई तो कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जहां अवैध हथियार व संदिग्ध पदार्थ ले जाने के मामले में आरोपी को मौके पर से विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया एवं अवैध हथियार व संदिग्ध पदार्थ को जब्त कर देना है।

जहां आरोपी के खिलाफ बरहरवा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जहां मामले की जानकारी बरहरवा इंस्पेक्टर ने प्रेसवार्ता करते हुए दी। इस छापेमारी दल में बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह, एएसआई जलेंद्र रजक, हवलदार धर्मेंद्र मड़ैया, सुनील टुडू मौजूद थे।

सदर प्रखंड में 90 दिवसीय सघन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंज: झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेशार्नुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार के मार्गदर्शन में संचालित 90 दिवसीय सघन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के अंतर्गत मंगलवार को साहिबगंज सदर प्रखंड परिसर में विधिक जागरूकता सह आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत एवं अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। जहां कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, विधिक सहायता एवं सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। आगे उन्होंने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर, महिलाएं, बच्चे, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सदस्य, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक, श्रमिक तथा अन्य पात्र व्यक्तियों को विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। वही उन्होंने उपस्थित लोगों को लोक अदालत, मध्यस्थता, पीड़ित प्रतिकर योजना, महिला एवं बाल अधिकार, घरेलू हिंसा से संरक्षण, साइबर अपराध से बचाव, नशामुक्ति, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार तथा टोल फ्री विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100 के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वही अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने केंद्र एवं राज्य सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों से योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया। आगे उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन, अबुआ आवास योजना, राशन कार्ड, आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण पत्र, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना सहित अन्य जनहितकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की। जहां कार्यक्रम के दौरान 90 दिवसीय सघन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि जिले के सभी पंचायतों एवं गांवों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं एवं विधिक सेवाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी योजनाओं के पात्र लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी किया गया।

संक्षिप्त खबरें

अनंत कुमार सरस्वती सदन अपने स्थापना दिवस पर 31 जुलाई को करेगी विशेष समारोह का आयोजन

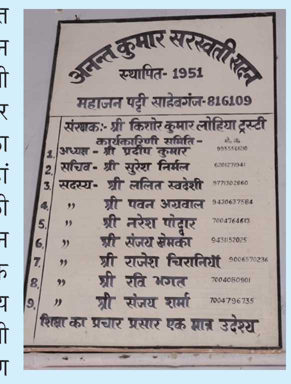

साहिबगंज: शहर की प्रतिष्ठित संस्था अनंत कुमार सरस्वती सदन अपने स्थापना के प्लैटिनम जुबिली वर्ष (1951झ2026) के अवसर पर एक विशेष समारोह का आयोजन करने जा रही है। जहां कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्था की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, ज्ञान संस्कृति के संरक्षण में उसके योगदान तथा संस्थापक श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया के प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करना है।वही आयोजकों ने बताया कि ₹एक अमर स्मृति एक गौरवशाली विरासत₹ विषय पर आयोजित इस समारोह में श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया के समाजसेवा, शिक्षा और सांस्कृतिक उत्थान में दिए गए योगदान को याद किया जाएगा। जहां उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है और आज भी उनकी सोच नई पीढ़ी को ज्ञान एवं सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। वही संस्था के अनुसार, भारतीय संस्कृति में ज्ञान को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है और पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि समाज की चेतना, संस्कृति और बौद्धिक विरासत के संवाहक होते हैं। इसी उद्देश्य के साथ स्थापित अनंत कुमार सरस्वती सदन पिछले 75 वर्षों से साहिबगंज में ज्ञान की ज्योति प्रज्वलित करते हुए साहित्य, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वही श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया का जन्म उत्तर प्रदेश के हाथरस के एक प्रतिष्ठित एवं संस्कारित मारवाड़ी परिवार में हुआ था। जहां बाल्यकाल में वे अपने पिता मटरूमल लोहिया के साथ साहिबगंज आए, जहाँ उनकी शिक्षा दीक्षा हुई और बाद में उन्होंने समाज के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। उधर इस प्लैटिनम जुबिली समारोह के मुख्य अतिथि उपायुक्त दीपक कुमार दुबे होंगे। वही इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद, साहित्यकार, समाजसेवी तथा विभिन्न क्षेत्रों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। जहां समारोह के दौरान संस्था की 75 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा तथा संस्थापक श्रद्धेय धन्नालाल लोहिया को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

महाराजपुर बाजार निवासी युवक ने मारपीट मामले को लेकर नगर थाना में दिया आवेदन

साहिबगंज: तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर बाजार निवासी युवक प्रिंस कुमार मोदी पिता आलोक मोदी ने 2 युवकों के द्वारा मारपीट किए जाने के मामले में मंगलवार को नगर थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देते हुए कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। जहां दिए गए आवेदन पत्र में पीड़ित युवक ने बताया कि मंगलवार दोपहर साढ़े तीन बजे जब वो कोचिंग सेंटर जा सकें था तो उसी समय 2 युवक उसे रोककर गाली गलौज करने लगा एवं उसके साथ मारपीट करते हुए घायल कर दिया। जहां एकाएक हुए मारपीट की घटना के बाद किसी तरह से अपनी जान बचाकर मौके से भागकर नगर थाना पहुंचा और पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। आगे घायल युवक ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व टमटम स्टैंड हबीबपुर निवासी युवक जो गूगल पे लगाने का काम करता है महाराजपुर बाजार आया हुआ था जहां उसने अपने दुकान पर गूगल पे लगाने से मना कर दिया था। जहां इसी बात को लेकर दोनों लड़कों ने उसके साथ मारपीट की है। वही घायल युवक ने दोनों युवकों की पहचान पिंटू व अमित साह पिता सीताराम साह के रूप में की है। वही मारपीट मामले को लेकर नगर थाना क्षेत्र की पुलिस गहराई से छानबीन कर रही है। वही मारपीट मामले में शामिल युवकों से संपर्क स्थापित नहीं होने के कारण उनका पक्ष यहाँ नहीं जाना जा सका है।

खूंटी में एक ही स्थान पर दो हादसे, बाल बाल बचे सेवानिवृत्त सिविल सर्जन

खूंटी : खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर मंगलवार दोपहर में एक ही स्थान पर कुछ ही अंतराल में हुई दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में खूंटी के सेवानिवृत्त सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी और सेवानिवृत्त सैनिक जयसिंह होरो घायल हो गए। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जयसिंह होरो मुरहू प्रखंड के कोड़ाकेल पंचायत की मुखिया मरियम होरो के पिता हैं। जानकारी के अनुसार, डॉ नागेश्वर मांझी अपनी कार से तोरपा से बिरसा हॉस्पिटल, जियरप्पा जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक आंख झपकने से उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में उतर गई। कार वे स्वयं चला रहे थे और वाहन में अकेले थे। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। तोरपा के उपप्रमुख संतोष कर, मनोज मांझी, सौरभ मांझी सहित अन्य लोगों ने राहत कार्य में सहयोग किया। उपप्रमुख संतोष कर ने तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कर डॉ मांझी को उनकी इच्छा के अनुसार बिरसा हॉस्पिटल, जियरप्पा भेजा, जहां वे सेवानिवृत्ति के बाद उप निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। डॉ मांझी को अस्पताल भेजने के बाद स्थानीय लोग उनकी कार को खेत से बाहर निकालने में जुटे थे। इसी दौरान घटनास्थल पर काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। तभी एक तेज रफ्तार बाइक ने वहां खड़े सेवानिवृत्त सैनिक जयसिंह होरो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में जयसिंह होरो गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका एक पैर टूट गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल दूसरी एंबुलेंस बुलाकर उन्हें खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। उनके दामाद सुशील सोय ने बताया कि जयसिंह होरो की स्थिति फिलहाल स्थिर है और चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

बाबा आम्रेश्वर धाम सहित जिला के प्रमुख मंदिरों पर 29 को होगा समरसता दीप महोत्सव

खूंटी : भारतीय जनता पार्टी की ओर से संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में समरसता संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 29 जुलाई (गुरु पूर्णिमा) को खूंटी जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों और मंदिरों पर समरसता दीप महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मंगलवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश मंत्री सह जिला प्रभारी सुनीता सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में यह अभियान 19 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक देशभर में चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य संत रविदास के समरसता, सामाजिक समानता और सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि खूंटी जिले के प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, कर्रा के सोनमेर मंदिर में पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा और तोरपा के हनुमान मंदिर में पूर्व विधायक कोचे मुंडा की अगुवाई में दीप महोत्सव आयोजित होगा। कार्यक्रम में भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, धार्मिक प्रवचन, सामूहिक दीप प्रज्वलन और प्रसाद वितरण किया जाएगा। इसमें सांसद, विधायक और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेता-कार्यकर्ता भी शामिल होंगे।

संपादकीय

आधुनिक तकनीकों से मिली 'बाघ संरक्षण' अभियानों को ऊर्जा?

'अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस' मनाने का मुख्य मकसद विश्वभर में तेजी से घटती बाघों की आबादी को रोकने एवं उनके संरक्षण के प्रति समूची दुनिया को जागरूक करना है। यह दिन जंगल की शान कहे जाने वाले बाघों के लिए समर्पित है। सालाना ये दिन 29 जुलाई को पूरे संसार में मनाया जाता है। शुरूआत रूस स्थित ह्यपीटरर्सबर्ग टाइगर संरक्षण शिखर सम्मेलनह्ल के दौरान वर्ष-2010 में की गई थी। विश्व में बाघों की संख्या करीब 78 फीसदी तक घट चुकी है। गनीमत है कि भारत बाघों के मामले में अभी भी टॉप पर है। वैश्विक स्तर के आंकड़ों पर गौर करें तो अनुमानित, बाघों की संख्या पूरे विश्व में लगभग 5,500 के बीच है। इनमें से 72 प्रतिशत आबादी अकेले भारत में ही है। साल 2022 बाघ गणना में भारतीय जंगलों और टाइगर रिजर्व में 3,682 जंगली बाघ थे, इनमें पिछले दो वर्षों में इजाफा ठीक-ठाक हुआ। 'ग्लोबल टाइगर दिवस-2025' की थीम थी- 'हमारे हाथों में है बाघों का संरक्षण।' बाघों की आबादी के मामले में भारत के अलावा दूसरे पायदान पर रूस है। अखिल भारतीय बाघ जनगणना-2022 में बाघों की जितनी संख्या बताई गई थी, उनमें अब 12 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। हालांकि, संपूर्ण संख्या अगली गणना में ही सामने आएगी। बाघ संरक्षण की दिशा में बीते कुछ वर्षों से सराहनीय प्रयास हुए हैं। बाघों का सर्वेक्षण आधुनिक तकनीकों से किया जाने लगा है। प्रत्येक टाइगर रिजर्व क्षेत्रों में कैमरे लगवाए गए हैं, ताकि उनकी आबादी का सही-सही आंकड़ा सामने आ सके और उनकी चहलकदमी पर नजर रखी जा सके। पिछली बाघ गणना के दौरान मध्य प्रदेश के शिवपुरी में एकाध बाघ दिखे तो केंद्र सरकार ने 9 मार्च 2025 को उस जगह को 58 वां टाइगर रिजर्व स्थापित कर दिया जिसका नाम ह्यमाधव राष्ट्रीय उधानह्ल रखा गया। यह प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व है।

आज का राशिफल

मेष- बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी।

वृष- कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

मिथुन- यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

कर्क- मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें।

सिंह- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

कन्या- अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें।

तुला- मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे।

वृश्चिक- दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे।

धनु- घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी।

मकर- प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

कुंभ- कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा।

मीन- आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ? के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है।

दैनिक पंचांग

29 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

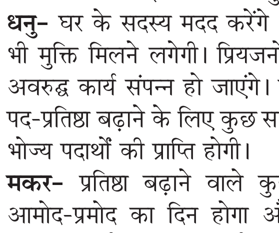

बुधवार 2026 वर्ष का 210 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 20.06 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 15.37 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 23.58 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 07.15 बजे तदनन्तर बव 20.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 47'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872785
जूलियन दिन 2461250.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 14
विशेष व्यास पूजा, गुरु पूर्णिमा।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.56 बजे से
चंद्र	मकर में	कन्या	09.08 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.18 बजे से
बुध	मिथुन में	वृश्चिक	13.33 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.49 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	17.54 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.41 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.14 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.44 बजे से
		वृष	00.24 बजे से
		मिथुन	02.22 बजे से
		कर्क	04.36 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कांवड़ यात्रा : भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर

डॉ. आशीष वशिष्ठ

सावन महीने की शुरूआत होते ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक, गंगा गंगोत्री से लेकर रामेश्वरम तक सम्पूर्ण भारत शिवमय हो उठता है। सावन माह में श?िवभक्तों की विशाल पदयात्राएं जो कांवड़ यात्रा के नाम से जानी जाती है, भारतीय संस्कृति की जीवंतता का अनुपम दृश्य प्रस्तुत करती हैं। कंधों पर सुसज्जित कांवड़, मुख पर 'बोल बम' का उद्घोष, हृदय में भगवान शिव के प्रति अनन्य भक्ति। यही है कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप। कांवड़ यात्रा केवल एक सामान्य यात्रा नहीं है बल्कि ये तपस्या, भक्ति और श्रद्धा की वह गाथा है जो शताब्दियों से चली आ रही है। धर्मशास्त्रों के अनुसार जब कांवड़ से जुड़े दोनों पात्र जिन्हें ब्रह्मघट और विष्णुघट कहा जाता है, पवित्र जल से भर लिए जाते हैं, उन्हें एक बांस की डण्डी के सहारे सजा-धजा कर और पूजित कर स्थापित कर दिया जाता है। धर्मशास्त्रों के अनुसार रूद्र अर्थात शिव बांस में समाहित हैं। कांवड़िया कांवड़ के माध्यम से साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, शिव, तीनों की कृपा एक साथ प्राप्त करते हैं। भारत में दो कांवड़ यात्राएं होती हैं, दिल्ली से उत्तराखंड-गंगोत्री, ऋषिकेश या हरिद्वार तक की कांवड़ यात्रा और बिहार और झारखंड में सुल्तानगंज से देवघर तक की कांवड़ यात्रा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से सैकड़ों-हजारों लोग, युवा से लेकर बुजुर्ग तक, जिनमें महिलाएं और कभी-कभी बच्चे भी कांवड़ यात्रा में भाग लेते हैं। कंधों पर लटका पवित्र जल भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें अक्सर भोला या भोले बाबा कहकर पुकारा जाता है। भोले का अर्थ भोलेनाथ, यानी भगवान शिव भी हो सकता है। इसलिए, तीर्थयात्री भोला और भोले हैं! वर्तमान में, कांवड़ यात्रा विश्व की सबसे बड़ी धार्मिक पदयात्राओं में मानी जाती है। आधुनिक समय में इसकी भव्यता अत्यधिक बढ़ी है, किंतु इसकी आध्यात्मिक जड़ें वैदिक एवं पौराणिक परंपराओं में गहराई तक समाई हुई हैं। प्राचीन ग्रंथों में कांवड़ यात्रा का उल्लेख प्रायः किया जाता है। यह प्रश्न बार-बार पूछा जाता है कि ₹कांवड़ यात्रा₹ का उल्लेख किस ग्रंथ में मिलता है? इसका उत्तर थोड़ा सूक्ष्म है। ₹कांवड़₹ शब्द अपने वर्तमान अर्थ में पुराणों में प्रत्यक्ष रूप से नहीं मिलता। किंतु पवित्र नदी से जल लाकर भगवान शिव का अभिषेक करने की परंपरा का वर्णन अनेक पुराणों में स्पष्ट रूप से मिलता है। वर्तमान कांवड़ यात्रा उसी प्राचीन शिवाभिषेक परंपरा का आधुनिक स्वरूप मानी जाती है। अर्थात कांवड़ यात्रा का भाव पुराण सम्मत है, जबकि 'कांवड़' शब्द अपेक्षाकृत उत्तरकालीन लोक प्रचलित नाम है। 'कंवार' शब्द की व्युत्पत्ति, जिसका अर्थ 'कंधा' है। कांवड़ में दूर-दूर से पवित्र नदियों, खासकर गंगा का जल भरकर लाते हैं। इसे पैदल यात्रा करते हुए शिवलिंग पर चढ़ाते हैं। इस संकल्प यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण होता है कांवड़ को अपने कंधे पर उठाकर ले जाना। यह कोई साधारण परंपरा नहीं है। इसके पीछे गहराई से जुड़ी पौराणिक मान्यताएं छुपी हुई हैं। कांवड़ यात्रा का जिक्र किसी पौराणिक ग्रंथ में सीधे तौर पर नहीं मिलता है। इसका भी स्पष्ट रूप से कोई जिक्र नहीं है कि किसने पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की थी, लेकिन लोक व्यवहार में महाबली रावण, महाविष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम, अगस्त्य ऋषि, महर्षि मार्कंडेय, महारथी कर्ण और 61 नयनार संतों में से एक संत कनप्पा जैसे कई नाम शामिल हैं, जिन्होंने महादेव शिव को बड़ी सरल-सहज और आसान विधि से पूजन कर प्रसन्न किया था। रावण और भगवान परशुराम द्वारा तो शिवजी के लिए कांवड़ लाकर भी उनका जलाभिषेक करने का प्रसंग लोक कथाओं में मिलता है, हालांकि पुराणों में हर जगह इनके द्वारा की गई विधिवत पूजा का ही वर्णन मिलता है, जिसमें पंचोपचार पूजन से लेकर, षोडशोपचार पूजन तक का वर्णन मिलता है, फिर भी कांवड़ द्वारा जल लाकर शिवजी के अभिषेक का वर्णन नहीं मिलता है। हालांकि कांवड़ शब्द का जिक्र रामायण में मिलता है। जहां राजा दशरथ द्वारा गलती से श्रवण कुमार की हत्या हो जाती है। इस प्रसंग में जब श्रवण कुमार के चरित्र का वर्णन आता है तब कांवड़ का जिक्र होता है। जहां पता चलता है कि श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर उन्हें तीर्थ यात्रा पर ले जाता है। कांवड़ असल में तराजू जैसी आकृति का एक नमूना होता है। श्रवण ने अपने माता-पिता को दोनों ओर बिठा लिया और कांवड़ कंधे पर रखकर चला। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तीर्थ क्षेत्र में दशानन रावण से जुड़ी कई लोक कथाएं प्रचलित हैं। यहां नोएडा के पास बिसरख गांव को रावण की जन्मस्थली बताया जाता है। मेरठ को मयराष्ट्र बताते हुए उसे रावण की ससुराल बताया जाता है। यहीं, बागपत स्थित पुरा महादेव मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पर खुद रावण ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर शिवजी का जलाभिषेक किया था, जबकि रावण से भी सैकड़ों वर्ष पहले भगवान परशुराम ने इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना की थी और 108 कलश से उनका अभिषेक किया था। स्कंद पुराण में शिव उपासना के लिए रामोपाख्यान सर्ग में एक जिक्र आता है, जहां शिवगण नंदी और रावण की बातचीत होती है। इस स्थान पर नंदी कहते हैं कि जो प्राणी जलाशय से शिवालय तक पैदल ही गमन करता है और फिर जल ले जाकर शिवालय को धोकर साफ करता है, वह बिना किसी विधान की पूजा के शिवलोक को प्राप्त कर लेता है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि स्कंद पुराण में कांवड़ यात्रा का जिक्र नहीं है लेकिन ये जरूर लिखा है कि 'जलाशय से जल लेकर शिवालय तक की यात्रा'- संभवतः आगे चलकर यही व्याख्या कांवड़ यात्रा के संदर्भ में ली गई होगी। हालांकि कांवड़ यात्रा विशुद्ध ग्रामीण परंपरा है और इसकी शुरूआत इधर के आधुनिक काल में ही कभी हुई हो, इसकी अधिक संभावना हो सकती है। शिवजी की कावड़ यात्रा का जिक्र पुराणों में मिले न मिले, किसी रावण ने कांवड़ पहले चढ़ाई हो या नहीं, शिवभक्तों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। उनके लिए तो बस इतनी सी बात है, वे शिव के हैं और शिव उनके हैं। वहीं, कांवड़ के व्युत्पत्तिपरक जो अर्थ किए गए हैं, उनमें एक के अनुसार ह्यकह्ल अक्षर अग्नि को द्योतक है और ह्यआवरह्ल का अर्थ ठीक से वरण करना। प्रार्थना यह है कि अग्नि अर्थात स्त्रष्टा, पालक एवं संहारकर्ता परमात्मा हमारा मार्गदर्शक बने और वही हमारे जीवन का लक्ष्य हो तथा हम अपने राष्ट्र और समाज को अपनी शक्ति से सक्षम बनाएं। गंगाजल, पारद, पाषाण, धतूराफल आदि सबमें शिव सत्ता मानी गई है। अतः सब प्राणियों, जड़-जंगम पदार्थों में स्वयं भूतनाथ पशुपतिनाथ की सुगमता और सुलभता ही तो आपको देवाधिदेव महादेव सिद्ध करती है। कांवड़ शिव के उन सभी रूपों को नमन है। कंधे पर गंगा को धारण किए श्रद्धालु इसी आस्था और विश्वास को जीते हैं। यों भी कह सकते हैं कि कांवड़ यात्रा शिव के कल्याणकारी रूप और निष्ठा के नीर से उसके अभिषेक को तीव्र रूप में प्रतिध्वनित करती है। वास्तव में, कांवड़ यात्रा का यह धार्मिक उत्सव न केवल आस्था का प्रतीक है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर भी है। कांवड़िये इस यात्रा के माध्यम से न केवल अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करते हैं बल्कि यह यात्रा उन्हें एकजुटता और भाईचारे का भी अनुभव कराती है। इस दौरान भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिलता है, जो भारतीय संस्कृति की गहराई और विविधता को दशार्ता है। सही मायनों में, कांवड़ यात्रा भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में निहित सिद्धांतों की पुनर्स्थापना है। कांवड़ यात्रा सिर्फ एक यात्रा नहीं है, ये महादेव को शीतल जल अर्पित करने की परंपरा है, ये लोक-उत्सव है, समानता का सन्देश है क्योंकि चारों तरफ भगवा ही भगवा दिखता है जो सनातन संस्कृति का प्रतीक है।

(लेखक के निजी विचार)

साधन पथ प्रदर्शक हैं गुरु, किन्तु साध्य नहीं

सद्गुरु पूजनीय, वंदनीय और पथ प्रदर्शक हैं, वह शिष्य के अज्ञान अंधकार को दूर कर ज्ञान रुपी दीपक जलाने वाला और परमात्म प्राप्ति हेतु साधन का दिग्दर्शन कराने वाला महापुरुष है। वह केवल गुरु ही है, जो अपने शिष्य में पिंड से लेकर ब्रह्मांड तक दर्शन की क्षमता विकसित करता है, गुरु ही अपने शिष्य को कर्म ज्ञान और भक्ति का यथार्थ दर्शन कराता है, जिसके सहारे शिष्य अध्यात्म के उस शिखर पर पहुंच सकता है, जहां जाने के बाद सांसारिक सुख-समृद्धि और वैभव तुच्छ दिखाई देने लगते हैं किंतु वह साध्य नहीं है और न ही ध्येय हो सकता है। ध्येय है, सर्वव्यापी, निर्विकार, निराकार और नियंता, परब्रह्म परमात्मा। गुरु का महत्व समझाते हुए अक्सर इन पंक्तियों को भी उद्धृत किया जाता है। संत कबीरदास का यह प्रसिद्ध दोहा गुरु की महिमा का बखान करता है-'गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पायँ। बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो बतायँ।।' (गुरु और ईश्वर दोनों एक साथ खड़े हों तो पहले किसे प्रणाम करना चाहिए? ऐसे में गुरु के चरण पहले छूने चाहिए क्योंकि गुरु ने ही हमें ईश्वर तक पहुँचने का सही मार्ग और ज्ञान दिया है।) यह सद्गुरु की महिमा है किंतु इस उक्ति का अभिप्राय ऐसा नहीं लिया जाना चाहिए कि गुरू ने गोविंद का पथ बतलाया है इसलिए उन्हें ही पकड़ कर बस वहीं ठहर जाना चाहिए बल्कि इसको इस रूप में लिया जाना चाहिए कि हम उस गुरु को पहले वंदन करें जो गोविन्द को बताकर परे हट गए कि देख यह सीधा सरल रास्ता गोविन्द की ओर ही जा रहा है, तू इसे पकड़ ले. तो हम उस गुरु को प्रथम प्रणिपात करें, जिन्होंने गोविन्द को पा लेने का मार्ग बताया ओर अलग हट गए, कि देख गोविन्द तुझे ऐसे मिलेंगे। सद्गुरु कहता है कि अब मेरी आवश्यकता रह ही नहीं जाती है। मेरे द्वारा जो पथ बताया गया है, उस पथ पर ही चलते चलते चले जाना है। सद्गुरू कहता है कि अब तू चलता चला जा उस पथ पर, जो मैंने तुझे बताया है। वास्तविकताओं में भी पथ का दिग्दर्शन कराने के बाद पथ प्रदर्शक की भूमिका आखिर क्या रह जाती है? सद्गुरु ने हमें जो रास्ता बता दिया उसके अनुसार हम अपनी यात्रा शुरू कर दें, यही उचित है। किंतु यदि हम चले नहीं और उस पथ प्रदर्शक या गुरु के पास रुके रह जाएं तो क्या हम अपनी मंज़िल पर पहुंच सकेंगे? उत्तर होगा नहीं। इन पंक्तियों का सार तत्व यही है कि हमें अपने गुरु ने जो रास्ता बताया है, उस पर चलना शुरू कर दें तो परमात्मा रूपी मंजिल मिलेगी। यही है गुरू पूजा और दक्षिणा भी यही है कि उनके बताए मार्ग का अनुसरण करते हुए गुरु आज्ञानुसार परमात्मतत्व कीर्तन, जप, ध्यान ओर स्मरणरत हों। पथ प्रदर्शक सत्गुरु के बताए अनुसार साधन के माध्यम से ही साध्य परमात्मा को पाने की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है। सारभूत तत्व यही है कि उस गुरु का बड़ा आभार जो कि गोविन्द का पथ बताकर रास्ते से परे हट गए। गुरू मनुष्य की अंधकार से प्रकाश की आध्यात्मिक यात्रा का प्रेरक तत्व है। गुरु एक सीढ़ी है, जिसके सहारे ऊपर जाया जा सकता है, किंतु वह मंजिल नहीं है जहां जाकर सब यात्राएं विराम पा लेती है। गुरु तैरना सिखा देता है ताकि दरिया को पार किया जा सके, किंतु यदि कोई व्यक्ति जरूरत के वक्त भी गुरु के उस ज्ञान को अंगीकार नहीं करे तो वह डूबने से आखिर कैसे बचेगा? वस्तुतः गुरु एक सीढ़ी है, सीढ़ी के सहारे ऊपर तो चढ़ा जा सकता है किन्तु उसे ही थामे रखकर वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति नहीं की जा सकती। आचार्य रजनीश कहते हैं, गुरु एक सीढ़ी या निसेनी है, जिसपर चढ़कर ऊपर पहुंच जाओ और उसे गिरा दो किंतु यदि तुम उस निसेनी को थाम कर ही बैठे रह गए तो जिस उद्देश्य के लिए निसेनी पर चढ़ कर ऊपर पहुंचे हो तो उसे कभी पूरा नहीं कर पाओगे। यह प्रश्न भी किया जा सकता है कि निसेनी यदि गिरा दोगे तो फिर नीचे कैसे आओगे? कहा जाना चाहिए कि उस अनंत की यात्रा उच्च सोपान की यात्रा है, उस परम पुरुष तक पहुंचने की यात्रा जो कि अध्यात्म का चरम लक्ष्य है, हमारे ऋषियों-महर्षियों ने वैदादिकों में इसका गुणगान किया है और महात्मा पुरूषों ने इसकी बहुभांति विवेचना भी की है। गुरू एक माध्यम है, जिसके द्वारा गोविन्द का ज्ञान होता है इसलिए गुरु ने गोविन्द की प्राप्ति के लिए जो साधन बताए हैं, हम वह साधन करें तो उस परमात्म तत्व की प्राप्ति की ओर बढ़ा जा सकता है। किंतु यदि हम गुरु द्वारा बताए गए साधन नहीं करें और गुरु के नाम का ही जाप करते रहें तो हमें क्या प्राप्त होगा? इसलिए निसेनी गिरा देने का अर्थ इतना ही है कि गुरू को नहीं पकड़ते हुए गुरू ने जो उपदेश दिया है उस पर अमल कर आत्मसात करें।

कुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता

हृदयनारायण दीक्षित

प्रशासन तंत्र लोक कल्याणकारी कामों का लाभ आमजनों तक ले जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशासन तंत्र को सक्रिय किया है। प्रधानमंत्री नीति व निर्णयों में तेज रफ्तार गतिशील हैं। वे सारी कार्य संस्कृति बदल रहे हैं। आखिरकार सभी सुधारों का अंतिम उपकरण प्रशासन तंत्र है। नीतियों और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन प्रशासन तंत्र द्वारा ही होता है। नौकरशाही और प्रशासनिक तंत्र में जड़ता है। जिम्मेदार अधिकारी भी अपने कर्तव्यों के निर्वाहन में जनता से दूरी बनाए रखते हैं। देश में अधिकारी तंत्र और जनप्रतिनिधियों के मध्य अच्छे सम्बंध नहीं हैं। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक तंत्र में तनाव रहता है। मारपीट की नौबत तक आ जाती है। आदर्श लोकतंत्र के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है। सो उत्कृष्ट, निष्ठावान और कार्यकुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारे संविधान तंत्र में सरकारें संसद व विधानमण्डलों के सामने जवाबदेह हैं। जनप्रतिनिधि भी प्रत्येक 5 वर्ष के बाद आम जनता के समक्ष होते हैं। लेकिन प्रशासन तंत्र की कोई जवाबदेही नहीं। प्रशासन तंत्र संवेदनहीन और निष्क्रिय है और सरकारें सक्रिय। भारतीय प्रशासन का इतिहास पुराना है। प्राचीन प्रशासन की प्रशंसा फाहयान ने भी ह्लशासन प्रबंध सुव्यवस्थित, उदार व सौम्यह्ल बताकर की है। मौर्यकाल (340 ई0पूर्व) में भी सुगठित राष्ट्रनिष्ठ शासन तंत्र था। कौटिल्य के ह्यअर्थशास्त्रह्ल में प्रशासन तंत्र का खूबसूरत विवरण है। सिंधु घाटी सभ्यता (2200 ई0पूर्व से 1750 ई0पूर्व तक) के प्रशासन को ह्वीलर व पिगाट जैसे विद्वानों ने भी सुगठित बताया है। उत्तर वैदिक काल व वैदिक काल का प्रशासन समाज के साथ एकताबद्ध और उत्तरदायी था। अंग्रेजी शासकों ने अपने साम्राज्य को मजबूत करने का प्रशासन तंत्र बनाया था। अंग्रेज सरकारों ने भी प्रशासनिक सुधारों के लिए कई आयोग बनाए थे। प्रशासन ही सत्ता चलाने का उपकरण था। वे स्वाभाविक ही प्रशासनिक सुधारों पर सजग थे लेकिन स्वतंत्र भारत में लम्बे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने प्रशासनिक सुधारों पर कोई ठोस काम नहीं किया। प्रशासन परम स्वतंत्र होने की स्थिति का उपभोग करता आया है। भारतीय संविधान की उद्देशिका व नीति निदेशक तत्व सरकार व प्रशासन तंत्र के मार्गदशक हैं। वे सुस्थापित विधि नहीं बल्कि सरकार व प्रशासन के कामकाज की आत्मा है। प्रशासन तंत्र इन सूत्रों से नहीं जुड़ता। स्वतंत्र भारत (1951) में प्रशासन की कार्यशैली पर एन0डी0 गोरेवाला की रिपोर्ट ह्यलोक प्रशासन पर प्रतिवेदनह्ल नाम से आई। रिपोर्ट के अनुसार ह्लकोई भी लोकतंत्र स्पष्ट, कुशल व निष्पक्ष प्रशासन के अभाव में सफल नियोजन नहीं कर सकता।ह्व इस रिपोर्ट में अनेक उपयोगी सुझाव थे लेकिन क्रियान्वयन नहीं हुआ। 1952 में केन्द्र ने प्रशासनिक सुधारों पर विचार करने के लिए पाल एपिलबी की नियुक्ति की। उन्होंने पूरे देश का भ्रमण किया और ह्यलोक प्रशासन सर्वेक्षण का प्रतिवेदनह्ल प्रस्तुत किया। रिपोर्ट में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव थे। लेकिन जड़ता नहीं टूटी। स्वाधीनता के 19 बरस बाद पहला प्रशासनिक सुधार आयोग (1966) बना। मोरारजी देसाई अध्यक्ष थे, वे मंत्री हो गए। आयोग ने हनुमंतैया की अध्यक्षता में काम बढ़ाया। आयोग का पहला प्रतिवेदन ह्लनागरिकों की व्यथा दूर करने की समस्याह्व शीर्षक से 20 अक्टूबर 1966 में आया। प्रशासन बनाम आमजन की व्यथा से पूरा देश पीड़ित है लेकिन इस महत्वपूर्ण बिन्दु की उपेक्षा हुई। आयोग ने केन्द्रीय प्रशासन व राज्य प्रशासन पर अलग-अलग सुझाव दिये। रिपोर्ट में आर्थिक नियोजन को आर्थिक प्रशासन के रूप में पहचानने के भी उल्लेख थे। प्रशासन का रूप-रंग और कार्य व्यवहार जस का तस बना रहा। पहले प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट (1970) के 35 साल बाद सितम्बर 2005 में वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग बना। मोइली ने 2009 में पद त्यागा। इस आयोग ने भी केन्द्रीय प्रशासन के ढांचे के साथ राज्य प्रशासन पर भी सिफारिशें की। जिला प्रशासन को सक्षम बनाने की भी महत्वपूर्ण संस्तुतियां की। इस रिपोर्ट में आतंकवाद की चुनौती पर भी सुझाव थे। मनरेगा के क्रियान्वयन की भी शल्य परीक्षा थी। समूची रिपोर्ट पर मंत्रियों के समूह को विचार का काम सौंपा गया। आयोग की सिफारिशों के अंत में कहा गया था ह्लसरकार के दृष्टिकोण में आवंटन आधारित विकास कार्यक्रमों से पात्रता आधारित विकास कार्यक्रमों की ओर अन्तरण हुआ है। सभी क्षेत्रों में विकास पर जोर है। केन्द्रीय बजट बढ़ा है। इस सबके कारण संस्थागत प्रशासनिक व वित्तीय प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण जरूरी है।ह्व यहां विकास के सभी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक प्रबंधन पर जोर है। लेकिन असली दिक्कत दूसरी है। सभी कार्यक्रमों को अंतिम परिणिति तक पहुंचाने वाले प्रशासन तंत्र की प्रथम वरीयता परिणाम देना नहीं अपितु अपनी सेवा सुरक्षा है। संविधान विशेषज्ञ मंत्रिपरिषद को अस्थाई और प्रशासन को स्थाई सरकार कहते हैं। यह उचित भी है। सरकार का कार्यकाल पांच वर्ष है और प्रशासन का कार्यकाल सतत चलता है। लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की शक्ति प्रशासन में निहित है। सरकारें पेयजल की समस्या पर बजट देती हैं। व्यवस्था प्रशासन के हाथ में है। बजट का बड़ा भाग प्रायाः खर्च नहीं हुआ। प्रशासन तंत्र चाहता तो खर्च हो जाता। योजनाएं बनती हैं, क्रियान्वित नहीं होती। योजना की प्राक्कलन राशि बढ़ती जाती है। उत्तरदायित्व किसका? तमाम बैंक अधिकारियों ने बेरोजगारो को टाल दिया। कई राज्यों में प्रशासन का राजनैतिकरण हुआ है। कुछेक प्रशासनिक अधिकारी सत्तादल के कार्यकर्ता जैसा आचरण करते हैं। आईएएस अधिकारियों के एक समागम में एक अधिकारी ने दूसरे से पूछा ह्लपार्टनर! आपके जिले की जनसंख्या क्या है?ह्व अगले ने कहा ह्लओनली ऐट सिर्फ आठ।ह्व पहले ने पूछा ह्लकुछ समझ में नहीं आया।ह्व अगले ने कहा ह्लआठ नेता सीएम से मिलते हैं। यही जनसंख्या है। इन्हीं को सेट रखना हमारी प्राथमिकता है।ह्व बेशक यह मजाक है लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं। केन्द्र की नीति और नीयत की प्रशंसा हो रही है। नीति और नीयत को क्रियान्वित करने वाला मुख्य उपकरण प्रशासन है। प्रशासन को नये आर्थिक सुधारों के क्रियान्वयन का सक्रिय उपकरण बनाना ही होगा। इसी तरह समाज कल्याण से जुड़ी योजनाओं, कृषि, स्वरोजगार व गरीबी से संघर्ष के काम में ढिलाई करने वाले प्रशासन तंत्र की मनोदशा में बदलाव जरूरी है। प्रशासनिक सुधार आयोगच की सिफारिशें उपयोगी हैं। भारत की नई चुनौतियों के बरक्स प्रशासन के सामने भी चुनौतियों का नया स्वरूप आया है।

(लेखक के निजी विचार)

प्रखंड शिविरों का असर: कोडरमा में 955 आवेदन, चयनित लाभुकों को मिले ड्राइविंग लाइसेंस

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। झारखंड सरकार की पहल के तहत कोडरमा जिले में आयोजित प्रखंड स्तरीय विशेष शिविरों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस के लिए जिलेभर से 955 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 622 आवेदक ऑनलाइन ड्राइविंग टेस्ट में सफल रहे। मंगलवार को आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान चयनित लाभुकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किए गए। रांची स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय, प्रोजेक्ट भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री की उपस्थिति में इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च (आईडीटीआर), जमशेदपुर की स्थापना के लिए परिवहन विभाग, झारखंड और टाटा मोटर्स लिमिटेड के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसी अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों के चयनित लाभुकों को ड्राइविंग लाइसेंस वितरित किए गए। कोडरमा में उप विकास आयुक्त रवि जैन एवं जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी ने कुमार आदित्य, रंजन कुमार, राजा सिंह, सौरभ कुमार, दानिश कैफ, सुमित कुमार चौधरी, सौरभ कुमार, पीयूष प्रसाद यादव तथा राजा कुमार केसरी को ड्राइविंग लाइसेंस प्रदान किया। जिले में आयोजित शिविरों के दौरान 955 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 622 अभ्यर्थी ऑनलाइन टेस्ट में सफल रहे, जबकि 170 अभ्यर्थी असफल रहे। शेष आवेदक ऑनलाइन परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, मोटर यान निरीक्षक कुमार शानू यादव एवं जोसफ टोप्पो, सहायक प्रशासी पदाधिकारी उदय शंकर बक्शी सहित परिवहन विभाग के अन्य पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

कोयला मजदूरों के शोषण पर अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ ने जताई चिंता

भुरकुंडा (रामगढ़)। अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ बरका-सयाल क्षेत्रीय कमेटी की बैठक मंगलवार को सयाल स्थित यूनियन कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव राम और संचालन क्षेत्रीय सचिव संजय मिश्रा ने किया। बैठक में यूनियन के महामंत्री सतीश सिन्हा मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए महामंत्री सतीश सिन्हा ने कहा कि कोयला मजदूरों का लगातार शोषण किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्खनन विभाग में हॉल रोड एवं बेंच की समुचित व्यवस्था नहीं होने से हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं मजदूरों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है तथा आवासों की मरम्मत भी समय पर नहीं की जा रही है। उन्होंने प्रबंधन से सिविल कार्यों में पारदर्शिता लाने की मांग करते हुए कहा कि सयाल में कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी पीएसएमई द्वारा ठेका मजदूरों का बकाया वेतन अविलंब भुगतान किया जाना चाहिए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर बरका-सयाल के महाप्रबंधक को मांग-पत्र सौंपा जाएगा। साथ ही 10 अगस्त को बरका-सयाल महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष संयुक्त मोर्चा द्वारा प्रस्तावित प्रदर्शन में अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ भी सक्रिय रूप से भाग लेगा। बैठक में संतोष ठाकुर, विनोद कुमार, शैलेंद्र सिंह, विनोद सिंह, शंकर सिंह, अनिल राम, शंकर प्रसाद, लाल मोहन महली, पप्पू राम, हलेंद्र उरांव, अजय उरांव, विवेकानंद ठाकुर, देव कुमार बेदिया, विजय कुमार, हरिश्चंद्र झा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सीबीएसई ईस्ट जोन योगासन में ग्रिजली विद्यालय का परचम, ओवरऑल तीसरे स्थान के साथ अंडर-17 बालक वर्ग बना चैंपियन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के चकिया स्थित सिल्वर बेल्स स्कूल में आयोजित सीबीएसई ईस्ट जोनल योगासन चैम्पियनशिप-2026 में तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय और झारखंड का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में विद्यालय ने सभी आयु वर्गों के संयुक्त प्रदर्शन के आधार पर ओवरऑल तृतीय स्थान (द्वितीय उपविजेता) हासिल किया, जबकि अंडर-17 बालक वर्ग में ओवरऑल ग्रुप चैंपियन बनने का गौरव भी प्राप्त किया। अंडर-17 बालक वर्ग की टीम ने ट्रेडिशनल ग्रुप स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। विजेता टीम में लव कुमार शर्मा, दिवाकर यादव, शुभम कुमार राणा, आयुष यादव एवं तेजस कुमार विश्वकर्मा शामिल रहे। व्यक्तिगत स्पर्धा में लव कुमार शर्मा ने आर्टिस्टिक सिंगल में स्वर्ण पदक जीता। वहीं शुभम कुमार राणा एवं तेजस कुमार विश्वकर्मा ने आर्टिस्टिक पेयर में तथा दिवाकर यादव एवं आयुष यादव ने रिदमिक पेयर स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किए। अंडर-17 बालिका वर्ग में साक्षी प्रसाद एवं अर्पिता कुमारी की जोड़ी ने आर्टिस्टिक पेयर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। अंडर-14 बालिका वर्ग में समृद्धि एवं काशवी टोप्पो ने आर्टिस्टिक पेयर तथा आरुषि सिंह एवं दीपशिखा बरनवाल ने रिदमिक पेयर स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। अंडर-19 बालक वर्ग में अतुल्य कुमार एवं ओम कुमार शर्मा ने आर्टिस्टिक पेयर, जबकि आर्यन राज एवं आदर्श कुमार ने रिदमिक पेयर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर विद्यालय की उपलब्धियों में नया अध्याय जोड़ा। शानदार प्रदर्शन के आधार पर ग्रिजली विद्यालय की अंडर-17 बालक एवं बालिका टीम तथा अंडर-19 बालक वर्ग की पेयर टीम का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विद्यालय की इस सफलता में योग प्रशिक्षक नेहा कुमारी एवं उमेश विश्वकर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता और प्राचार्या अंजना कुमारी ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि राष्ट्रीय स्तर पर भी विद्यालय के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भी खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

डीएवी पब्लिक स्कूल, गिद्दी 'ए' में कारगिल विजय दिवस मनाया गया श्रद्धा एवं गौरव के साथ

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

गिद्दी। डीएवी पब्लिक स्कूल, गिद्दी 'ए' में 26वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर सैनिकों के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री मनप्रिया चटर्जी एवं शिक्षकों के द्वारा आज के विशिष्ट अतिथि, भूतपूर्व सैनिक श्री गुप्तेश्वर ठाकुर जी(बिहार रेजिमेंट) और श्री संतोष कुमार ठाकुर जी (भारतीय जल सेना) को सम्मानित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, ओजस्वी भाषण के माध्यम से कारगिल युद्ध के वीर जवानों के अद्वितीय पराक्रम को स्मरण किया। विद्यालय में इंटरहाउस देशभक्ति सामूहिक गान का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों को कारगिल युद्ध के इतिहास, भारतीय सेना के साहस तथा देशभक्ति की भावना से अवगत कराया गया।अपने संबोधन में प्राचार्य श्री मनप्रिया चटर्जी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें उन वीर सैनिकों के अद्वितीय साहस और बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि आज विद्यालय परिवार श्री गुप्तेश्वर ठाकुर जैसे साहसी और कर्तव्यनिष्ठ सैनिक को सम्मानित कर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। विदित हो कि श्री गुप्तेश्वर भारतीय सेना में नौकरी करते हुए 1966 और 1971 के युद्ध में न शिर्फ भाग लिए बल्कि भारत युद्ध में विजयी भी हुआ। उन्होंने श्री संतोष ठाकुर जी का भी आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों को भारतीय सेना में अपना कैरियर बनाने को प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने तथा शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ।

झारखंड में सामान्य से 27 प्रतिशत कम बारिश

रांची। झारखंड में मानसून की रफ्तार अब भी सामान्य से पीछे चल रही है। राज्य में एक जून से 28 जुलाई तक सामान्य 478.3 मिलीमीटर के मुकाबले 352.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य से 27 प्रतिशत कम है। यह जानकारी मौसम विभाग ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी। विभाग के अनुसार, राज्य के 24 जिलों में केवल पश्चिमी सिंहभूम में ही सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सामान्य 461.9 मिलीमीटर के मुकाबले 534 मिलीमीटर बारिश हुई, जो सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक है। इसके बाद सरायकेला-खरसावां में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई, जहां सामान्य 470.2 मिलीमीटर के मुकाबले 464.2 मिलीमीटर बारिश हुई। यह सामान्य से मात्र एक प्रतिशत कम है। इसके अलावा पूर्वी सिंहभूम, रांची और रामगढ़ में भी अपेक्षाकृत अच्छी वर्षा हुई है। इन जिलों में सामान्य से क्रमशः 13, 17 और 12 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। हालांकि राज्य के अधिकांश अन्य जिलों में वर्षा का आंकड़ा सामान्य से काफी कम बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, झारखंड में पूरे मानसून सीजन के दौरान औसतन लगभग 1,200 मिलीमीटर वर्षा होती है। इसके मुकाबले अब तक लगभग एक-तिहाई बारिश ही दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 167.2 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी में रिकॉर्ड की गई। वहीं, इस अवधि में सबसे अधिक तापमान बोकारो में 33.1 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा किसी राजनीतिक दबाव के कारण नहीं, बल्कि छात्रों के सम्मान में लिया गया फैसला : सुनील कुमार सिंह

अरुण कुमार संवाददाता

रांची। भाजपा नेता सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी के इस्तीफे के बारे में कहा कि यह निर्णय किसी राजनीतिक दल के दबाव के कारण नहीं लिया गया है, बल्कि छात्रों और युवाओं के हित एवं सम्मान को ध्यान में रखते हुए किया गया है। उन्होंने विपक्ष की उन आरोपों को भी खारिज किया जिनमें दावा किया जा रहा था कि, केंद्र सरकार दबाव में आकर पीछे हटी है। कहा कि धर्मेंद्र प्रधान जी ने अपने इस्तीफे के साथ लिखे गए पत्र में अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है, उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की ओर से लिया गया फैसला छात्रों और युवाओं के प्रति जिम्मेदारी की भावना को दशार्ता है। धर्मेंद्र प्रधान जी के इस्तीफा के बाद विपक्ष की ओर से सरकार पर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं, विपक्षी दलों की ओर से यह दावा किया जा रहा है, कि सरकार राजनीतिक दबाव के आगे झुक गई है, और इसी कारण शिक्षा मंत्री को पद छोड़ना पड़ा! श्री सिंह ने कहा कि नीट पेपर लीक का ये पहला मामला नहीं हुआ है, यूपीए सरकार में भी नीट जैसी मुख्य परीक्षा का पेपर लीक जैसे मामले होते आए हैं, पर कभी यूपीए सरकार के मंत्री नैतिकता के आधार पर अपना इस्तीफा नहीं सौंपा है.? परंतु एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जी ने नैतिकता के आधार पर छात्रों व युवाओं के सम्मान में अपना इस्तीफा सौंपने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की प्राथमिकता राजनीतिक आरोपझ्र प्रत्यारोप नहीं, बल्कि देश के करोडों युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए नए अवसर तैयार करना है। कहा कि सीजेपी तथा कांग्रेस पार्टी समेत समस्त विपक्षी पार्टियों का असली चेहरा उजागर हुआ है, की किस तरह छात्रों को मोहरा बनाकर राष्ट्र विरोधी शक्तियों के साथ मिलकर, सुचारू रूप से चल रही नरेंद्र मोदी जी की सरकार को अस्थिर करने में जुटी हुई थी! कहा कि कांग्रेस समेत समस्त विपक्षी पार्टियां जब चुनाव नहीं जीत पा रही है, तो केंद्र सरकार को अस्थिर करने का षड्यंत्र में जुट गई है।

रोटरी के मंच से बनेगा व्यापार और सेवा का नया इकोसिस्टम- अनु नारंग

रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3250 झारखंड-बिहार में पहली बार शुरू होगा रोटरी मीन्स बिजनेस (आरएमबी)

कनिका मल्होत्रा बनीं रांची चैप्टर की चेयरमेन

भुरकुंडा। व्यापार, रोजगार और समाज सेवा के बीच एक मजबूत सेतु बनाने की दिशा में रोटरी इंटरनेशनल ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। रोटरी के प्रतिष्ठित बिजनेस प्लेटफॉर्म रोटरी मीन्स बिजनेस (आरएमबी) की शुरूआत अब झारखंड और बिहार में की जा रही है। इस पहल के तहत राँची में पहला आरएमबी चैप्टर स्थापित किया जाएगा। इसके लिए कनिका मल्होत्रा को राँची चैप्टर का चेयरमेन नियुक्त किया गया है। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अनु नारंग ने कहा कि आरएमबी का उद्देश्य रोटेरियन सदस्यों, उद्यमियों, व्यवसायियों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स को एक ऐसे विश्वसनीय मंच पर लाना है, जहां वे आपसी सहयोग, व्यापारिक अवसरों और रेफरल के माध्यम से एक-दूसरे को आगे बढ़ा सकें। इसका मूल मंत्र है– रोटेरियन्स के द्वारा, रोटेरियन्स के लिए, रोटेरियन्स का। राँची से शुरू होने वाला यह चैप्टर आने वाले समय में पूरे क्षेत्र में व्यापारिक सहयोग, रोजगार सृजन और सामाजिक विकास का नया मॉडल प्रस्तुत करेगा। रोटरी क्लब रांची के अध्यक्ष ललित त्रिपाठी ने बताया कि आरएमबी केवल बिजनेस का एक सामान्य मंच नहीं है। यह व्यापार, विश्वास, नैतिकता और समाज सेवा पर आधारित एक व्यवस्थित इकोसिस्टम के रूप में काम करेगा। इस मंच से जुड़े सदस्य एक-दूसरे के व्यवसाय को समझेंगे, आपसी सहयोग करेंगे और नैतिक मूल्यों के आधार पर व्यापारिक अवसरों का निर्माण करेंगे। पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा आरएमबी में रोटरी के मूल सिद्धांतों और फोर वे टेस्ट को व्यापारिक गतिविधियों का आधार बनाया जाएगा। इस पहल का लाभ झारखंड और बिहार के उद्यमियों, प्रोफेशनल्स और युवाओं को मिलेगा। पीडीजी जोगेश गंभीर ने कहा कि अनुभवी रोटेरियन व्यवसायी और प्रोफेशनल्स युवा उद्यमियों तथा स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन और मेंटरशिप प्रदान करेंगे। इससे युवाओं को नए व्यवसाय शुरू करने, चुनौतियों से निपटने और अपने उद्यम को आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी। रोटरी इमेज चेयरमैन प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि इस पहल का सबसे बड़ा लाभ स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के क्षेत्र में देखने को मिलेगा। इसके माध्यम से लघु एवं मध्यम उद्योग, स्टार्टअप्स और युवा उद्यमियों को नए ऑर्डर, रेफरल, व्यावसायिक साझेदारी और बाजार तक पहुंच के अवसर मिलेंगे। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे, जिसका लाभ समाज के हर वर्ग पहुंचेगा। कार्यक्रम में मनोज तिवारी, गौरव बागरॉय अतुल अग्रवाल, प्रो अनंत कुमार, प्रकाश सरावगी, अशफाक, डॉ अनिर्बन सान्याल, रजत बहल, रोहन सूद की भागेदारी रही।

एक नजर

वृंदा चोरी कांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी का पूरा सामान बरामद

कोडरमा। कोडरमा पुलिस ने वृंदा गांव में हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गई संपत्ति की शत-प्रतिशत बरामदगी करने के साथ घटना में प्रयुक्त अपाची मोटरसाइकिल भी जब्त की है। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में एसडीपीओ प्रमोद केशरी ने बताया कि कोडरमा थाना क्षेत्र के वृंदा गांव निवासी गुरु प्रसाद साव के घर में हुई चोरी के मामले में उनके आवेदन पर कोडरमा थाना कांड संख्या 136/26, दिनांक 8 जुलाई 2026 को बीएनएस की धारा 305 एवं 331(4) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी अरविंद कुमार के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी विश्लेषण, सीसीटीवी फुटेज, मानवीय सूचना और वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर कार्रवाई करते हुए तौफिक अंसारी (असनाबाद-अंबाटांड़) एवं मो. आतिफ मंसूरी (करमा पूर्वी गली), दोनों थाना तिलैया निवासी, को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर चोरी गए सभी सामान बरामद कर लिए गए। पुलिस ने सोने-चांदी के आभूषण, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, दो स्मार्टफोन, चोरी में प्रयुक्त औजार, दो स्थानों से कुल 10 हजार नकद, ज्वेलरी खरीद से संबंधित बिल तथा वारदात में प्रयुक्त अपाची मोटरसाइकिल (जेएच12जी-5323) जब्त की है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी अरविंद कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक धनेश्वर कुमार एवं कोडरमा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

चार माह का बकाया मानदेय भुगतान के बाद आउटसोर्सिंग कर्मियों की हड़ताल समाप्त

कोडरमा। झारखंड स्वास्थ्य आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ (सीटू) के बैनर तले जिला के सदर अस्पताल एवं सभी प्रखण्डों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों की 23 जुलाई से जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल मंगलवार को समाप्त कर दिया गया। मालूम हो कर्मचारियों का चार माह का बकाया मानदेय का भुगतान होने एवं सिविल सर्जन, कमांडो कंपनी के मालिक नवल सिंह एवं उपाधीक्षक के साथ दो राउंड की वार्ता के बाद बनी सहमति के आधार पर आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की हड़ताल स्थगित किया गया। वार्ता में आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों के साथ कर्मचारी नेता दिनेश रविदास और सीटू के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश भी मौजूद थे। हड़ताल समाप्त होने पर सीटू के बाद राज्य सचिव संजय पासवान जो किसान मजदूर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दिल्ली में हैं। वहीं से धरनास्थल पर बैठे कर्मचारियों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि यह कर्मचारियों की एकजुट संघर्ष की जीत है। कमांडो ने कभी भी कर्मचारियों को एक माह से ज्यादा मानदेय नहीं दिया लेकिन आंदोलन के दबाव के कारण एकसाथ चार माह का बकाया भुगतान करना पड़ा। न्यूनतम मजदूरी के आधार पर मानदेय भुगतान के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा। 1 अगस्त को कमांडो कंपनी की उपस्थिति में श्रम अधीक्षक के साथ सीटू के प्रतिनिधियों की संयुक्त वार्ता होगी. जिसके बाद आगे की रणनीति बनाई जाएगी। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने हड़ताल समाप्ति के बाद धरना स्थल पर पहुंच कर कर्मचारियों की मांगों का समर्थन दोहराया और जल्द ही झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री से आउटसोर्सिंग कर्मियों का प्रतिनिधिमंडल मिलाने की बात की। आंदोलन को सफल बनाने में आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष रंजीत राम, सचिव धीरज तिवारी, कोषाध्यक्ष अभिजीत कुमार राणा, विशाल राणा, नीरज कुमार साह, सत्येन्द्र यादव, शेखर कुमार, राजकिशोर, जगधात्री भगत, रजनी सिन्हा, महिमा भारद्वाज, प्रिंस पांडे, हीरालाल डोम, हेमंत कुमार, मुकुल, बबीता, सूफी, प्रेमलता, सुलतानी, साजन दास, दीपक कुमार, कंचन कुमारी, सरिता, प्रेमलता, रंजीत कुमार, शालिनी कुमारी, रंभा देवी, राधा कुमारी, कंचन कुमारी, रानी सिंह, चम्मा देवी, संजना कुमारी, आर्यन सहित सभी कर्मचारियों की भूमिका रही।

मेघातरी घाटी में चार वाहनों की भिड़ंत, घंटों जाम से यात्री परेशान

कोडरमा। रांची-पटना मुख्य मार्ग पर कोडरमा थाना क्षेत्र के मेघातरी घाटी के समीप सोमवार देर रात बस, ट्रक समेत चार वाहनों की टक्कर से लंबा जाम लग गया। दुर्घटना के कारण कई घंटों तक यातायात बाधित रहा और लंबी दूरी के यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बिहार के सिवान से कोडरमा होते हुए टाटा जा रही शिव शक्ति बस मेघातरी के पास अचानक अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे एक ट्रक के किनारे से टकरा गई। बस को बचाने के प्रयास में ट्रक का चालक भी नियंत्रण खो बैठा, जिससे ट्रक आगे खड़े दो अन्य ट्रकों से जा भिड़ा। इस तरह कुल चार वाहन दुर्घटना की चपेट में आ गए। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। हालांकि सभी यात्रियों और वाहन चालकों को केवल मामूली चोटें आईं। दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़क पर ही फंस जाने से मेघातरी घाटी में कई घंटों तक लंबा जाम लगा रहा। घटना की सूचना मिलते ही कोडरमा थाना की पेट्रोलिंग पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर यातायात बहाल कराया। इसके बाद रांचीझपटना मुख्य मार्ग पर आवागमन सामान्य हो सका।

चंद्रघटी में दर्दनाक हादसा: तालाब में डूबने से 10 वर्षीय बालक की मौत

कोडरमा। जयनगर थाना क्षेत्र के चंद्रघटी गांव में सोमवार को तालाब में डूबने से 10 वर्षीय बालक की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम छा गया, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, चंद्रघटी निवासी मुकेश यादव का 10 वर्षीय पुत्र आरव राज घर के समीप स्थित तालाब की ओर गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। आसपास मौजूद लोगों को घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मासूम की असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने बच्चों को तालाब एवं अन्य जलाशयों के आसपास अकेले नहीं जाने देने की अपील की है, ताकि इस तरह की दर्दनाक घटनाओं से बचा जा सके।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देशहित में उठाया गया कदमः बाबूलाल मरांडी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पलामू : भारतीय जनता पार्टी संत रविदास की 650वीं जयंती को ऐतिहासिक रूप से मनाएगी। उनके समानता, सामाजिक समरसता और सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से देशभर में 'समरसता संकल्प यात्रा' निकाली जाएगी। इसकी शुरूआत 29 जुलाई को उत्तर प्रदेश के वाराणसी से होगी, जबकि यात्रा का समापन 20 फरवरी 2027 को होगा। यह जानकारी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को पलामू परिसदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी। मरांडी ने बताया कि यात्रा के तहत एक कलश झारखंड भी पहुंचेगा। यह सबसे पहले गढ़वा पहुंचेगा, जहां नगर मंदिर में रात्रि विश्राम के बाद पलामू, लातेहार और रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों का भ्रमण करेगा। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से संत रविदास के समता, सामाजिक सद्भाव और समरसता के विचारों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान मरांडी ने राष्ट्रीय शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देशहित में उठाया गया कदम है। उनके अनुसार, देशभर के छात्र इसकी मांग कर रहे थे और इसी मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन भी चल रहा था। नीट की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की आत्महत्या के सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी भी छात्र की मौत बेहद दुखद है और इसका समर्थन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के बढ़ते दबाव के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में छात्र आत्महत्या कर लेते हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। नीट समेत विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक के मामलों पर मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री इस मुद्दे को लेकर गंभीर हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विपक्ष से भी सार्थक सुझाव चाहते हैं। उन्होंने कहा कि संसद में इस विषय पर चर्चा हो रही है, लेकिन विपक्ष आंदोलन पर अधिक जोर दे रहा है। उनके अनुसार, आंदोलन के साथ-साथ परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और मजबूत बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करना भी जरूरी है, ताकि विद्यार्थियों का भविष्य सुरक्षित रह सके। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मरांडी ने कहा कि यदि उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों में जरा भी सच्चाई है तो उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि वह किसी भी जांच का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मरांडी ने यह भी कहा कि परीक्षा प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं केवल नीट तक सीमित नहीं हैं।

लगातार हो रही हत्या पर केएन त्रिपाठी ने सरकार को चेताया, मुख्यमंत्री छोड़ें गृह विभाग

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पलामू :पलामू में लगातार हो रही हत्या पर पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री केएन त्रिपाठी ने झारखंड सरकार के खिलाफ आन्दोलन करने की चेतावनी दी है। साथ ही व्यवस्तथा को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गृह विभाग छोड़ने का आग्रह किया है। उन्होंने किसी सक्षम मंत्री को यह जिम्मेवारी देने का सुझाव दिया है। उन्होंने रिटायर डीजीपी को राज्य का पुलिस महानिदेशक बनाये जाने के निर्णय पर भी सवाल उठाया है। साथ ही राज्य में पूर्णकालीक डीजीपी की तैनाती करने की मांग की है। त्रिपाठी मंगलवार को परिसदन में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। त्रिपाठी ने कहा कि पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के बाइपास रोड में एक काम्पलेक्स में डयूटी के दौरान रविवार रात विनोद पांडे की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। इसी तरह पाटन थाना क्षेत्र में प्रभात मेहता का अपहरण कर लिया गया और बाद में उसका शव मिला। प्रभात को ले जाने वाले ने खुद को पुलिसवाला बताया। परिजन जब थाना गए तो उन्हें उलझाया गया। प्रभात की हत्या में पुलिस की भूमिका सामने आ रही है। केएन त्रिपाठी ने कहा कि पलामू में कई हत्याएं पुलिस के संरक्षण में हुई हैं। कई पुलिस अधिकारी पूर्व डीजीपी के संपर्क में हैं। राज्य में विधि व्यवस्था संभल नहीं रही है। झारखंड सरकार के इस कार्यकाल में पिछले डेढ साल के दौरान 100 से अधिक लोगों की जान चली गयी है। त्रिपाठी ने कहा कि पार्टी और जनता के प्रति उतरदायी होने के कारण उनका फर्ज बनता है कि इन सब मामलों को लेकर मुखर हों। व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर विधि व्यवस्था को लेकर सरकार के खिलाफ आन्दोलन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने पुलिस मुख्यालय से पलामू में हुई फिलहाल की दोनों घटनाओं की जांच कराने की मांग की है।

आपसी रंजीश में हत्या का आरोपित गिरफ्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पलामू : जिले के पीपरा थाना क्षेत्र के मधुबाना गांव में हुए हत्याकांड का त्वरित खुलासा करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई को मधुबाना स्थित वीर कुंवर स्थान के समीप प्रभुनाथ रजवार (50) की धारदार हथियार (बलुआ) से हत्या कर दी गई थी। गिरफ्तार आरोपित को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पीपरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी और घायल को पहले अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर और बाद में बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई श्याम लाल रजवार के फर्दबयान के आधार पर पीपरा थाना में मामला दर्ज कर छापामारी अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (छतरपुर) प्रशांत कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित रमेश सिंह (55), को पड़वा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून लगा बलुआ भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपित ने बताया कि पिछले दुर्गा पूजा के दौरान हुए विवाद और गाली-गलौज को लेकर उसके मन में रंजिश थी, जिसके कारण उसने इस घटना को अंजाम दिया। छापेमारी दल में पीपरा थाना प्रभारी प्रदीप शर्मा, महिला थाना छतरपुर की थाना प्रभारी रूपा बावला, रंजीत कुजूर मुरांडी, ललन दास, कुमार नीरज, जितेंद्र उरांव, बड़ी राम, जीवियर मिंज और जैप-08 के सशस्त्र बल शामिल थे।

पुलिस विभाग में तबादला, राजकिशोर कुमार बने ट्रैफिक सार्जेंट मेजर

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिला पुलिस में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इस संबंध में मंगलवार को वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय से जिलादेश जारी कर संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार राजकिशोर कुमार का तबादला कर उन्हें ट्रैफिक सार्जेंट मेजर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं विनाश टुडू को पुलिस लाइन का सार्जेंट मेजर बनाया गया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि विनाश टुडू अपने नियमित दायित्वों के साथ-साथ सार्जेंट मेजर-द्वितीय के कार्यों का भी अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। एसएसपी कार्यालय ने सभी संबंधित अधिकारियों को बिना विलंब अपने नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने और अनुपालन रिपोर्ट कार्यालय में समर्पित करने का निर्देश दिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि इस प्रशासनिक फेरबदल से विभागीय कार्यों के संचालन में बेहतर समन्वय और कार्यकुशलता सुनिश्चित होगी।

गुरु रविदास जयंती वर्ष पर सामाजिक एकता का संदेश लेकर घर-घर पहुंचेगी भाजपा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650 वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी देशभर में ₹समरसता संकल्प अभियान₹ चलाएगी। इसकी जानकारी मंगलवार को साकची स्थित भाजपा जमशेदपुर महानगर कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी गई। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने बताया कि यह अभियान 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला, मंडल और ग्राम स्तर पर संचालित होगा। इसका उद्देश्य संत गुरु रविदास महाराज के समता, सामाजिक न्याय, मानवता, सेवा और सामाजिक समरसता के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और विकसित भारत के निर्माण में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि संत गुरु रविदास किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के प्रेरणास्त्रोत हैं। उनका ₹बेगमपुरा₹ का दर्शन ऐसे समाज की कल्पना करता है, जहां भेदभाव, शोषण और अन्याय के लिए कोई स्थान न हो। अभियान की शुरूआत 29 जुलाई की शाम ₹समरसता दीप महोत्सव₹ से होगी, जिसमें मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलित कर सामाजिक एकता का संदेश दिया जाएगा। इसके अलावा वाराणसी स्थित उनकी जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर की पवित्र मिट्टी से भरे कलश देशभर में पहुंचाए जाएंगे और 05 अक्टूबर से 05 नवंबर तक डेरा सचखंड बल्लां से वाराणसी तक समरसता यात्रा निकाली जाएगी। अभियान के दौरान संत संपर्क, छात्रावास संपर्क, समरसता संवाद, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास₹ के संकल्प की भावना संत गुरु रविदास के विचारों से प्रेरित है। उन्होंने बताया कि अभियान के संचालन के लिए जिला और मंडल स्तर पर समितियों का गठन किया जा रहा है और समाज के सभी वर्गों से इसमें सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया गया है।

पश्चिमी सिंहभूम टी-20 की तैयारी तेज, स्टेडियम के विकेट पर लगाई गई बारमूडा घास

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूमः आगामी 22 सितंबर से शुरू होने वाली पश्चिमी सिंहभूम टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता की तैयारियां तेज हो गई हैं। चाईबासा स्थित बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में प्रतियोगिता को लेकर मैदान के मुख्य विकेट पर बारमूडा सेलेक्शन वन घास लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस नई घास से तैयार होने वाला विकेट तेज गेंदबाजों के लिए अधिक मददगार साबित होने की उम्मीद है। पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के अनुरोध पर झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम के तीनों मुख्य विकेटों पर बारमूडा सेलेक्शन वन घास लगाने का पूरा खर्च वहन किया है। घास लगाने का कार्य झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के पिच क्यूरेटरों की देखरेख में स्थानीय मजदूरों के सहयोग से लगभग तीन दिनों में पूरा किया गया। घास को सड़क मार्ग से कोलकाता से चाईबासा लाया गया। मंगलवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के महासचिव असीम कुमार सिंह ने बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने अपने घरेलू मैदानों पर बारमूडा सेलेक्शन वन घास लगाने की सलाह दी है। इसका उद्देश्य ऐसे विकेट तैयार करना है, जिनसे तेज गेंदबाजों को अधिक सहायता मिल सके। उन्होंने बताया कि भारत के अधिकांश घरेलू विकेट बल्लेबाजों के अनुकूल माने जाते हैं। ऐसे में तेज गेंदबाजों को मदद देने वाले विकेटों पर भारतीय बल्लेबाजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम का विकेट भी अब तक बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रहा है। पिछले सत्र में इसी मैदान पर एक दिन में लगभग 700 रन बने थे। असीम कुमार सिंह ने बताया कि नई घास के बेहतर विकास के लिए अगले एक महीने तक विकेट पर किसी भी प्रकार की गतिविधि नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे घास पूरी तरह तैयार हो सकेगी और विकेट की गुणवत्ता बेहतर होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि पश्चिमी सिंहभूम टी-20 प्रतियोगिता शुरू होने से पहले तीनों मुख्य विकेट पूरी तरह तैयार हो जाएंगे और इस बार प्रतियोगिता में तेज गेंदबाजों को बेहतर सहायता मिलेगी, जिससे मुकाबले और अधिक रोमांचक होने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

20 रुपये लीटर वाला इथेनॉल 101 रुपये में बेच रही भाजपा : केएन त्रिपाठी

पलामू : केन्द्र सरकार के पेट्रोल और डीजल में इथेनॉल मिक्स कर बेचे जाने के निर्णय पर पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने सवाल खड़ा किया है। पलामू परिसदन में मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए त्रिपाठी ने कहा कि केन्द्र सरकार वैज्ञानिक स्टडी दबाकर देशवासियों को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान दे रही है। भाजपा और उनके कारोबारी मित्रों को इसका जमकर फायदा हो रहा है। 20 रुपये लीटर बिकने वाला इथेनॉल पेट्रोल और डीजल में मिलाकर 101 रुपये लीटर की कीमत में बेचा जा रहा है। त्रिपाठी ने कहा कि एक दिन में लाखों करोड़ रुपये का इथेनॉल पेट्रोल और डीजल में मिलाया जा रहा है। यह इथेनॉल भाजपा नेताओं की फैक्ट्रियों से निकलता है। 20 प्रतिशत इथेनॉल पेट्रोल और डीजल में मिलाए जाने के कारण गाड़ियों के इंजन की लाइफ कम हो रही है। यह देश के लिए काफी गंभीर विषय है। उन्होंने केन्द्र सरकार से इसे तुरंत रोकने की मांग की है। पहले पेट्रोल और डीजल में इथेनॉल मिक्स करने के वैज्ञानिक आधार सार्वजनिक करने को कहा है। यह भी कहा है कि देश की तमाम गाड़ियों के इंजन पेट्रोल और डीजल आधारित है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल मिक्स कर बेचे जाने से पहले इंजन को सुरक्षित रखने के लिए इथेनॉल आधारित किट लगाया जाए। त्रिपाठी ने भाजपा नेताओं की इथेनॉल की कितनी फैक्ट्रियां चल रही हैं, उसे भी बताने को कहा है। इस मौके पर जेकेएम के केन्द्री अध्यक्ष शत्रुध्न कुमार शत्रु, परमदेव सिंह, रंजन दुबे सहित अन्य नेता मौजूद थे।

विश्व प्राकृतिक संरक्षण दिवस पर तीन सौ पौधों का वितरण

पूर्वी सिंहभूमः विश्व प्राकृतिक संरक्षण दिवस के अवसर पर आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल और प्रिवेंशन ऑफ क्रुएलिटी टू एनिमल्स एंड प्लांट्स (पीसीएपी) जमशेदपुर के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को गदरा मध्य विद्यालय में पौधरोपण और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के बीच 300 फलदार और पुष्प के पौधों का वितरण कर उन्हें पौधों के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आनंद मार्ग के प्रतिनिधि सुनील आनंद ने कहा कि पर्यावरण संकट प्राकृतिक नहीं, बल्कि मनुष्य की स्वार्थपरक सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सृष्टि का सबसे विकसित और बुद्धिमान जीव होने के कारण पर्यावरण संरक्षण की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी मनुष्य की ही है। यदि मनुष्य अपने मन को निर्मल और व्यापक बनाए तथा पेड़-पौधों एवं जीव-जंतुओं को अपने परिवार का हिस्सा माने, तभी प्रकृति का वास्तविक संरक्षण संभव हो सकेगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पौधों के महत्व, जैव विविधता के संरक्षण और पृथ्वी पर ऑक्सीजन के संतुलन को बनाए रखने में वृक्षों की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर आनंद मार्ग स्कूल के प्रधानाध्यापक सीताराम, झूरी जमुदा, तनिष्क देव, तापस देव सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

भूमि अभिलेख में बदलाव के विरोध में बस्तीवासियों ने किया प्रदर्शन

पूर्वी सिंहभूम :पूर्वी सिंहभूम के जमशेदपुर अनुमंडल अंतर्गत मौजा मजगे, वार्ड संख्या-10 की भूमि से जुड़े अभिलेखों में कथित बदलाव के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में बस्तीवासियों ने उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और भूमि सुधार उप समाहर्ता (एलआरओसी) के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के जिला अध्यक्ष तपन महतो और सचिव दिपाली दास ने किया। ज्ञापन में बस्तीवासियों ने आरोप लगाया कि खाता संख्या-312 के प्लॉट संख्या 1552 एवं 1553 से संबंधित भूमि अभिलेखों में वर्ष 2026 के दौरान बिना स्पष्ट वैधानिक आदेश और पर्याप्त आधार के परिवर्तन कर दिया गया है। उनका कहना है कि पुराने नक्शा, सेटलमेंट अभिलेख तथा वर्ष 2022 तक अंचल कार्यालय के रिकॉर्ड में सामुदायिक भूमि को छोड़कर सभी आवास प्लॉट संख्या 1552 में दर्ज थे। वर्ष 2022 में भी अंचलाधिकारी की ओर से इसी प्लॉट को मान्यता दी गई थी। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बाद में प्रतिनियुक्त अमीन सूरज कुमार की रिपोर्ट के आधार पर उनके मकानों को प्लॉट संख्या 1553 में दर्ज कर दिया गया, जबकि जमीन की वास्तविक स्थिति, सीमांकन और भौतिक स्वरूप में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं हुआ। ऐसे में बिना किसी स्पष्ट कानूनी प्रक्रिया के अभिलेखों में बदलाव किया जाना गंभीर जांच का विषय है। जेएलकेएम जिला अध्यक्ष तपन महतो और सचिव दिपाली दास ने कहा कि लगभग दो घरों वाले बस्तीवासियों को उनकी भूमि से जुड़े अधिकारों से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और पुराने नक्शा, सेटलमेंट रिकॉर्ड, खतियान तथा वर्तमान स्थिति का मिलान करते हुए सभी बस्तीवासियों की मौजूदगी में दोबारा पैमाइश कराई जाए। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या त्रुटि सामने आती है तो अभिलेखों में आवश्यक संशोधन कर वास्तविक स्थिति के अनुरूप प्लॉट संख्या बहाल की जाए। ज्ञापन के साथ प्रदर्शनकारियों ने पुराने नक्शा एवं सेटलमेंट अभिलेख, वर्ष 2022 के अंचल कार्यालय के रिकॉर्ड तथा वर्ष 2026 के विवादित अभिलेखों की प्रतियां भी प्रशासन को सौंपीं। बस्तीवासियों ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर न्यायसंगत कार्रवाई करेगा।

बिहार के मुजफ्फरपुर में बागमती नदी ने पार किया खतरे का निशान

एजेंसी

मुजफ्फरपुर: जिला आपातकालीन संचालन केन्द्र द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, मुजफ्फरपुर जिले में बागमती नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। मंगलवार सुबह 6:00 बजे की रिपोर्ट के मुताबिक, कटौझा में बागमती नदी का जलस्तर 55.75 मीटर दर्ज किया गया है, जो कि इसके खतरे के निशान (55.00 मीटर) से 0.75 मीटर अधिक है। इसके अलावा, नदी का रुख लगातार बढ़ने की ओर है, जिससे निचले इलाकों में तबाही की आशंका गहरा गई है। औराई, कटरा और गायघाट के निचले इलाकों में अलर्टः बागमती नदी के जलस्तर में हो रही इस लगातार वृद्धि के कारण औराई, कटरा और गायघाट प्रखंडों के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए भारी संकट खड़ा हो गया है। इन क्षेत्रों में नदी का पानी तेजी से प्रवेश कर सकता है, जिससे फसलों, सड़कों और घरों को भारी नुकसान पहुंचने की संभावना है। स्थानीय प्रशासन ने इन इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। सिकंदरपुर और रेवाघाट में स्थिति नियंत्रण मेंः एक तरफ जहां बागमती नदी का रुख चिंताजनक बना हुआ है, वहीं दूसरी तरफ जिले से गुजरने वाली बूढ़ी गंडक और गंडक नदी से राहत की खबर है। सिकंदरपुर में बूढ़ी गंडक का जलस्तर 48.46 मीटर है, जो खतरे के निशान (52.53 मीटर) से नीचे है। वहीं रेवाघाट में गंडक नदी का जलस्तर 52.89 मीटर दर्ज किया गया है, जो इसके खतरे के निशान (54.41 मीटर) से कम है। राहत की बात यह है कि इन दोनों ही स्थानों पर जलस्तर का रुख गिरने की ओर है। प्रशासन की तैयारी समाहरणालय मुजफ्फरपुर के जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष और जल निस्सरण प्रमंडल के अभियंता स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। अधिकारियों को तटबंधों की निगरानी बढ़ाने और संवेदनशील इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

राइज प्रशिक्षण से स्वास्थ्यकर्मियों के टीकाकरण कौशल होंगे और मजबूत

एजेंसी

सीवानः नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी तथा गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को सिविल सर्जन कार्यालय के सभा कक्ष में रैपिड इम्यूनाइजेशन स्किल एन्हांसमेंट कार्यक्रम पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों, चिकित्सा पदाधिकारियों, बीसीएम, बीएचएम, एलएचवी, एएनएम एवं टीकाकरण कार्यक्रम से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को राइज प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल लर्निंग की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मार्गदर्शन में विकसित यह प्लेटफॉर्म स्वास्थ्यकर्मियों के नियमित टीकाकरण संबंधी ज्ञान और कौशल को लगातार अद्यतन रखने में सहायक है. इसमें इंटरैक्टिव ई-लर्निंग मॉड्यूल, क्विज, गेम, ऑनलाइन मूल्यांकन, रियल-टाइम मॉनिटरिंग तथा ई-सर्टिफिकेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रशिक्षण में बताया गया कि राइज के अंतर्गत पांच प्रमुख मॉड्यूल शामिल हैं.इनमें टीकाकरण सत्र एवं माइक्रोप्लान प्रबंधन, सुरक्षित इंजेक्शन एवं वैक्सीन प्रशासन, कोल्ड चेन प्रबंधन के सिद्धांत, टीकाकरण के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं का प्रबंधन तथा वैक्सीन हिचकिचाहट को दूर करने के लिए प्रभावी संवाद कौशल शामिल हैं।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हुआ बाल संसद और मीना मंच का गठन

एजेंसी

अररिया : फारबिसगंज के मध्य विद्यालय घीवहा में मंगलवार को प्रधानाध्यापक प्रदीप शर्मा की अध्यक्षता में बाल संसद एवं मीना मंच का गठन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक मतदान कर विभिन्न पदों के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव किया। मतगणना के बाद छोटू कुमार को प्रधानमंत्री, प्रिया कुमारी को उप प्रधानमंत्री, मधु कुमारी को शिक्षा मंत्री, सीता कुमारी को स्वास्थ्य मंत्री, राजा कुमार को पुस्तकालय मंत्री तथा सुजीत कुमार को जल एवं कृषि मंत्री चुना गया। वहीं प्रतिभा कुमारी को हेड गर्ल बनाया गया। अन्य पदों पर भी छात्रों का चयन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किया गया।प्रधानाध्यापक प्रदीप शर्मा ने कहा कि बाल संसद के गठन का उद्देश्य बच्चों में नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी की भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और मताधिकार के प्रति जागरूकता विकसित करना है। उन्होंने निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनके अधिकारों एवं दायित्वों की जानकारी देते हुए विद्यालय के अनुशासन एवं विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय शिक्षा समिति की अध्यक्ष फूलन देवी, सचिव मीरा रानी दास तथा शिक्षक सचिन कुमार रजक, प्रभात कुमार प्रवीण, मो. अरमान, राकेश कुमार, विजय कुमार, अनुपम ऋषिदेव एवं रंजन ऋषिदेव सहित विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बंद घर का ताला तोड़ लाखों की चोरी, स्मैकियों पर आशंका

एजेंसी

भागलपुर :जिले के मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र के नया टोला दुधेला गांव में बीते रात चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सामान और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय गृह स्वामी सपरिवार घर से बाहर थे। वारदात के पीछे स्थानीय स्मैक (नशा) का सेवन करने वाले तत्वों का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। पीड़ित गृह स्वामी विद्यानंद सिन्हा ने बताया कि वे पिछले करीब एक महीने से अपने परिवार के साथ घर से बाहर रह रहे थे। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने मकान की खिड़की का दरवाजा तोड़ दिया और भीतर दाखिल हो गए। चोरों ने पूरे घर को खंगाल डाला। गृह स्वामी के अनुसार, चोर घर में रखा कीमती सामान समेट ले गए। चोरी गए सामानों में मुख्य रूप से एक इनडोर टीवी, पानी का मोटर, पीतल के घरेलू बर्तन, पूजा के उपयोग में आने वाले पीतल के बर्तन, चांदी के 5 प्राचीन सिक्के, घर में रखी नकदी शामिल है। चोरों ने न सिर्फ कीमती सामान चुराया, बल्कि आंगन में खड़ी मोटरसाइकिल को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। चोरों ने बाइक की बैटरी को भी औजारों की मदद से खोल लिया और अपने साथ ले गए। घटना की भनक लगते ही आसपास के ग्रामीणों ने इसकी सूचना मधुसुदनपुर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस बल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस ने मौके का मुआयना किया है और गृह स्वामी व पड़ोसियों से जानकारी इकट्ठा कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में स्मैक पीने वाले लड़कों का जमावड़ा रहता है, जो इस तरह की चोरियों को अंजाम देते हैं।

सहरसा जंक्शन से 45 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद, एक गिरफ्तार

एजेंसी

सहरसा :रेलवे सुरक्षा बल ने सहरसा जंक्शन से 45 बोतल प्रतिबंधित सिरप बरामद किया है, जिसकी कुल कीमत 7785,रुपये आंकी गई है।जानकारी अनुसार मंगलवार को रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार साथ में उनि सुजीत कुमार मिश्र,एवं प्रधान आरक्षी बीरेन्द्र कुमार, सहरसा रेलवे स्टेशन पर गश्त कर रहे थे।

गश्त के दौरान प्लेटफार्म ऑन ड्यूटी स्टाफ सीटी दिलीप कुमार मंडल , रेसुब पोस्ट मिले सभी साथ होकर आगे बढे तो सहायक अवर निरीक्षक नेहा कुमारी, मध निषेध थाना सहरसा साथ स्टाफ सभी साथ मिलकर प्लेटफार्म संख्या-02 पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान समय दोपहर 2.20 बजे एक व्यक्ति सफेद रंग का प्लास्टिक का झोला लिए संदिग्धावस्था में क्रू लोबी के पास देखा गया। सभी के द्वारा उक्त व्यक्ति को घेरकर रोका गया तथा उसके पास सफेद रंग का प्लास्टिक का झोला के बारे में पूछा गया तो उनके द्वारा कोई संतोषप्रद जबाब नही दिया गया तथा उनसे पूछने पर अपना नाम भरत कुमार,उम्र-25वर्ष, पिता-फागु चौधरी,सा.-झिटकिया,थाना-सिंघेश्वर, मधेपुरा,का निवासी बताया। उसके पास पाए गये सफेद रंग का प्लास्टिक का झोला को प्लेटफार्म पर रखवाकर खुलवाया गया तो उसमें कुल 45 बोतल प्रतिबंध सिरप प्रत्येक का मूल्य-173/-रुपया पाया गया। मौके पर सहायक अवर निरीक्षक नेहा कुमारी द्वारा समक्ष गवाहन समस्त कार्यवाही उपरांत कुल 45 बरामद प्रतिबंधित सिरप बोतल को जब्त किया गया तथा भरत कुमार को गिरफ्तार कर अग्रेतर कार्यवाही के लिए मध निषेध थाना, सहरसा को सौपा गया।

स्वच्छ भारत मिशन और पीएम आवास योजना की समीक्षा, डीडीसी ने दिए सख्त निर्देश

एजेंसी

सुपौल : उप विकास आयुक्त इन्द्रवीर कुमार ने मंगलवार को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)/लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान फेज-2 एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक सहित संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। समीक्षा बैठक में डीआरडीए, सुपौल के निदेशक (लेखा एवं स्वनियोजन) आशुतोष कुमार, जिला समन्वयक तथा जिला सलाहकार (सीबी एंड आईईसी) भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत महादलित टोलों में शौचालय निर्माण, ऋण वितरण एवं भुगतान, आवंटन के विरुद्ध व्यय, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) के अंतर्गत निर्मित परिसंपत्तियों के रखरखाव, उपयोगिता प्रमाण-पत्र, निमार्णाधीन सामुदायिक स्वच्छता परिसर (सीएससी) को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कराने तथा संचालित सीएससी की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली-2026 के अनुरूप चार श्रेणियों में कचरा पृथक्करण सुनिश्चित कराने का निर्देश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को दिया गया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत सर्वाधिक लंबित 20 पंचायतों में आवास निर्माण कार्य की भी समीक्षा की गई। संबंधित पंचायतों के ग्रामीण आवास सहायकों, ग्रामीण आवास पर्यवेक्षकों एवं प्रखंड विकास पदाधिकारियों से प्रगति की जानकारी ली गई। कार्यों की प्रगति संतोषजनक नहीं मिलने पर उप विकास आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए अगले सप्ताह तक अपेक्षित सुधार लाने का निर्देश दिया। डीडीसी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रथम किस्त प्राप्त करने वाले सभी लाभार्थियों के आवास निर्माण कार्य का शत-प्रतिशत शुभारंभ सुनिश्चित कराया जाए। जिन लाभार्थियों ने राशि प्राप्त करने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है, उनके विरुद्ध राशि वसूली की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं, जिन लाभार्थियों ने विभिन्न स्तरों पर आवास निर्माण पूरा कर लिया है, उनके आवास का शीघ्र जियो-टैग कर भुगतान की प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया गया।यदि चाहें, इसे प्रेस विज्ञप्ति या अखबार की छोटी खबर के प्रारूप में भी तैयार किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

प्रखंड प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ता, पंचायत समिति सदस्यों ने बीडीओ को सौंपा आवेदन

अररिया : फारबिसगंज प्रखंड प्रमुख ओमप्रकाश पासवान के खिलाफ पंचायत समिति सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव लाते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवेदन सौंपा है। पूर्व प्रखंड प्रमुख सुरेश पासवान के नेतृत्व में करीब दो दर्जन पंचायत समिति सदस्य प्रखंड कार्यालय पहुंचे और अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित आवेदन जमा किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला पंचायत समिति सदस्य भी मौजूद रहीं। पूर्व प्रखंड प्रमुख सुरेश पासवान ने आरोप लगाया कि वर्तमान प्रखंड प्रमुख के कार्यकाल में प्रखंड क्षेत्र में अपेक्षित विकास कार्य नहीं हो पाया हैं। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों की लगातार अनदेखी की गई है, जिससे पंचायत समिति सदस्यों में असंतोष व्याप्त है। पंचायत समिति सदस्यों ने बीडीओ से अविश्वास प्रस्ताव पर नियमानुसार शीघ्र विशेष बैठक बुलाने की मांग की, ताकि मामले पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत निर्णय लिया जा सके। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव का आवेदन प्राप्त हो गया है और नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मुलाकाती परिसर में मुलाकात से न्याय तक नामक लीगल एड क्लिनिक का उद्घाटन

अररिया :अररिया जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से मंडल कारा के मुलाकाती परिसर में मुलाकात से न्याय तक नामक लीगल एड क्लिनिक का शुभारम्भ किया गया। इस क्लिनिक का उद्देश्य कैदियों से मिलने आने वाले परिजनों और अन्य व्यक्तियों को तत्काल विधिक सहायता उपलब्ध कराना है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार गंजन पाण्डे ने इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रोहित श्रीवास्तव और कारा अधीक्षक सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गंजन पाण्डे ने बताया कि इस क्लिनिक का मुख्य उद्देश्य समाज के अधिक से अधिक लोगों तक विधिक सेवा प्राधिकार की योजनाओं और सुविधाओं को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि बंदियों से मुलाकात करने आने वाले लोग इस क्लिनिक के माध्यम से उचित विधिक सलाह और सहायता प्राप्त कर सकेंगे, जिससे न्याय तक पहुंच आसान बनेगी। क्लिनिक के उद्घाटन के बाद जिला जज गंजन पाण्डे ने होम एवं चाइल्ड एडॉप्शन होम का भी दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों की देखभाल, गोद लेने की प्रक्रिया और कानूनी सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया।

नई दिल्ली में बच्चों की सुरक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में अररिया के संजय कुमार ने लिया भाग

अररिया : बच्चों के अधिकारों की रक्षा, उनके उज्ज्वल भविष्य और उन्हें त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से देश की राजधानी नई दिल्ली में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन संस्था द्वारा चार दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 27 जुलाई से 30 जुलाई तक किया जा रहा है,जिसमें फारबिसगंज के जागरण कल्याण भारती के संजय कुमार ने भाग लिया।उन्होंने बिहार में बाल सुरक्षा की वर्तमान स्थिति और चुनौतियों पर राज्य का पक्ष रखा।इस परामर्श कार्यक्रम में देश भर के नीति निमार्ता, कानूनी विशेषज्ञ, नागरिक समाज संगठन और बाल अधिकार कार्यकर्ता एक साथ जुटे हैं। कार्यक्रम में सांसद लावु कृष्ण देवरायालु और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के संस्थापक भुवन रीभू सहित कई गणमान्य हस्तियां भाग ले रही है। कार्यशाला में संजय कुमार ने बिहार के ग्रामीण इलाकों में बच्चों के संरक्षण, बाल श्रम की रोकथाम और शिक्षा के अधिकार को हर बच्चे तक पहुंचाने के लिए जागरण कल्याण भारती द्वारा किए जा रहे कार्यों को साझा किया।बाल विवाह और शोषण के खिलाफ ठोस रणनीति कार्यशाला में देश को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में हो रहे कार्यों की समीक्षा की गई। संस्थापकों द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में देश भर में 5.5 लाख से अधिक बाल विवाह रोके जा चुके हैं। संजय कुमार ने बताया कि बिहार में जमीनी स्तर पर समुदाय को जागरूक करके ही बच्चों को एक सुरक्षित और भयमुक्त माहौल दिया जा सकता है। इसके लिए कानूनी सहायता और तकनीकी उपकरणों का उपयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया।न्याय तक बच्चों की पहुंच संजय कुमार ने कार्यशाला के सत्रों में भाग लेते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा सिर्फ एक कानूनी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारे समाज के भविष्य का आधार है। जब तक हर पीड़ित बच्चे को आसान और संवेदनशील न्याय प्रणाली नहीं मिलेगी, तब तक हम पूर्ण विकास की कल्पना नहीं कर सकते।

जिला कराटे एसोसिएशन का एकदिवसीय कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा का आयोजन

अररिया :फारबिसगंज के थाना मध्य विद्यालय परिसर में मंगलवार को जिला कराटे एसोसिएशन का एकदिवसीय कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा का आयोजन हुआ।परीक्षा का आयोजन बिहार स्टेट चीफ ऑफ टीएमएए-एसकेएआई एवं सह सचिव जिला कराटे एसोसिएशन के रेन्शी शमसाद अंसारी के नेतृत्व में हुआ,जिसमें कुल 45 छात्र एवं छात्राओं ने कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा में भाग लिया तथा उत्तम प्रदर्शन कर बेल्ट परीक्षा में सफलता हासिल किया। परीक्षा में आर्यन,शायन,नन्दी,हेमलता कुमारी,स्वीटी कुमारी,नैना कुमारी,शुभ प्रिया,प्रिंस कुमार, ऋतिक स्वर्ण,सूरज कुमार, शाहिल अंसारी,प्रियांशु कुमार,नौमान दानिश,शिल्पी रॉय,भूपेश कुमार आदि ने भाग लिया।वहीं प्रशिक्षक के रुप में ब्लैक बेल्ट होल्डर सेंसई मेराज अंसारी और नूर हसन के द्वारा सभी बच्चों को शारीरिक और मानसिक मजबूती को जांच की गई।परीक्षा के पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को अगले बेल्ट में प्रमोशन दिया गया।

उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश, चारधाम यात्रा पर दो दिन के लिए रोक, अगले 48 घंटे भारी

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। चारधाम यात्रा मार्गों पर भू-स्खलन और भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए चारधाम यात्रा को दो दिन (28 और 29 जुलाई) को रोक दिया गया है। गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों पर कई स्थानों पर हुए भू-स्खलन श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए 28 और 29 जुलाई के लिए चारधाम यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। मौसम अनुकूल होने और मार्ग सुरक्षित होने के बाद यात्रा पुनः शुरू की जाएगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित अवधि तक यात्रा पर न निकलने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है।

मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों तक कई जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर अत्यंत तीव्र वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना है। मंगलवार को उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पौड़ी, हरिद्वार, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के लिए भारी से बहुत भारी वर्षा, आकाशीय बिजली और तीव्र बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 29 जुलाई को भी उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल और बागेश्वर में इसी तरह की स्थिति बने रहने का अनुमान है।

केंद्र ने चेतावनी दी है कि लगातार बारिश के कारण भू-स्खलन, चट्टान गिरने, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के अवरुद्ध होने, नदियों और गदेरों के जलस्तर में अचानक वृद्धि, निचले क्षेत्रों में जलभराव तथा बिजली और पेयजल सेवाओं के प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। लोगों से नदी-नालों के समीप नहीं जाने तथा पर्वतीय क्षेत्रों की यात्रा केवल अत्यंत आवश्यक होने पर ही करने की सलाह दी गई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान देहरादून जिले के मालदेवता में सर्वाधिक 233 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा दर्ज की गई। हाथीबड़कला में 194.5 मिमी, जौलीग्रांट में 172.2 मिमी, मसूरी में 163 मिमी, ऊखीमठ में 120 मिमी, डीडीहाट में 102 मिमी, मोहकमपुर में 95.8 मिमी, धनोल्टी में 88 मिमी, हल्द्वानी और थल में 83-83 मिमी, चमोली में 80.6 मिमी, तेजम में 73 मिमी, बेरीनाग में 72 मिमी, कीर्तिनगर में 70 मिमी तथा नरेंद्रनगर में 63 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

देहरादून में नंदा की चौकी के पास पुलिया का ढांचा सुरक्षित है। भारी बारिश के कारण एप्रोच रोड के नीचे की मिट्टी बह जाने से सड़क का हिस्सा धंस गया है, जिसकी युद्धस्तर पर मरम्मत कराई जा रही है। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने मौके का निरीक्षण कर अधिकारियों को तीन घंटे के भीतर मार्ग बहाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने मालदेवता, सोडा सरौली और सहस्त्रधारा क्षेत्र में भी क्षतिग्रस्त सड़कों और सुरक्षा दीवारों का निरीक्षण कर राहत एवं पुनर्स्थापन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश, चारधाम यात्रा पर दो दिन के लिए रोक

देहरादून। उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। चारधाम यात्रा मार्गों पर भू-स्खलन और भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए चारधाम यात्रा को दो दिन (28 और 29 जुलाई) को रोक दिया गया है। गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों पर कई स्थानों पर हुए भू-स्खलन श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए 28 और 29 जुलाई के लिए चारधाम यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। मौसम अनुकूल होने और मार्ग सुरक्षित होने के बाद यात्रा पुनः शुरू की जाएगी। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित अवधि तक यात्रा पर न निकलने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों तक कई जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर अत्यंत तीव्र वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना है। मंगलवार को उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पौड़ी, हरिद्वार, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के लिए भारी से बहुत भारी वर्षा, आकाशीय बिजली और तीव्र बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 29 जुलाई को भी उत्तरकाशी, देहरादून, टिहरी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल और बागेश्वर में इसी तरह की स्थिति बने रहने का अनुमान है। केंद्र ने चेतावनी दी है कि लगातार बारिश के कारण भू-स्खलन, चट्टान गिरने, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के अवरुद्ध होने, नदियों और गदेरों के जलस्तर में अचानक वृद्धि, निचले क्षेत्रों में जलभराव तथा बिजली और पेयजल सेवाओं के प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। लोगों से नदी-नालों के समीप नहीं जाने तथा पर्वतीय क्षेत्रों की यात्रा केवल अत्यंत आवश्यक होने पर ही करने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान देहरादून जिले के मालदेवता में सर्वाधिक 233 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा दर्ज की गई। हाथीबड़कला में 194.5 मिमी, जौलीग्रांट में 172.2 मिमी, मसूरी में 163 मिमी, ऊखीमठ में 120 मिमी, डीडीहाट में 102 मिमी, मोहकमपुर में 95.8 मिमी, धनोल्टी में 88 मिमी, हल्द्वानी और थल में 83-83 मिमी, चमोली में 80.6 मिमी, तेजम में 73 मिमी, बेरीनाग में 72 मिमी, कीर्तिनगर में 70 मिमी तथा नरेंद्रनगर में 63 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई।

फर्जी कॉल सेंटर मामले में ईडी ने मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार, अमेरिकी नागरिकों से करोड़ों की साइबर ठगी का आरोप

एजेंसी

हैदराबाद। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी कॉल सेंटर के जरिए अमेरिकी नागरिकों से साइबर ठगी और धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामले में मुख्य आरोपित विकास कुमार निमार उर्फ मिस्टी को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि निमार देश के विभिन्न शहरों से संचालित एक संगठित साइबर ठगी नेटवर्क का मास्टरमाइंड था, जो खुद को तकनीकी सहायता (टेक्निकल सपोर्ट) कर्मी बताकर अमेरिकी नागरिकों को अपने जाल में फंसाता था।

ईडी के अनुसार, आरोपित को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। मंगलवार को उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एजेंसी अब मामले में शामिल अन्य आरोपितों, वित्तीय लेनदेन और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

जांच एजेंसी के मुताबिक, विकास कुमार निमार ने हैदराबाद में एक फर्जी कॉल सेंटर स्थापित किया था। यहां से प्रशिक्षित कर्मचारियों के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों को फोन किए जाते थे और खुद को प्रतिष्ठित तकनीकी कंपनियों का कर्मचारी बताकर उनसे संपर्क किया जाता था। इसके बाद कंप्यूटर या अन्य डिजिटल उपकरणों में तकनीकी खराबी, वायरस संक्रमण अथवा सुरक्षा संबंधी समस्या का झांसा देकर लोगों से संपर्क स्थापित किया जाता था। जांच में यह भी सामने आया है कि कथित तौर पर पीड़ितों को डराकर या भ्रमित कर उनसे बड़ी रकम वसूली जाती थी। ईडी ने वर्ष 2023 में मधापुर थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की थी। जांच के दौरान एजेंसी ने संदिग्ध बैंक खातों, विदेशी फंड ट्रांसफर और वित्तीय लेनदेन का विश्लेषण किया। प्रारंभिक जांच में ऐसे साक्ष्य मिलने का दावा किया गया है, जिनसे संकेत मिलता है कि गिरोह ने अमेरिकी नागरिकों को धमकाकर और धोखाधड़ी के माध्यम से करोड़ों रुपये एकत्र किए तथा इस धन को विभिन्न माध्यमों से वैध दिखाने का प्रयास किया।

ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि विकास कुमार निमार हैदराबाद, विशाखापत्तनम, लखनऊ समेत देश के कई शहरों में साइबर कॉल सेंटर संचालित करता था। एजेंसी का आरोप है कि उसने 'वीसी सॉल्यूशंस' नाम से कई कॉल सेंटर स्थापित किए थे। इन संस्थानों के बैंक खातों की जांच में बड़ी मात्रा में नकद जमा होने और संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों के प्रमाण मिले हैं। एजेंसी अब इन खातों से जुड़े लेनदेन और लाभार्थियों की भी पड़ताल कर रही है।

जांच के दौरान ईडी यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस नेटवर्क से देश और विदेश में कौन-कौन लोग जुड़े थे, ठगी से अर्जित धन को किन माध्यमों से स्थानांतरित किया गया और क्या इस पूरे नेटवर्क में अन्य कंपनियों या व्यक्तियों की भी भूमिका रही है। एजेंसी का कहना है कि मामले में मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी और जांच के दायरे में आने वाले अन्य आरोपितों के खिलाफ भी कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

दतिया विधानसभा उपचुनाव: 30 जुलाई को मतदान, 2.20 लाख मतदाता करेंगे 21 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश के दतिया विधानसभा उपचुनाव की तैयारियां पूरी हो गई हैं। यहां 30 जुलाई को मतदान होगा, जिसमें 2 लाख 20 हजार 344 मतदाता 21 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। ईवीएम में उम्मीदवारों के साथ नोटा का विकल्प भी रहेगा। तीन अगस्त को मतगणना होगी और इसी दिन नतीजे आएंगे।

दतिया विधानसभा उपचुनाव के प्रचार-प्रसार का आज मंगलवार को अंतिम दिन है। शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थम जाएगा। इसके बाद उम्मीदवार और उनके स्थानीय कार्यकर्ता ही घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क कर सकेंगे। चुनाव प्रचार समाप्त होने से पहले सभी प्रमुख राजनीतिक दल अपने समर्थकों और मतदाताओं के बीच आखिरी बार अपनी ताकत दिखाने में जुटे हैं।

जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक दतिया विधानसभा क्षेत्र में कुल 2,20,344 मतदाता हैं। इनमें 1,16,088 पुरुष और 1,04,246 महिला मतदाता हैं। इसके अलावा 10 अन्य मतदाता भी अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। विधानसभा क्षेत्र में 1,372 दिव्यांग, 80 वर्ष से अधिक उम्र के 1,237 और 443 सर्विस वोटर भी हैं। यही मतदाता 30 जुलाई को ईवीएम में बटन दबाकर 21 प्रत्याशियों की किस्मत तय करेंगे।

भाजपा ने चुनाव प्रचार में दतिया के विकास को मुख्य मुद्दा बनाया। पार्टी ने ढाई साल से क्षेत्र में विकास कार्य ठप होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस को घेरा। भाजपा नेताओं ने मतदाताओं से कहा कि पार्टी प्रत्याशी के जीतने पर रुके हुए विकास कार्यों को पूरा कराया जाएगा। प्रचार के दौरान सरकार के काम और दतिया के विकास को लेकर भी जनता के बीच नेता पहुंचे। वहीं कांग्रेस ने चुनाव प्रचार में दतिया उपचुनाव में भाजपा के दावेदार माने जा रहे पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा को निशाने पर रखा। पार्टी ने उनके कार्यकाल के दौरान दतिया में कानून-व्यवस्था और कथित गुंडागर्दी को लेकर लगातार सवाल उठाए। कांग्रेस ने नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटे जाने को भी चुनावी मुद्दा बनाया और इसे लेकर भाजपा पर निशाना साधा।

दतिया उपचुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने 40-40 स्टार प्रचारकों को मैदान में उतारा। भाजपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल लगातार प्रचार में सक्रिय रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी रैली और जनसभा कर मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान की अपील की। करीब 10 से 15 कैबिनेट मंत्रियों को भी अलग-अलग क्षेत्रों में जातीय और स्थानीय समीकरण साधने की जिम्मेदारी दी गई। ग्वालियर-चंबल अंचल के नेताओं ने भी प्रचार में मोर्चा संभाला। कांग्रेस की ओर से प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी लगातार प्रचार करते रहे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के अलावा हेमंत कटारे, जयवर्धन सिंह और ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के अन्य नेताओं ने भी मोर्चा संभाला। दोनों दलों ने जातीय समीकरणों को साधने के लिए पूरी ताकत लगाई। आज मंगलवार शाम पांच बजे प्रचार थमने के बाद बाहर से आए नेताओं को दतिया विधानसभा क्षेत्र की सीमा से बाहर जाना होगा। इसके बाद उम्मीदवार और स्थानीय कार्यकर्ता ही मतदाताओं से डोर-टू-डोर संपर्क कर सकेंगे। चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद अब दोनों दलों का फोकस मतदान के दिन अधिक से अधिक मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने पर रहेगा।

संत रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में देशभर में समरसता यात्राएं निकालेगी विहिप

लखनऊ। संत शिरोमणि रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) देशभर में विभाग स्तर पर समरसता यात्राएं निकालेगी। विहिप के केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय सामाजिक समरसता प्रमुख देवजी भाई रावत ने कहा कि संत रविदास का सामाजिक समरसता, समानता और आध्यात्मिकता का संदेश आज भी समाज के लिए उतना ही प्रासंगिक और प्रेरणादायी है। देवजी भाई रावत ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि विहिप देशभर में समरसता यात्राओं सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी, ताकि संत रविदास के विचारों और उनके सामाजिक समरसता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया कि समरसता यात्राओं की तिथि प्रत्येक प्रान्त अपनी सुविधानुसार तय करेगा। अवध प्रान्त में 27 सितम्बर से 04 अक्टूबर के मध्य समरसता यात्रा निकाली जायेगी। उन्होंने कहा कि रविदास जी के जन्मस्थान से समाधिस्थान तक जहां-जहां उनसे जुड़े स्थान व मंदिर हैं वहां से समरसता यात्राएं निकाली जाएंगी। संतों की पदयात्राएं होंगी। प्रखण्डस्तर पर समरसता सहभोज के आयोजन होंगे। इसके अलावा इस साल विहित का 22 नवंबर से 13 दिसंबर तक सदस्यता अभियान भी चलेगा। इस बार संगठन ने दो करोड़ से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। वहीं विहिप अशोक सिंघल की जन्म शताब्दी वर्ष भी मनाएगी। इस दौरान गौ सम्मेलन, किसान सम्मेलन, वेद विद्यालय एकत्रीकरण, समरसता गोष्ठियां, सद्भावना बैठकें तथा अर्चक-पुरोहित एवं सर्वजाति पुरोहित प्रशिक्षण वर्ग सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विहिप संत रविदास जयंती के साथ-साथ अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी के कार्यक्रम भी साथ-साथ करेगी। अशोक सिंघल का जन्म 27 सितंबर 1926 को हुआ था। उनका निधन 17 नवंबर 2015 को हुआ।

मप्र का संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क बना रोजगार की गारंटी, 98 प्रतिशत विद्यार्थियों को मिला प्लेसमेंट

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित संत शिरोमणि ग्लोबल स्किल्स पार्क उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करने वाला राष्ट्रीय स्तर का कौशल विकास केन्द्र बन गया है। यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का लगभग 98 प्रतिशत प्लेसमेंट हुआ है। संस्थान के 34 विद्यार्थियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्लेसमेंट हुआ है। इस तरह विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने की कसौटी पर संस्थान की उपलब्धि सराहनीय है। जनसंपर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि संस्थान में देश के 13 राज्यों के युवा प्रशिक्षण ले रहे हैं। वर्ष 2025 में संस्थान ने 2000 युवाओं को प्रशिक्षण एवं सर्टिफिकेशन प्रदान किया। वर्ष 2026 में यह संख्या बढ़कर लगभग 3000 होने का अनुमान है, जबकि अगले दो वर्षों में 6000 युवाओं को प्रतिवर्ष प्रशिक्षण एवं सर्टिफिकेशन देने का लक्ष्य रखा गया है। आधुनिक तकनीक, व्यवहारिक प्रशिक्षण और उद्योगों की सहभागिता के कारण यह संस्थान युवाओं को केवल प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि बेहतर रोजगार पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है।

विश्वस्तरीय तकनीक, व्यवहारिक प्रशिक्षण और उद्योगों की जरूरतों पर आधारित पाठ्यक्रम उन्होंने बताया कि ग्लोबल स्किल्स पार्क में वर्ष 2024 से सिंगापुर की प्रतिष्ठित संस्था आईटीई एजुकेशन सर्विसेज के अकादमिक एवं तकनीकी सहयोग से 09 अत्याधुनिक लॉन्ग टर्म कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। मेक्ट्रोनिक्स, रोबोटिक्स, सीएनसी इंजीनियरिंग और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में एक वर्षीय प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को आधुनिक मशीनों पर व्यवहारिक अभ्यास कराया जाता है। प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल प्रमाण-पत्र देना नहीं, बल्कि युवाओं को उद्योगों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाना है। यही कारण है कि यहां से प्रशिक्षित युवा अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। प्रदेश ही नहीं, देशभर के युवाओं की पहली पसंद बन रहा संस्थान जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि संस्थान की गुणवत्ता का सबसे बड़ा प्रमाण यहां प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या है। वर्तमान में लगभग 80 प्रतिशत विद्यार्थी आईटीआई तथा 20 प्रतिशत विद्यार्थी पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। लगभग 10 प्रतिशत विद्यार्थी देश के 13 विभिन्न राज्यों से यहां अध्ययन के लिए आते हैं। वर्ष 2025 में 1000 विद्यार्थियों ने लॉन्ग टर्म कोर्स में प्रवेश लिया, जबकि 1000 अभ्यर्थियों को शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेशन प्रदान किया गया। एक ही वर्ष में 2000 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देना संस्थान की बढ़ती क्षमता को दशार्ता है। वर्ष 2026 में यह संख्या लगभग 3000 होने का अनुमान है।

एक नजर

होर्मुज में शांति के प्रयास, अच्छी वार्ता के कयास, ट्रंप ने कहा- जल्दी करो

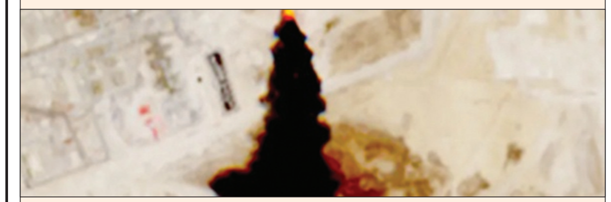

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान की हठ की वजह से अंतरराष्ट्रीय समुद्री गलियारा होर्मुज जलडमरूमध्य के खौलते पानी से झुलस रहे समूचे मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) को राहत की खुशखबरी मिल सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन की तेहरान के साथ ₹बहुत दोस्ताना बातचीत₹ हो रही है। मगर उन्होंने संकेत दिया है कि वह लंबी बातचीत के लिए तैयार नहीं हैं। वह चाहते हैं कि जो कुछ भी हो जल्द हो। इस पर ईरान ने कहा कि अमेरिका युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता खोजने के लिए तड़प रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले में ईरान सावधानी से नपे-तुले और व्यावहारिक तरीके से आगे बढ़ रहा है वह चाहता है कि शांति लौटे पर अमेरिका की मनमानी शर्तों पर नहीं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कही गई यह शायद सबसे अहम बात है। ईरान मिला-जुला और दोतरफा संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि तेहरान भविष्य में टकराव की स्थितियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान की सेना के प्रमुख ने भी यही बात दोहराई है। ईरान यह भी कह रहा है कि कूटनीति के दरवाजे न तो पूरी तरह खुले हैं और न ही पूरी तरह बंद, बल्कि वे थोड़े खुले हैं। उधर, अमेरिका यह पक्का करना चाहता है कि होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खुल जाए। ट्रंप का कहना है कि अगर ईरान जिद पर अड़ा रहा तो उसके खिलाफ कड़ी सैन्य कार्रवाई का विकल्प उनके पास है। इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वाशिंगटन पहुंच चुके हैं। उनके ट्रंप से मिलने की उम्मीद है। इस मुलाकात में ईरान के साथ युद्ध का मुद्दा सबसे अहम हो सकता है। वहीं, सऊदी अरब ने इराक में ईरान समर्थित समूहों के ड्रोन हमले की निंदा की है। इन समहों ने रियाद और पूर्वी प्रांत में तेल सुविधाओं को निशाना बनाया है।

यूक्रेन के हमलों में नौ दिन में 86 रूसी नागरिकों की मौत

मॉस्को/कीव। रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी, 2022 से जंग जारी है। रूस ने यूक्रेन में तबाही मचाई है। पिछले कुछ समय में यूक्रेन ने भी रूस पर हमले बढ़ा दिए हैं। इससे रूस को जान-माल का नुकसान हो रहा है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने सोमवार को कहा कि 15 से 24 जुलाई के बीच रूसी नागरिकों को निशाना बनाकर किए गए यूक्रेन के हमलों में 86 लोग मारे गए। द मॉस्को टाइम्स और शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जखारोवा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ₹15 से 24 जुलाई के बीच यूक्रेनी सेना के हमलों में 86 लोग मारे गए। इनमें छह बच्चे भी शामिल हैं। 12 बच्चों समेत 409 लोग घायल हुए हैं।₹ प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति करके उसकी सैन्य ताकत को मजबूत कर रूस पर हमलों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूसी संघ की जांच समिति के अनुसार, 2014 और 2026 के बीच यूक्रेनी सेना के हमलों में 240 से अधिक बच्चे मारे गए हैं। लगभग 1,225 अन्य लोग अलग-अलग तरह से घायल हुए हैं। जखारोवा ने कहा, ₹इस धरती पर कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि उसे पता नहीं था कि क्या हो रहा है। यूक्रेन और उसके सहयोगियों को इसकी कीमत चुकानी होगी। उधर, क्षेत्रीय अधिकारियों ने सोमवार सुबह बताया कि दक्षिणी रूस में यूक्रेनी हवाई हमलों में कम से कम पांच लोग मारे गए और लगभग दो दर्जन अन्य घायल हो गए। रोस्तोव के गवर्नर यूरी स्ल्यूसर ने टेलीग्राम पोस्ट में बताया कि अजोव सागर के पास रोस्तोव-ऑन-डॉन शहर में एक रिहायशी इमारत पर हुए हमले में एक जोड़े की मौत हो गई। बाद में उन्होंने कहा कि मलबे के नीचे तीन और शव मिले, जिनमें एक बच्चे का शव भी शामिल था। स्ल्यूसर ने कहा कि हमले में पांच लोग घायल हुए, जिनमें से दो की हालत गंभीर थी। उन्होंने कहा कि ड्रोन का मलबा गिरने से कई जगहों पर आग लग गई। सोमवार रात रोस्तोव-ऑन-डॉन पर हुए हमले के कुछ घंटों बाद रूसी रेलवे ने 4 अगस्त तक अजोव और टैगनरोग के प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई पर प्रतिबंधों की घोषणा की। अधिकारियों ने बताया कि बेलगोरोद शहर में ड्रोन हमले में दो बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए और एक रिहायशी इमारत में आग लग गई। रूस भी हमलों का कड़ा जवाब दे रहा है। यूक्रेन के जापोरिज्जिया प्रांत के गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि दक्षिणी शहर में गाइडेड एरियल बम और ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। इस शहर पर हाल के महीनों में जबरदस्त बमबारी हुई है। यूक्रेन के उत्तरी सुमी इलाके में रूस के गाइडेड एरियल बम हमले में पांच लोग घायल हो गए। रूस की सेना ने रविवार को कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूसी सेना ने राजधानी कीव को बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाया, जिससे शहर में धमाके हुए। उत्तरी यूक्रेन के शहर चेर्निहाइव में स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एक रूसी ड्रोन ने सुपर मार्केट पर हमला किया, जिसमें 10 साल के बच्चे समेत दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

नेपाल में डॉक्टरों से दुर्व्यवहार के विरोध में देशव्यापी हड़ताल शुरू

काठमांडू। नेपाल के वीरगंज स्थित नारायणी अस्पताल के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों पर हुए हमले और जिला प्रशासन कार्यालय पर्सा में वार्ता के दौरान पुलिस द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के विरोध में नेपाल चिकित्सक संघ के आह्वान पर देशभर के अस्पतालों में आपातकालीन (इमरजेंसी) सेवाओं को छोड़कर बाकी सभी सेवाएं ठप हैं। नेपाल चिकित्सक संघ ने की विज्ञप्ति के अनुसार, 25 जुलाई को नारायणी अस्पताल में कार्यरत डॉ. प्रमोद राम सहित अन्य डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों पर जानलेवा हमला हुआ था। अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ की गई थी। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण डॉ. राम का इलाज चल रहा है। यही नहीं जिला प्रशासन कार्यालय, पर्सा में हो रही वार्ता के दौरान सीडीओ की मौजूदगी में पुलिस बल का प्रयोग कर संघ के केंद्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य और नारायणी शाखा के अध्यक्ष सहित अन्य डॉक्टरों के साथ गाली-गलौज और दुर्व्यवहार किया गया। संघ के अध्यक्ष डॉ. बद्री रिजाल और महासचिव डॉ. विश्वराज दवाड़ी ने कहा है, इस आंदोलन के कारण मरीजों को होने वाली असुविधा के लिए क्षमा मांगते हुए हम यह भी स्पष्ट करना चाहते हैं कि इसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं नेपाल सरकार की है।

नेपाल के सुनसरी में भय व्याप्त, विराटनगर और दक्षिणी सुनसरी में शैक्षणिक संस्थाएं बंद

काठमांडू। नेपाल के सुनसरी जिले के देवानगंज में हुई हिंसा के बाद शुरू हुए विरोध-प्रदर्शनों के कारण लोगों में भय व्याप्त है।विराटनगर और दक्षिणी सुनसरी में शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया गया है। रविवार रात देवानगंज में दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद पुलिस को हालात पर काबू पाने के लिए गोली चलानी पड़ी। इस दौरान स्थानीय निवासी की मौत हो गई । इस घटना में २१ अन्य लोग घायल हुए हैं। इसी घटना के विरोध में सोमवार को विराटनगर में प्रदर्शन हुआ था, जिसके चलते मंगलवार को स्कूल नहीं खुले। विराटनगर महानगरपालिका की शिक्षा महाशाखा ने औपचारिक रूप से स्कूल बंद करने का निर्णय नहीं लिया था, लेकिन सुरक्षा के जोखिम और यातायात में रुकावट की चेतावनियों के कारण शैक्षणिक संस्थान स्वतः ही बंद रहे। महानगर के शिक्षा महाशाखा प्रमुख रामप्रसाद ढुंगेल के अनुसार, स्कूली बसों के संचालन में बाधा पहुंचाए जाने की खबरों के बाद स्कूलों ने पठन-पाठन रोक दिया। ढुंगेल ने कहा, महानगर ने स्कूल की छुट्टी का औपचारिक फैसला तो नहीं किया है।